राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 सरकार बनने पर हर जिले में होगा शिवाजी महाराज का.....

केरल में हो रहे देश विरोधी अपराध, सीएम ने मुझे अंधेरे में रखा..... 12

वर्ष : 15 | अंक : 181 | नई दिल्ली, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

पीएम गति शक्ति के तीन साल : योगी-धामी बोले युवाओं के सपनों को मिली नई उड़ान

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम गति शक्ति पहल के तीन साल पूरे होने पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दी। सीएम योगी ने कहा कि गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान नए भारत में सुव्यवस्थित, अत्याधुनिक आधारभूत ढांचे और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के निर्माण में एक क्रांतिकारी पहल सिद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि इस योजना ने समाज और देश के आर्थिक विकास को नई गति, नई शक्ति, नई दिशा प्रदान कर रही है और युवाओं के सपनों को नई उड़ान दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 15 अगस्त 2021 को पीएम गति शक्ति योजना की घोषणा की थी। इसका मकसद देश की बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और लॉजिस्टिक्स सुविधा को बेहतर बनाना है। सीएम योगी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में तीन वर्ष पूर्व शुरू हुआ गति शक्ति नेशनल मास्टर प्लान नए भारत में सुव्यवस्थित, अत्याधुनिक आधारभूत ढांचे और मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के निर्माण में एक क्रांतिकारी पहल सिद्ध हुआ है। उन्होंने आगे लिखा, ह्वविकसित

भारत-आत्मनिर्भर भारत की अपेक्षा के अनुरूप यह परिवर्तनकारी योजना बेहतर लॉजिस्टिक्स सुविधा और तीव्र कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करते हुए कम लागत, कम समय और अधिकतम रोजगार के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। समाज और देश के आर्थिक विकास को नई गति-नई शक्ति-नई दिशा प्रदान कर रही इस योजना ने युवाओं के सपनों को नई उड़ान दी है। आभार प्रधानमंत्री जी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी ह्यपीएम गति शक्ति के तीन वर्ष पूरे होने पर एक्स पोस्ट में लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तीन वर्ष पूर्व शुरू किए गए पीएम गति शक्ति योजना के तीन वर्ष पूर्ण हो गए हैं। यह योजना एक समग्र और दीर्घकालिक विकास की दिशा में भारत के प्रयासों का प्रतीक है, जो सभी क्षेत्रों को जोड़कर भविष्य के लिए एक मजबूत आधार तैयार कर रही है। उन्होंने आगे लिखा, इन तीन वर्षों में इस योजना के तहत न केवल देश के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिली है, बल्कि यह भारत के आर्थिक और सतत विकास की दिशा में एक ठोस कदम साबित हुआ है। इस योजना के अंतर्गत मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी से लॉजिस्टिक्स लागत कम हुई है। साथ ही उद्यमशीलता और रोजगार के नए अवसर भी खुल रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन अफ्रीकी देशों की यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन अफ्रीकी देशों-अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की राजकीय यात्रा पर रविवार को रवाना हुईं। राष्ट्रपति मुर्मू 13 से 19 अक्तूबर तक इन देशों की यात्रा पर हैं। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इन तीन अफ्रीकी देशों की पहली यात्रा है। राष्ट्रपति मुर्मु की यात्रा का पहला चरण अल्जीरिया से शुरू होगा, फिर मॉरिटानिया और मलावी में खत्म होगा। यह भारत के राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा होगी और 39 वर्षों के बाद किसी राष्ट्राध्यक्ष स्तर की यात्रा होगी। उनकी यात्रा का अगला चरण मॉरिटानिया होगा। 1960 में अपनी स्वतंत्रता के बाद से भारत से इतने उच्च स्तर के किसी व्यक्ति के इस अफ्रीकी राष्ट्र का दौरा करने का यह पहला अवसर है। इसके बाद राष्ट्रपति मुर्मू, मलावी के राष्ट्रपति के निमंत्रण पर 17 अक्टूबर को मलावी पहुंचेंगी। 19 अक्टूबर को वे मलावी से भारत के लिए रवाना होंगी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या शर्मनाक और चौंका देने वाली खबर

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र में विपक्षी दलों ने रविवार को कहा कि पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए चौंकाने वाली और शर्मनाक है। उन्होंने दावा किया कि मुंबई में अराजकता व्याप्त है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के महाराष्ट्र अध्यक्ष जयंत पाटिल ने पूछा कि जब सत्तारूढ़ गठबंधन का नेता ही सुरक्षित नहीं है तो सरकार आम आदमी को कैसे सुरक्षित रख सकती है? पाटिल ने एक बयान में कहा कि राज्य में इससे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक ने पुलिस थाने में गोलीबारी की थी, जबकि एक पूर्व पार्षद की ह्यफेसबुक लाइवह्न सत्र के दौरान हत्या कर दी गई थी। कांग्रेस ने सिद्दीकी की हत्या को लेकर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के इस्तीफे की मांग की। पुलिस के अनुसार, मुंबई में बांद्रा के खेर नगर इलाके में बाबा सिद्दीकी के बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात तीन लोगों ने उन्हें गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना के बाद विपक्ष महाराष्ट्र की कानून-

व्यवस्था की स्थिति को लेकर सवाल उठा रहा है। राज्य में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। पाटिल ने कहा कि सिद्दीकी की हत्या राज्य के लिए ह्यचौंकाने वाली और शर्मनाकह्न है। उन्होंने कहा, ह्यह्यराज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार जारी हैं, जबकि पुणे जैसे शहर में गैंगवार आम बात हो गई है। यह साफ हो गया है कि राज्य में कानून-व्यवस्था चरमरा गई है। अगर सत्तारूढ़ गठबंधन का नेता ही सुरक्षित नहीं है तो सरकार आम आदमी को कैसे सुरक्षित रख सकती है? कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा कि सिद्दीकी का त्रासद अंत चौंका देने वाला है, जिसे शब्दों में भी बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, ह्यह्यदुःख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार, मित्रों और समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। उनके परिवार को न्याय मिलना चाहिए और वर्तमान महाराष्ट्र सरकार को इस घटना की गहन और पारदर्शी जांच का आदेश देना चाहिए। दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। जवाबदेही सर्वोपरि है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने दावा किया कि सिद्दीकी की हत्या से पता चलता है कि ह्यह्यमुंबई में पूरी तरह अराजकता व्याप्त है। न्होंने ह्यएक्सह्न पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यकानून का राज खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को जिम्मेदारी लेते हुए तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने कहा कि इस हत्या से साबित हो गया है कि राज्य में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। कांग्रेस नेता ने मुंबई पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में दावा किया कि सिद्दीकी को 15 दिन पहले जान से मारने की धमकी मिली थी और उनके हत्यारे 19 से 20 साल के हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यइसका साजिशकर्ता कौन है? कुछ दिन पहले एक फिल्म अभिनेता के घर के बाहर गोलीबारी हुई थी। क्या सिद्दीकी की हत्या और उस गोलीबारी के बीच कोई संबंध है? वडेट्टीवार ने कहा कि सिद्दीकी को ह्यवाई श्रेणीह्न की सुरक्षा दी गई थी, जो उनकी सुरक्षा करने में विफल रही। उन्होंने पूर्व पार्षद अभिषेक घोसालकर की हत्या का भी जिक्र किया। इस वर्ष की शुरूआत में उनकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा, ह्यह्ययह घटना मुंबई पुलिस की छवि को शोभा नहीं देती है। मैं पुलिस से आग्रह करता हूं कि ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए कदम उठाए जाएं। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृह मंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने कहा, ह्यह्यअगर देवेंद्र फडणवीस इस्तीफा नहीं देते हैं तो राज्यपाल को उनका इस्तीफा मांगना चाहिए। राउत ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर पुलिस के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और दावा किया कि फडणवीस कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, ह्यह्यइससे पहले कभी भी राज्य का गृह विभाग अपने कर्तव्यों को पूरा करने मे विफल नहीं हुआ था। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने आरोप लगाया कि हालांकि मुंबई में गैंगवार कुछ साल पहले समाप्त हो गया था, लेकिन सरकार में गैंगवार चल रही है। शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सिद्दीकी पूर्व मंत्री और तीन बार विधायक रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि क्या मुंबई में कोई कानून-व्यवस्था बची है। प्रियंका चतुर्वेदी ने पूछा, ह्यह्ययदि सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति का ऐसा अंजाम होगा तो आम लोग कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे?

वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सोमवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति एजी. मसीह की पीठ 14 अक्टूबर (सोमवार) को मामले की सुनवाई करेगी। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने धान की पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मामले में एक भी अभियोजन मामला नहीं चलाने के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उसके निदेशों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद, सीएक्यूएम ने हाल ही में एक निर्देश जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों के जिलाधिकारियों को निष्क्रियता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था। पंजाब और हरियाणा के हॉटस्पॉट जिलों में 26 केंद्रीय टीमों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है, जो जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेंगी। इसके अलावा, चंडीगढ़ में ह्वपैडी स्टब्ल मैनेजमेंट सेलह्न (धान पराली प्रबंधन प्रकोष्ठ) स्थापित करना का फैसला लिया गया है, जो क्षेत्र स्तरीय कार्रवाई की समन्वित और निरंतर निगरानी करेगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए 2020 में सीएक्यूएम की स्थापना की गई थी, ताकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) से जुड़ी समस्याओं का बेहतर समन्वय, अनुसंधान, पहचान और समाधान किया जा सके। इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण के खतरे से निपटने के लिए सीएक्यूएम को ज्यादा सक्रिय होने की जरूरत है। यह भी कहा था कि आयोग ने उस तरह से कार्य नहीं किया जैसी उससे उम्मीद थी।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी, सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की जिम्मेदारी ली है। गैंग की तरफ से एक फेसबुक पोस्ट वायरल हो रहा है। जिसमें गैंग ने दावा किया है कि वे सलमान खान से कोई झगड़ा नहीं चाहते थे लेकिन बाबा की हत्या की वजह उनका दाऊद इब्राहिम और अनुज थापन के साथ जुड़ाव था। बिश्नोई गैंग की तरफ किए गए पोस्ट में कहा गया है, जीवन का मूल समझता हूं, जिस्म और धन को मैं धूल समझता हूं। किया वही सत्कर्म था, जो निभाया मित्रता का धर्म

था। बिश्नोई गैंग ने फेसबुक पोस्ट में कहा, सलमान खान हम ये जंग चाहते नहीं थे। पर तुमने हमारे भाई (लॉरेंस बिश्नोई) का नुकसान करवाया। आज जो बाबा सिद्दीकी की शराफत के पुल बांधे जा रहे हैं, वो एक टाइम में दाऊद के साथ मकोका एक्ट में था। इसके मरने का कारण अनुज थापन और दाऊद को बॉलीवुड, राजनीति, प्रॉपर्टी डीलिंग से जोड़ना था। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि हमारी किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, पर जो भी सलमान खान और दाऊद गैंग की हेल्प करेगा, अपना हिसाब-किताब लगा के रखना। हमारे किसी भी भाई को कोई भी मरवाएगा, तो हम प्रतिक्रिया जरूर देंगे। हमने पहले वार कभी नहीं किया। पुलिस सूत्रों की मानें तो घटना के बाद से ही लॉरेंस बिश्नोई गैंग के ऊपर शक जताया जा रहा था। वहीं इस पोस्ट के बाद मामला साफ हो गया है। फिलहाल पुलिस लॉरेंस बिश्नोई से पूछताछ कर आगे की जांच करेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री, दोनों उपमुख्यमंत्रियों के आवासों पर सुरक्षा बढ़ाई गई

मुंबई, एजेंसी

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या से पूरे शहर में शोक की लहर है। इस बीच दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल इलाके में स्थित मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार के सरकारी आवासों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने मालाबार हिल इलाके में कुछ महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा के लिए बैरिकेड्स लगाने के आदेश दिए हैं। शनिवार रात बाबा सिद्दीकी की हत्या तीन लोगों ने की थी। हत्या में शामिल एक आरोपी हरियाणा और दूसरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि तीसरा फरार है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के नाम शिवा, धर्मराज और गुरमेल हैं। शिवा और धर्मराज उत्तर प्रदेश के बहराइच के रहने वाले हैं। इन दोनों का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, जबकि गुरमेल हरियाणा का रहने वाला है। धर्मराज और गुरमेल को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिवा फरार है। बताया जा रहा है कि उसे इस हत्या की सुपारी दी गई थी। राकांपा (एनसीपी) मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी केवल गृह मंत्री और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर ही नहीं बल्कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी है। एक हफ्ते पहले एनसीपी के बायकुला प्रमुख की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। कल (शनिवार को) बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई। यह मुंबई पुलिस के लिए चुनौती है। ये लड़के 10 हजार से 20 हजार रुपये लेकर लोगों को मारने के पीछे पड़े हैं। यह कॉन्ट्रैक्ट किलिंग है। पुलिस को खुली छूट दी जानी चाहिए। इसकी जिम्मेदारी सिर्फ गृह मंत्री की नहीं बल्कि मुख्यमंत्री की भी है। भुजबल ने उपमुख्यमंत्री और राज्य के गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस तथा मुंबई पुलिस से बाबा सिद्दीकी और एनसीपी के बायकुला प्रमुख सचिन कुर्मी की हत्या की जांच के लिए तत्काल कदम उठाने की अपील की है। बाबा सिद्दीकी की मुंबई में अज्ञात लोगों द्वारा अंधाधुंध गोली मारकर हत्या कर देने की खबर बेहद चौंकाने वाली और मन को झकझोर देने वाली है। सचिन कुर्मी की हत्या को अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ है, यह घटना बेहद चिंताजनक है।

दिल्ली सरकार के 12 वित्तपोषित कॉलेज की तीसरी तिमाही की किस्त जारी, सीएम आतिशी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार के अंतर्गत आने वाले 12 कॉलेज के लिए 100 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। ये सभी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंधित हैं। इन कॉलेजों के लिए तीसरी तिमाही की किस्त जारी की गई है। सीएम आतिशी ने इन 12 वित्तपोषित कॉलेजों की तीसरी तिमाही की किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 400 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय के मुताबिक, दिल्ली सरकार के 12 वित्तपोषित कॉलेजों के लिए बजट 3 गुणा से ज्यादा बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय का कहना है कि दिल्ली में बच्चों को बेहतरीन शिक्षा देने के लिए हर साल ह्यआपह्न सरकार ने इन 12 वित्तपोषित कॉलेजों का बजट बढ़ाया है। मुख्यमंत्री आतिशी का कहना है कि शिक्षक परेशान ना हो, उन्हें समय पर वेतन मिले, मेडिकल-पेंशन बेनिफिट्स मिले, इसलिए सरकार डीयू के इन 12 कॉलेजों को 100 करोड़ रुपये का फंड जारी कर रही है। स्कूलों के साथ-साथ दिल्ली सरकार ने उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। तीन नई यूनिवर्सिटी खोली, मौजूदा यूनिवर्सिटीज का विस्तार किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की उच्च शिक्षा में दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णत वित्तपोषित 12 दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साल 2014-15 में इन कॉलेजों को 132 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो इस वित्त वर्ष में तीन गुणा बढ़कर लगभग 400 करोड़ रुपये हो गए हैं। मुख्यमंत्री के मुताबिक, इन कॉलेजों में पिछले कुछ सालों से वित्तीय कुप्रबंधन के कई मुद्दे सामने आए, लेकिन सरकार ने निर्णय लिया है कि मैनेजमेंट के कारण, एडमिनिस्ट्रेशन की गलतियों की वजह से उन कॉलेजों के शिक्षकों और विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होना चाहिए। शिक्षकों की बेहतरी का ध्यान रखते हुए, उनके मेडिकल बेनिफिट, पेंशन बेनिफिट्स, जो वित्तीय कुप्रबंधन की वजह से रुके हुए थे, इसका ध्यान रखते हुए दिल्ली सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय के इन 12 कॉलेजों के लिए दूसरी तिमाही में 100 करोड़ रुपये का फंड जारी कर रही है। दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णत वित्त पोषित दिल्ली विश्विद्यालय के इन 12 कॉलेजों में आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, अदिति महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता कॉलेज, भास्कराचार्य कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, डॉ. भीमराव अंबेडकर कॉलेज, इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, केशव महाविद्यालय, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, महर्षि वाल्मीकि कॉलेज, शहीद राजगुरु कॉलेज और शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजेनस स्टडीज शामिल हैं।

भूमिपूजन 9.37 करोड़ की लागत से होगा 3 सड़कों का निर्माण.....

वित्त मंत्री चौधरी ने 12.90 करोड़ के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

रायगढ़, एजेंसी

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने आज लोईंग महापल्ली क्षेत्र में 12 करोड़ 90 लाख की लागत के निर्माण एवं विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि हमारा सिर्फ एक ही ध्येय है कि जनता की सुविधा के लिए अधिक से अधिक विकास के कार्य हो। इसको ध्यान में रखकर विकास और जन सुविधा से जुड़े निर्माण कार्यों को लगातार स्वीकृति दी जा रही है। आज सड़क निर्माण कार्यों के साथ लोईंग में बनने वाले आईटीआई भवन तथा बटमूल आश्रम महाविद्यालय में अतिरिक्त निर्माण कक्ष का भी भूमिपूजन किया गया है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि हम लगातार विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। निर्माण कार्यों को मंजूरी देने के बाद अब बारिश खत्म होते ही सभी कार्यों की टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण कार्य शुरू करवाया जा रहा है, जिससे इसका लाभ लोगों को मिल सके।

उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समय-सीमा का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महापल्ली में 29 लाख की लागत से महतारी सदन का निर्माण होगा। जिसका संचालन महिलाओं द्वारा किया जायेगा।

वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने कहा कि लेईंग में आईटीआई भवन निर्माण से यहां पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का लाभ मिलेगा। यहां नए ट्रेड भी शुरू किए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि आईटीआई से छात्र स्किल सीखते हैं, जो उन्हें उद्योगों में रोजगार पाने और स्वयं का व्यवसाय शुरू करने योग्य बनाएगा। इस मौके पर उन्होंने मौजूद छात्रों को मन लगाकर पढ़ने और हुनरमंद बनकर अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ाने की बात कही। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने आज 12 करोड़ 90 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया, जिसमें 5 करोड़ 46 लाख से रायगढ़-लोईंग महापल्ली जामगांव मार्ग का निर्माण कार्य लम्बाई-8.60 कि.मी, 2 करोड़ 8 लाख की लागत से कोतरलिया बस्ती पहुंचमार्ग का निर्माण लंबाई 1.55 कि.मी., एक करोड़ 83 लाख की लागत से बस्ती जामगांव-छुहीपाली-जूनाडीह मार्ग का निर्माण कार्य, लंबाई 2.40 कि.मी., 3 करोड़ 44 लाख की लागत से लोईंग महापल्ली में नवीन आई.टी.आई. भवन का निर्माण कार्य तथा बटमूल आश्रम कॉलेज में विधायक मद अंतर्गत स्वीकृत 7 लाख 67 हजार की लागत से अतिरिक्त कक्षों के निर्माण कार्य शामिल हैं। अंचल के लोगों के आवागमन की सुविधा को देखते हुए वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने 2 करोड़ 89 लाख की लागत से बनने वाले कोयलंगा पुल के निर्माण कार्य का प्रारंभ हो गया है। मंत्री श्री चौधरी ने अधिकारियों को इस काम को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे इस क्षेत्र के लोगों की ओडिशा से कनेक्टिविटी बेहतर होगी और उन्हें कम दूरी तय करनी पड़ेगी। पुल निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर स्थानीय निवासियों ने हर्ष जताते हुए वर्षों से लंबित मांग को पूरा करने पर वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जितेन्द्र यादव, विजय अग्रवाल, सुकलाल चौहान, सूरत पटेल, अनंत राम चौहान, एन.आर.प्रधान, ईई पीडब्ल्यूडी अमित कश्यप, एसडीओ एम.एस.नायक सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम की देखरेख में काटी गई धान की फसल

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की देखरेख में हवालबाग में धान की फसल की क्रॉप कटिंग (कटाई) का कार्य किया गया। डीएम ने बताया कि विभिन्न फसलों का क्रॉप कटिंग का प्रयोग राजस्व विभाग, कृषि संख्यिकी विभाग की ओर से संयुक्त रूप से किया जाता है। इन क्रॉप कटिंग प्रयोगों से प्राप्त उत्पादन के ऑकड़ों का प्रयोग उत्पादन का अनुमान लगाने, उत्पादकता की गणना करने एवं प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत बीमा दावों का भुगतान किये जाने में होता है। डीएम ने स्वयं भी धान की फसल काटकर किसानों को खेती के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में आधुनिक व जैविक खेती करने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, उन्होंने कृषकों से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा। डीएम ने मक्का एवं मडुवा जैसी फसलों को बढ़ाने पर जोर दिया। इस दौरान सांख्यिकी अधिकारी अशोक कुमार, डॉ.जयप्रकाश आदित्य, तहसीलदार ज्योति धपवाल, प्रधान अमित शाह आदि थे।

उसकूना में सीसीटीवी में कैद हुआ तेंदुआ

अल्मोड़ा, एजेंसी। हवालबाग के उसकूना में एक तेंदुआ सीसीटीवी में कैद हुआ है। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्राम प्रधान देवेन्द्र सिंह मेहरा के घर के बाहर लगे सीसीटीवी में बीते मंगलवार रात करीब दस बजे एक तेंदुए की चहलकदमी कैद हुई। तेंदुआ मकान की छत पर दिखाई दे रहा है। बृहस्पतिवार सुबह सीसीटीवी फुटेज देखने पर यह जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि दो तेंदुए घरों के आसपास पहुंच रहे है। इससे जानमाल का खतरा बना है। उन्होंने वन विभाग से सुरक्षा के इंतजाम करने की मांग की है। रेंजर तापस मिश्रा ने बताया कि टीम प्रभावित क्षेत्रों में लगातार गश्त कर रही है।

इकूखेत में ग्रामीणों का अनशन जारी

अल्मोड़ा, एजेंसी। ग्रामीणों ने गुरुवार को भी प्रदर्शन किया और क्रमिक अनशन पर बैठ गए। ग्रामीणों ने कहा कि वे लंबे समय से अपनी बुनियादी जरुरतों के लिए संघर्ष कर रहे हैं लेकिन इसके बाद भी सरकार उनकी मांगों को अनदेखा कर रही है। जिसे वह किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। अनशन पर बैठने वालों में मतेश्वरी देवी, देव सिं, दीवानी राम, हरीश चंद्र और सुनील टम्टा बैठे। इस दौरान यहां मोहित डिमरी, मोहन सिंह, जगत सिंह, राजेंद्र नेगी, तुलसी राम, राकेश सिंह, आशा नंद, अनूप आदि शामिल थे।

एसएसपी ने मुख्य बाजार की यातायात व्यवस्था का जायजा लिया

किच्छा, एजेंसी। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बृहस्पतिवार देर रात नगर के अतिक्रमण तथा यातायात व्यवस्था में सुधार करने का निरीक्षण किया। उन्होंने नगर की यातायात व्यवस्था बेहतर करने पर इंस्पेक्टर की पीठ थपथपाई है। उन्होंने पुराने अस्पताल के पास बने वेंडिंग जोन के अलावा बंडिया व बेदी मोहल्ला में रेहड़ी व ठेली की व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया। एसएसपी ने आने वाले त्योहारों के सकुशल संपन्न कराने जाने के लिए मुख्य बाजारकी यातायात व्यवस्था का जायजा लेकर पुलिस की प्रशंसा की। इधर पिछले कई दिनों से आगामी त्योहारों के चलते बाजार में अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।

24 अक्तूबर को होगी अध्यापक पात्रता परीक्षा

रामनगर, एजेंसी। उत्तराखंड अध्यापक पात्रता परीक्षा (यूटीईटी) 24 अक्तूबर को होगी। प्रदेश के 29 शहरों के 131 परीक्षा केंद्रों में अभ्यर्थी यह परीक्षा देंगे। बोर्ड ने परीक्षा की तैयारियां पूरी कर ली हैं। सिमल्टी ने बताया कि इस वर्ष यूटीईटी प्रथम में 1,28,858 और यूटीईटी द्वितीय में 40,500 परीक्षार्थी भाग लेंगे। पहले 26 अक्तूबर को यह परीक्षा होनी थी लेकिन अपरिहार्य कारणों के चलते अब 24 अक्तूबर को यह एक्जाम होगा। परीक्षार्थी परिषद की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं।

हरकी पैड़ी पर स्नान तो दूर आचमन के लायक भी नहीं बचा पानी अब पत्थरों में पैंसे तलाश रहे श्रमिक

हरिद्वार, एजेंसी। गंगनहर की सफाई के लिए प्रतिवर्ष की तरह इस बार भी 12 अक्तूबर की मध्यरात्रि में गंगनहर को बंद कर दिया गया है। गंगनहर में कल रात जैसे ही पानी कम हुआ पैसा चुगने वाले नियारिया व श्रमिक धाराओं के बीच में घुस गए। हल्की धारा में वह धन और वैभव की तलाश कर रहे हैं। भाग्य भी साथ दिया तो कोई लखपति बन जाता है, लेकिन गंगा हर किसी को कुछ ना कुछ जरूर देती है।

उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग का दावा है कि इस बार गंगनहर बंदी पर श्रद्धालुओं के लिए हरकी पैड़ी पर गंगा जल की किल्लत नहीं रहेगी। लेकिन गंगनहर बंद होते ही हरकी पैड़ी पर सुबह स्नान तो दूर आचमन तक का जल नहीं बचा।

दरअसल, हर साल दहशरा पर्व पर उत्तरी खंड गंगनहर को मरम्मतीकरण कार्यों के लिए बंद किया जाता है, जो लगभग 20 दिन के लिए बंद रहती है। जिसके चलते गंगनहर बंदी के दौरान हरकी पैड़ी पर गंगा में बहुत कम जल होता है।

श्रद्धालुओं को गंगा स्नान तो दूर आचमन के लिए भी गंगा नसीब नहीं

होता है। हरकी पैड़ी पर आने वाले श्रद्धालुओं मायूस होकर बैरंग लौटना पड़ता है। वहीं, सिचाई विभाग का कहना है कि कल से हरकी पैड़ी पर जल आ जाएगा।

सर्वानंद घाट से आने वाली अविरल गंगा के भगीरथी बिंदू और कांगड़ा पुल पर बंध बनाए जाएंगे। बंध बनाकर अविरल गंगा की धारा से आने वाले सारे पानी को हरकी पैड़ी की तरफ मोड़कर गंगा जल हरकी पैड़ी पर लाया जाएगा।

जिससे श्रद्धालुओं को गंगा स्नान के लिए गंगा जल मिलता रहेगा। अगर ऐसा होत है तो पहली बार उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग श्रद्धालुओं को गंगनहर बंदी पर गंगा स्नान कराने में सफल हो सकेगा।

बदरीनाथ हाईवे पर जगह-जगह मलबा, दहशत में राहगीर; डीएम ने अधिकारियों संग की बैठक

गोपेश्वर, एजेंसी। मानसून की विदाई के बाद से मौसम साफ होने पर बदरीनाथ के दर्शनों को लेकर यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। हालांकि, बदरीनाथ हाईवे पर वर्षाकाल के दौरान जगह-जगह आया मलबा यात्रियों के लिए परेशानी खड़ी कर रहा है। एनएच साफ मौसम के बावजूद फिलहाल मलबा हटाने को लेकर गंभीर नहीं दिख रहा है।

जिला प्रशासन ने यात्रियों सहित आम नागरिकों की परेशानी समझते हुए एनएचआइडीसीएल के अधिकारियों को तलब कर उन्हें इन भूस्खलन जोन के ट्रीटमेंट की कार्ययोजना बनाने के लिए कहा गया है। मानसून के दौरान बदरीनाथ हाईवे पर चमोली जनपद के प्रवेश द्वार कमेडा से लेकर बदरीनाथ धाम तक एक दर्जन से अधिक जगहों पर भूस्खलन जोन परेशानी का कारण बने थे। इन भूस्खलन जोन पर वर्षा के दौरान बार-बार मलबा आने से हाईवे बाधित हुआ था। अब जब मानसून की विदाई के बाद मौसम साफ है, लेकिन एनएच मलबा साफ कर सड़क को सुरक्षित बनाने के लिए गंभीर नहीं है। यही कारण है कि कमेड़ा, चटवापीपल, नंदप्रयाग, पर्थाडीप, पागलनाला, छिनका, पातालगंगा, जोगीधारा सहित अन्य जगहों पर अब भी सड़क किनारे मलबा पड़ा हुआ है। यात्री वाहन इनके बीच से ही गुजरने को विवश हैं। इससे बार-बार जाम की स्थिति पैदा हो रही है। इन दिनों यात्रियों की संख्या में प्रतिदिन इजाफा हो रहा है। हाईवे की दुर्दशा देखकर यात्रियों में नकारात्मक संदेश जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मौसम साफ होने के बाद एनएच अथारिटी के पास हाईवे से मलबा हटाने का पर्याप्त समय था, लेकिन एनएच मलबा हटाने के बजाय

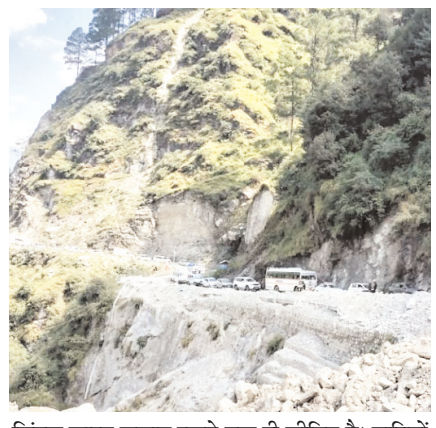

सिंगल लाइन सुचारु रखने तक ही सीमित है। यात्रियों की परेशानी को लेकर जिला प्रशासन भी भली भांति अवगत है।

मानसून के दौरान जिस प्रकार हाईवे बाधित हुआ और इसे खोलने के लिए संसाधन कम पड़े, उससे एनएचआइडीसीएल की कार्यप्रणाली से प्रशासन पहले ही नाराज है। जिलाधिकारी ने एनएचआइडीसीएल और बीआरओ के अधिकारियों संग बैठक कर उन्हें भूस्खलन जोन के ट्रीटमेंट की कार्ययोजना बनाने को कहा है। साथ ही मलबा हटाकर सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए हैं। चमोली के जिलाधिकारी, संदीप तिवारी ने बताया- बदरीनाथ हाईवे पर मानसून के दौरान उभरे भूस्खलन क्षेत्र और वहां आए मलबे को लेकर प्रशासन गंभीर है। मलबा हटाने के लिए एनएचआइडीसीएल को तत्काल निर्देश दे दिए गए हैं। साथ ही इन भूस्खलन जोन के स्थाई ट्रीटमेंट की कार्ययोजना बनाने को भी कहा गया है।

दो बाइकों में भिड़ंत, शिक्षा मित्र सहित दो की मौत

रुद्रपुर, एजेंसी। नेशनल हाईवे 74 पर दो बाइकें आपस में भिड़ गई। हादसे में बाइक सवार शिक्षा मित्र और डिलीवरी बॉय की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

शनिवार की सुबह किच्छा हाईवे स्थित शिमला पिस्तौर पर दो बाइकों के बीच टक्कर हो गई। हादसे में बाइकों पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आनन फानन में घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां दो लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

मृतकों की पहचान आकाश गंगवार (20) निवासी मोहम्मदगंज थाना मीरगंज बरेली और परमेश्वरी प्रसाद (45) निवासी बहपुरी पोस्ट नानकार थाना पटवाई रामपुर के रूप में हुई। हादसे में घायल चंद्रपाल निवासी बिहपुरा पोस्ट नानकार थाना पटवाई, रामपुर की हालत गंभीर बनी हुई है। परमेश्वरी प्रसाद रामपुर जिले के एक स्कूल में शिक्षा मित्र था।

शुक्रवार की शाम वह चंद्रपाल के साथ बाइक पर रंपुरा में एक जागरण कार्यक्रम में आए थे। ढोलक बजाने के शौकीन परमेश्वरी ने जागरण में ढोलक बजाकर खूब तालियां बटोरी थी। शनिवार की सुबह दोनों घर लौट रहे थे। दूसरा मृतक आकाश गंगवार बरेली में एक कंपनी में डिलीवरी बाय था। उसके जीजा ठाकुरनगर रुद्रपुर में रहते हैं। मृतक तीन बहनों का अकेला छोटा भाई था। किच्छा कोतवाल धीरेंद्र कुमार ने बताया कि रुद्रपुर और किच्छा की सीमा पर रुद्रपुर क्षेत्र में हादसा हुआ है। किच्छा पुलिस ने शवों का पंचनामा भरा था। इधर, एसपी सिटी मनोज कत्याल ने बताया कि दो बाइकों की टक्कर में दो लोगों की मृत्यु हुई है।

उत्तराखंड में मालगाड़ी को बेपटरी करने की साजिश, रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला एलपीजी सिलेंडर, टला बड़ा हादसा

रुड़की, एजेंसी। देशभर में रेलवे ट्रैक को किसी न किसी रूप में बाधित करने की साजिश के क्रम में अब उत्तराखंड में भी ऐसा ही प्रयास किया गया है। रुड़की के समीप ढंडेरा रेलवे स्टेशन से थोड़ा आगे रेलवे ट्रैक पर शनिवार को पांच लीटर का एलपीजी गैस सिलेंडर पड़ा मिला। उस वक्त मालगाड़ी उधर से गुजर रही थी।

मालगाड़ी के चालक की इस पर नजर पड़ी तो रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया है। अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की गई। सिलेंडर खाली थी।

शनिवार को मालगाड़ी के एक चालक ने मुरादाबाद स्थित रेलवे कंट्रोल रूम को सूचना दी कि ढंडेरा रेलवे स्टेशन से रुड़की की ओर रेलवे ट्रैक पर एक गैस सिलेंडर पड़ा हुआ है।

सूचना पाकर लक्सर रेलवे सुरक्षा बल से उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह नेगी पुलिस की एक टीम साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने पाया कि

रेलवे ट्रैक के बीच में पांच लीटर वाला छोटा गैस सिलेंडर पड़ा हुआ है। जिस पर सिलिंडर को कब्जे में ले लिया गया।

इसके बाद रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे के कर्मचारियों ने ट्रैक पर करीब पांच किलोमीटर तक सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस संबंध में छानबीन की गई। लेकिन, अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है कि सिलिंडर ट्रैक पर कहां से आया।

सिलिंडर को ढंडेरा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर के पास रखवा दिया गया है। सूचना पाकर वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त शानमूंग वडिवाल एस भी मौके पर पहुंच गए थे। इस संबंध में छानबीन जारी है। रुड़की कोतवाली व सिविल लाइन पुलिस से भी रेलवे सुरक्षा बल ने इस संबंध में मदद मांगी है।

मंगलौर। घर के अंदर अवैध रूप से सिलेंडर में गैस रिफिलिंग करने के आरोपी का चालान कर दिया गया है। मंगलोर के मोहल्ला बाहर किला स्थित एक मकान में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग किए जाने की शिकायत पर शुक्रवार को पुलिस और खा आपूर्ति विभाग के अधिकारियों द्वारा छापेमारी की गई थी। छापेमारी के दौरान मकान से 32 सिलेंडर 8 नोजल और एक इलेक्ट्रॉनिक तराजू बरामद की गई थी।

अराजक तत्वों का गांव में हुड़दंग, स्कूटी नहर में फेंकी

हल्द्वानी, एजेंसी। पनियाली तोक में शनिवार दोपहर अराजक तत्वों ने जमकर हंगामा किया। आरोपियों ने स्टंटबाजी करने के साथ एक ग्रामीण की स्कूटी भी नहर में फेंक दी। घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने शनिवार को मुखानी थाने में हंगामा काटा। ग्रामीणों ने पुलिस से आराजक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

थाने पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सौंपी तहरीर में बताया कि दो कारों और बुलेट से कई युवक शनिवार दोपहर पनियाली पहुंचे। यहां शोर मचाते हुए वे गालीगलौज करने लगे। इसके बाद गांव की सड़क पर स्टंटबाजी करने लगे।

कहा कि विरोध करने पर युवकों ने एक ग्रामीण की स्कूटी बरसाती नहर में फेंक दी। ग्रामीणों ने गांव में डर का माहौल होने की बात कहते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की।

मानसिक बीमारी का मुख्य कारण तनाव : डॉ. गड़कोटी

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शुक्रवार को जिला अस्पताल में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विधिक जागरूकता शिविर लगाया गया। इसमें आशा वर्कर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, नेहरू युवा केंद्र के स्वयंसेवियों आदि को मानसिक रोग और बचाव की जानकारी दी गई। पीएमएस डॉ. एचसी गड़कोटी ने कहा कि मानसिक बीमारी के रोगी में अत्यधिक तनाव के कारण हार्मोन असंतुलित हो जाते हैं। इससे उक्त व्यक्ति इस बीमारी से ग्रस्त हो जाता है। बताया कि रोगी को खेलकूद, व्यायाम, योग आदि करना जरूरी है। शिविर में संजय अग्रवाल, हेमलता भट्ट, भावना तिवारी, संदीप सिंह नयाल, सुंदर बोरा, जगदीश बिष्ट, भावना पांडे, पंकज भगत आदि मौजूद रहे।

राप्रावि में मध्याह्न भोजन समेत अनियमितता का आरोप

काशीपुर, एजेंसी। बिना पता दर्शाए कुछ लोगों ने जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर के कई विद्यालयों में मिड-डे-मील समेत कई अनियमितताएं बनी होने का आरोप लगाया है। उन्होंने शिक्षा विभाग से इन स्कूलों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

अब्दुल कादिर, सुनील, अब्दुल गफ्फार, खेमपाल, रमेश सिंह, रुक्साना ने जिला शिक्षा अधिकारी को शिकायती पत्र भेजा। इसमें उन्होंने कहा कि जसपुर के राप्रावि-राउप्रावि बाबरखेड़ा, सरबरखेड़ा, काशीपुर में औझान, अल्ली खां, रेलवे टांडा, ढकिया गुलाबो, अजीतपुर, सुदामालाल, बाजपुर में गणेशपुर, शिवपुरी, बाजपुर प्रथम व द्वितीय, बाजपुर गांव, रमपुरा साकर, गदरपुर में कूल्हा, गूलरभोज में भारी अनियमितताएं हैं।

इस पत्र में खास बात यह है कि शिकायत कर्ताओं ने अपना पता, मोबाइल नंबर तक नहीं दर्शाया है। इसका संज्ञान लेकर डीईओ ने उप शिक्षाधिकारी को स्कूलों का औचक निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। प्रभारी बीईओ धीरेंद्र कुमार साहू ने बताया कि इस संबंध में अवकाश पर स्कूलों का निरीक्षण किया जाएगा। ऊधमसिंह नगर के जिला शिक्षाधिकारी हरेंद्र कुमार मिश्र का कहना है कि जसपुर, काशीपुर, बाजपुर, गदरपुर के कई विद्यालयों के संबंध में शिकायती पत्र मिला है। उप शिक्षाधिकारी को स्कूलों का औचक निरीक्षण कर बिंदुओं के आधार पर जांच कर आख्या भेजने के निर्देश दिए हैं। वह स्वयं भी इन स्कूलों का निरीक्षण करेंगे।

पुलिस ने दीपावली पर्व को लेकर सुरक्षा बढ़ाई

हल्द्वानी, एजेंसी। दीपावली पर्व को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। बाजार क्षेत्र और आसपास दो कंपनी महिला पीएसी को तैनात किया गया है। वहीं, बाजार में महिला सुरक्षा को देखते हुए सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। सीसीटीवी कैमरों की निगरानी भी बढ़ा दी है।

त्योहारी सीजन में भीड़भाड़ वाले इलाकों में टप्पेबाज, लुटेरे और शोहदे सक्रिय हो जाते हैं। कई बार आपराधिक गतिविधियां भी होती हैं, इस वजह से बाजार में खरीदारी करने के लिए पहुंचने वाली महिलाएं, युवतियां और बच्चे असुरक्षित महसूस करते हैं। इस दौरान जेबकतरे भी सक्रिय हो जाते हैं। इसे देखते हुए एसएसपी पीएन मीणा ने सीसीटीवी निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। बाजार क्षेत्र में सादी वर्दी में महिला और पुरुषकर्मियों को तैनात कर दिया है। मुख्य बाजार में ई-रिक्शा, ऑटो रिक्शा और दोपहिया वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। एसएसपी पीएन मीणा ने बताया कि किसी भी तरह की अराजकता या आपराधिक गतिविधि पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

रामगंगा नदी पर जल्द ही अस्तित्व में आएगा पुल

अल्मोड़ा, एजेंसी। जिले के विकास खंड चौखुटिया के खीड़ा मोटर मार्ग पर रामगंगा नदी के ऊपर जल्द ही पुल अस्तित्व में आ जाएगा। कार्यदायी संस्था ने पुल के आधे अधूरे कार्य को पूरा करने के लिए कार्य शुरु कर दिया है। पुल निर्माण के बाद क्षेत्र के तीन हजार से अधिक लोगों को आवाजाही की बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

विकासखंड के चुलेरासीम और मालूधार समेत आसपास के गांवों की करीब तीन हजार आबादी को सड़क की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए यहां चार किमी लंबी सड़क का निर्माण किया गया। सड़क का डामरीकरण समेत अन्य कार्य भी काफी समय पूर्व पूरे हो चुके थे। लेकिन इस मार्ग पर खीड़ा के पास रामगंगा नदी के ऊपर 36 मीटर लंबे पुल का निर्माण न होने के कारण ग्रामीणों को इस मार्ग का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस सड़क मार्ग पर पुल का निर्माण कार्य नवंबर 2022 में पूरा हो जाना चाहिए था। लेकिन तय समय के बाद भी पुल निर्माण कार्य नहीं हो पाया। भारी जनदबाव को देखते हुए अब प्रशासन और कार्यदायी संस्था के अधिकारियों ने फिर से आधे अधूरे पुल का निर्माण कार्य शुरु कर दिया है।

बुजुर्ग ने लड़की के सिर पर मारी कुल्हाड़ी, घायल

रुद्रपुर, एजेंसी। ट्रांजिट कैंप में एक बुजुर्ग ने युवती के सिर पर कुल्हाड़ी मार दी। हमले में घायल युवती का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया है। पुलिस ने हमलावर को हिरासत में ले लिया है।

ट्रांजिट कैंप के आजादनगर में सीमा गुप्ता (18) किराये पर रहती है। शनिवार की शाम घर के पास ही सड़क पर उसके सिर पर मोहल्ले में रहने वाले 60 साल के व्यक्ति ने कुल्हाड़ी मार दी। अचानक हुए हमले से सीमा लहूलुहान हो गई। इस दौरान मकान मालिक दीक्षा और अन्य लोग सीमा को इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। दीक्षा ने बताया कि सीमा के माता-पिता नहीं है। वह हमलावर की गैस की दुकान में काम करती थी। वह सीमा को अपने साथ रहने के लिए दवाब बनाता था। आरोपी ने उसको धमकी दी थी कि 11 अक्तूबर तक सीमा से कमरा खाली करवा देना। आज उसने घटना को अंजाम दे दिया। कहा कि उसके मकान के गेट पर मौजूद घायल की छोटी बहन से घटना को देखा था।

बाइक चालक को थप्पड़ मारने पर पुलिस और लोगों में हाथापाई

दिनेशपुर, एजेंसी। वाहन चेकिंग के दौरान एक बाइक चालक को कथित रूप से थप्पड़ मारने के बाद पुलिस और जनता के बीच हंगामा हो गया। इस दौरान तीखी नोकझोंक के बाद पुलिस और लोगों के बीच हाथापाई भी हुई। धक्का मुक्की के दौरान बाइक के हैडल से सिर टकराने पर एक उपनिरीक्षक के सिर पर चोट भी आई। शनिवार की रात को मुख्य चौराहे पर पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

इस दौरान अमृतनगर बंगाली मोड़ निवासी हरीश वर्मा अपनी पत्नी शिवानी वर्मा, बेटी सरिता व पुत्र ललित के साथ दुर्गा पूजा देखने आ रहा था। आरोप है कि पुलिस कर्मियों ने उन्हें रोका और बाइक सीज करने की धमकी दी। हरीश ने विरोध किया तो पुलिसकर्मी ने उसे झापड़ मार दिया। इस बीच काफी लोग मौके पर जमा हो गए। देखते ही देखते पुलिस और आम लोगों के बीच हाथापाई हो गई।

धक्का मुक्की के दौरान एसआई लोकेश कुमार का सिर एक बाइक के हैंडल से टकरा गया। उनके सिर से खून बहने लगा। इसके बाद पुलिस ने बल प्रयोग कर लोगों को तितर बितर कर दिया। बताया जाता है कि पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में भी लिया है। देर रात तक मुख्य चौराहे में बड़ी संख्या में पुलिस तैनात थी।

एसएसपी मणिकांत मिश्रा का कहना है कि दिनेशपुर में दो पक्षों में विवाद और मारपीट हुई थी। दोनों पक्षों को पुलिस थाने लेकर आई थी। एक पक्ष की ओर से महिला ने हंगामा किया था।

जोडों के दर्द को अनदेखा न करें : डॉ. रावत

नैनीताल, एजेंसी। वर्तमान जीवनशैली के चलते लोग जोड़ों के दर्द से परेशान होने लगे हैं। बुजुर्गों के साथ ही युवाओं में भी जोड़ों के दर्द की समस्या सामने आने लगी है। ज्यादातर लोग जोड़ों में दर्द, सूजन और अकड़न से परेशान रहने लगे हैं। यह लक्षण गठिया के भी हो सकते हैं। विश्व गठिया दिवस पर बीडी पांडे अस्पताल में विशेषज्ञों की ओर से जोड़ों के दर्द को अनदेखा न करने की सलाह दी गई। साथ ही मरीजों को गठिया रोग की जानकारी और उससे बचने के उपाय भी बताए गए।

बीडी पांडे अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र रावत ने बताया कि विश्व गठिया दिवस प्रतिवर्ष 12 अक्तूबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को गठिया रोग के बारे में जागरूक करना और इसके प्रति समझ बढ़ाना है। गठिया एक ऐसी बीमारी है जो जोड़ों में दर्द और सूजन का कारण बनती है, जिससे चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में परेशानी होती है।

यह रोग जोड़ों के ऊतकों को नुकसान पहुंचाता है और जोड़ों की गति को सीमित कर देता है।

निगम और प्राधिकरण 16 किरायेदारों पर मेहरबान, जनता पार्किंग के लिए परेशान

हल्द्वानी, एजेंसी। बाजार क्षेत्र में खरीदारी के लिए आने वाले लोग पार्किंग के लिए परेशान रहते हैं। कई लोग वाहन लाने से बचते हैं। जिला विकास प्राधिकरण ने सिंधी चौराहे पर बनाई 50 कार और 200 बाइक की पार्किंग को नगर निगम को सौंप दिया है। हद तो ये है कि निगम ने इसमें 16 अस्थायी दुकानें खोल दी हैं। इस कारण पार्किंग का लाभ नहीं मिल पा रहा है।

जिला विकास प्राधिकरण ने सिंधी चौराहे के पास 28 लाख रुपये से पार्किंग बनाई थी। पार्किंग शुरू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। यहां सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग शिफ्ट में 1000 से 1500 वाहन पार्क होते थे। बता दें कि रोडवेज से लेकर मंगलपड़ाव तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य चल रहा है। चौड़ीकरण में निगम की 16 दुकानें भी आ रही हैं। इसमें निगम के किरायेदार भी हैं। नगर निगम इन किरायेदारों पर मेहरबान है। निगम ने इन किराएदारों को दुकान देने जा रहा है। नगर निगम ने इस पार्किंग को बंद कर यहां पर 16 अस्थायी दुकानें खोल दी हैं। पार्किंग बंद होने से 1500 लोग सीधे प्रभावित हो रहे हैं।

किरायेदारी शर्तों के अनुसार निगम के पास किरायेदार हटाने और रखने का प्रावधान है। निगम को किरायेदार हटाने के लिए तीन महीने पहले किरायेदारों को नोटिस देना होता है। निगम किसी भी किरायेदार की किरायेदारी खत्म करने के साथ दुकानों को तोड़ सकता है। इसके बाद भी 1500 लोगों पर 16 लोगों को प्राथमिकता देना लोगों के गले नहीं उतर रहा है।

ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं, बाबा सिद्दीकी की हत्या पर भड़की आप

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी अजीत गुट के बड़े नेता बाबा सिद्दीकी की मुंबई के बांद्रा ईस्ट में गोली मारकर हत्या कर दी गई। मुंबई पुलिस ने इस मामले में तीन संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार संदिग्ध गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के हैं। सूत्रों का कहना है गिरफ्तार किए गए संदिग्धों ने खुद ये दावा किया है। हालांकि अभी तक इस हत्याकांड की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है। उधर, दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बड़ा बयान दिया है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि मुंबई में सरेआम एनसीपी नेता (अजित गुट) की गोली मारकर हत्या की इस वारदात से ना केवल महाराष्ट्र बल्कि देशभर के लोग खौफजदा हैं। दिल्ली में भी कमोबेश यही माहौल बना दिया है। ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज लाना चाहते हैं। जनता को अब

इनके खिलाफ खड़ा होना ही पड़ेगा।

गृह मंत्री और भाजपा को इसे गंभीरता से लेना चाहिए

दिल्ली सरकार में मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा, कल की ये घटना काफी दर्दनाक है। मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। इसी तरह की घटनाएं दिल्ली में भी पिछले 1-2 महीने से लगातार बढ़ रही हैं। दिल्ली और मुंबई दोनों की कानून-व्यवस्था भाजपा के पास है। मुझे लगता है कि गृह मंत्री और भाजपा की सरकार को इसे गंभीरता से लेना चाहिए। मुंबई में जिस तरह की घटना हुई है उससे लोगों के बीच दहशत पैदा हुई है कि आज कौन सुरक्षित है? नया जो गैंग साम्राज्य पैदा हो रहा है उसके खिलाफ गृह मंत्री को पहल करनी चाहिए।

दिल्ली में हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैं: सौरभ भारद्वाज

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले पर कहा, मुंबई में भाजपा की सरकार है और आप कानून व्यवस्था की स्थिति देख ही रहे हैं, उनके नेता की हत्या कर दी गई है। दिल्ली में भी केंद्र सरकार के पास कानून व्यवस्था है और यहां भी हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें अपना सारा समय राजनीति में बिताती हैं, उनके पास शासन के लिए समय नहीं है। हमें नहीं पता कि कार्रवाई होगी या नहीं लेकिन क्या ऐसा हुआ है कि दिल्ली और मुंबई में इतने सारे गैंगस्टर सक्रिय हो गए हैं, क्या सरकार उन्हें बढ़ावा दे रही है? यह बहुत गंभीर स्थिति है।

शूटर्स ने बाबा सिद्दीकी की कार पर बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां

बाबा सिद्दीकी की हत्या तब की गई जब वह शनिवार शाम को अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय से बाहर निकले थे। जब वह वहां से रवाना हुए तो हमलावरों ने निर्मल नगर में कोलगेट ग्राउंड के पास उनपर ताबड़तोड़ गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इस दौरान बाबा सिद्दीकी के पेट में दो और सीने में एक गोली लगी, जिसके चलते उनकी मौत हो गई।

25-30 दिनों से कर रहे थे रेकी

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुद को बिश्नोई गैंग का बताया। आरोपी पिछले 25-30 दिन वारदात को अंजाम देने की साजिश रच रहे थे। वे पूरे इलाके की रेकी कर रहे थे। तीनों आरोपी ऑटो रिक्शा से बांद्रा ईस्ट पहुंचे थे। तीनों आरोपियों ने कुछ समय वहीं बिताया और बाबा सिद्दीकी के आने का इंतजार करते रहे। इसके बाद उन्होंने बाबा सिद्दीकी को निशाना बनाया और गोली चलाई। दावा किया जा रहा है कि आरोपी किसी और के इशारे पर काम रहे थे। उन्हें उसके ही जरिए इनपुट मिल रहे थे। अंदरूनी जानकारी के जरिए वह शख्स आरोपियों को योजना के तहत काम करने के लिए रास्ता दिखा रहा था। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी हुई है।

सरकार का दावा, दशहरे के बाद भी साफ है दिल्ली की हवा

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में सर्दियों का मौसम प्रदूषण को लेकर आता है। दशहरा के अगले दिन दिल्ली में वायु प्रदूषण काफी बढ़ जाता है और दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स काफी खराब हो जाता है। हालांकि दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के मुताबिक दशहरे के अगले दिन दिल्ली वाले साफ हवा में सांस ले रहे हैं। इसके साथ ही खुद दिल्ली सरकार का मानना है कि आगामी दिनों में जब हवा रुक जाएगी, तापमान कम होगा, बारिश नहीं होगी तो ऐसे में प्रदूषण के कण नीचे की ओर आएंगे और दिल्ली के अंदर प्रदूषण बढ़ेगा।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री का कहना है कि यह लगातार दूसरा साल है जब दशहरे के बाद दिल्ली का वातावरण पहले की तुलना में साफ है। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि दिल्ली की एयर

क्वालिटी अभी भी उतने खराब स्तर पर नहीं पहुंची है। वह भी तब, जबकि पिछले लगभग 10 दिनों से दिल्ली के अंदर बारिश नहीं हुई है। इसके बावजूद भी दिल्ली की हवा उतनी खराब नहीं हुई है। दिल्ली के अंदर यह लगातार दूसरा साल है जब दशहरे के अगले दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता उतनी अधिक खराब नहीं हुई है। दिल्ली सरकार ने इसका एक बड़ा श्रेय दिल्ली वासियों को भी दिया है। गोपाल राय के मुताबिक दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर जागरूकता काफी बढ़ी है। बड़ी संख्या में लोग अब इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद कर रहे हैं।

पर्यावरण मंत्री का कहना है कि पिछले साल जनवरी से बारह अक्टूबर तक 200 दिन ऐसे थे जो वायु गुणवत्ता के लिहाज से अच्छे थे। गोपाल राय का कहना है कि वर्ष 2016 के बाद अगर हम देखें तो कोरोना काल के दौरान जब लॉकडाउन लागू हुआ था उस समय दिल्ली के अंदर 2020 में एयर क्वालिटी का यह स्तर था। गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली की स्वच्छता को लेकर ये आंकड़े केवल दिल्ली सरकार के नहीं हैं बल्कि केंद्र सरकार के अंतर्गत आने वाली केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण कमेटी ने दिल्ली को लेकर यह आंकड़े जारी किए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण कम हुआ है और इसके पीछे एक बड़ा कारण अच्छी बारिश है।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में खराब श्रेणी में वायु गुणवत्ता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार को न्यूनतम तापमान 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली में सुबह नौ बजकर पांच मिनट पर आर्द्रता का स्तर 76 प्रतिशत दर्ज किया गया। उसने बताया कि दिल्ली में रविवार को दिन में बादल छाए रहने और अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 209 दर्ज किया गया, जो खराब श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब तथा 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

युवा नेता हरेन्द्र चौहान ने फीता काटक किया रामलीला मंचन का शुभारंभ

प्रातः किरण संवाददाता

नौगावां सादात। क्षेत्र के गांव कुड़ा माफी मे आयोजित श्री रामलीला का बीती रात युवा नेता हरेन्द्र चौहान मंडल महामंत्री युवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी अमरोहा एवं मंडल अध्यक्ष अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा मुरादाबाद मंडल ने फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम ने अहंकारी रावण का वध करके दुनिया मे किया बुराई का अंत। नौगावां विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुड़ा माफी मे चल रही रामलीला में शनिवार की शाम को रावण वध लीला का मंचन हुआ। जिसमें दोनों सेनाएं मैदान में उतर आईं। राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध होता है। विभीषण के कहने पर प्रभु श्रीराम ने रावण की नाभि में बाण छोड़कर बुराई का अंत कर दिया। इसके बाद पुतला दहन किया गया। देखते ही देखते पुतले धू-धूकर जल उठे। इस दौरान सतरंगी आतिशबाजी की छटा देखने लायक थी। वातावरण में श्रीराम के जयकारे गूंज उठे। इससे पहले राम और रावण के युद्ध ने सभी को रोमांचित कर दिया। दशहरा मेला मैदान पर आयोजित रामलीला मेला शाम ढलते ही गुलजार हो उठा। आसपास के क्षेत्रों की महिला पुरुष और युवाओं की भीड़ उमड़ी रही। जहां दर्शकों ने रामलीला का आनंद लिया। वहीं, महिलाओं ने घर गृहस्थी के सामान की खरीदारी की। चाट पकौड़ी खाई। वहीं, बच्चों ने भी मेले का लुत्फ उठाते हुए खिलौने खरीदे। युवाओं ने भी मेले का आनंद उठाया। देररात तक मेले में लोगों की भीड़ उमड़ी रही। इस मौके पर राजवीर सिंह चौहान, बड़े भाई कुलदीप चौहान, अभिषेक चौहान, बलवंत सिंह, मलखान सिंह, कावेंद्र चौहान, दीपांशु चौहान, गौरव प्रजापति, विवेक यादव, ग्राम प्रधान रविन्द्र सिंह, पूर्व ग्राम प्रधान बंटी सैनी, पूर्व ग्राम प्रधान संतराम सिंह चौहान, भगवानदास सैनी मुनीम जी, इंद्रपाल सिंह, शीशपाल सिंह, यशपाल सिंह आदि उपस्थित रहें।

दिल्ली में प्रदूषण से जंग की तैयारी, एमसीडी की 539 टीमें रहेंगी तैनात; कूड़ा जलाने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

वायु प्रदूषण के नियंत्रण व रोकथाम के लिए एमसीडी ने 539 टीमों का गठन किया है। यह टीम कूड़ा और पेड़-पौधे के सूखे पत्ते जलाने के खिलाफ कार्रवाई करेगी। इन टीमों में 1,422 कर्मचारी और अधिकारियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही मलबे और निर्माण कचरे से होने वाले प्रदूषण को रोकेंगे। इसके साथ ही निगम धूल से वायु प्रदूषण न हो, इसके लिए भी काम कर रहा है।

तीन शिफ्ट में काम करेंगी निगरानी टीमें

एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि निगरानी टीमें तीन शिफ्ट में काम करेंगी। विशेषकर कचरा जलाने से रोकने के लिए सुबह और शाम को पार्कों व खाली स्थानों के आस-पास निगरानी की जाएगी।

कचरा और सूखे पेड़ पत्ते जलाने से रोकने को 312 टीमें गठित की गई है, इनमें 825 कर्मचारी लगाए गए हैं। बाकी टीमें मलबे और निर्माण से होने वाले प्रदूषण की निगरानी के साथ ही उसे रोकने का काम करेंगी। अब तक 546 लोगों के किए गए चालान निगम के एक अधिकारी ने बताया कि जैसे-जैसे ठंड बढ़ती है तो वैसे-वैसे कूड़ा जलाने की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। वहीं, सड़क किनारे पड़े मलबे को भी लोग इधर-उधर डाल देते हैं। इन टीमों का काम कचरा जलाने से रोकने और सड़कों के इधर-उधर डाले गए मलबे को रोकना है। उन्होंने बताया कि अभी तक कूड़ा जलाने पर 546 चालान कर दिए गए

हैं साथ ही तय स्थान पर मलवा निस्तारण न करने पर 104 चालान किए गए हैं। भवन विभाग ने मलवा और धूल से होने वाले प्रदूषण को रोकने पर लापरवाही के लिए 4,522 चालान जारी किए हैं। अधिकारी ने बताया कि वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के दिशा-निर्देशों के तहत पांच हजार वर्ग मीटर से अधिक के निर्माण स्थलों पर एंटी स्माग गन लगा दी गई है। निर्माण स्थलों पर नौ एंटी स्मॉग गन तैनात यह सुनिश्चित किया गया है कि न केवल एंटी स्मॉग गन लगे बल्कि यह संचालित भी रहें। इसके तहत सिविल लाइंस जोन में एक निर्माण स्थल 30,000 वर्ग मीटर का है। जहां पर चार एंटी स्मॉग गन तैनात की गई हैं। इसी प्रकार सिटी एसपी जोन में दो अलग-अलग निर्माण स्थलों पर नौ एंटी स्मॉग गन तैनात की गई है। एमसीडी के 12 जोन में पांच हजार वर्ग मीटर से बड़े प्लाट पर 32 निर्माण स्थल हैं। जहां 69 मोबाइल एंटी स्माग गन और 26 एंटी स्मॉग गन तैनात की गई हैं। इसके अतिरिक्त निगम ने अपनी तीनों लैंडफिल समय ऊंची इमारतों पर निगम ने 45 एंटी स्मॉग गन तैनात की हैं।

पंजाब-हरियाणा में पराली जलने से रोकेंगी 26 केंद्रीय टीम

सर्दी के मौसम राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में प्रदूषण का एक बड़ा कारण पराली का धुआं होता है। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाया जाना शुरू हो चुका है। इसके मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 26 केंद्रीय टीमें गठित कर पंजाब और हरियाणा के हॉट स्पॉट वाले जिलों में तैनात की हैं।

यह टीमें जिला प्रशासन के संपर्क में रहेंगी। ताकि धान की कटाई के बाद बगैर पराली जलाए उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से बेहतर निस्तारण किया जा सके। सीएक्यूएम के अनुसार पराली का खेत में ही निस्तारण या किसी दूसरी जगह ले जाकर प्रबंधन करना होगा। इसके अलावा पराली जलाने की घटनाओं की रोकथाम की निगरानी व समन्वय के लिए चंडीगढ़ में एक धान पराली प्रबंधन प्रकोष्ठ का गठन होगा। पराली जलाने की 454 घटनाएं हुई सीएक्यूएम ने कहा है कि 15 सितंबर से नौ अक्टूबर के बीच पराली जलाने की 454 घटनाएं हुई हैं।

इसमें से 267 घटनाएं पंजाब और 187 घटनाएं हरियाणा में हुई हैं।

सीएक्यूएम ने हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के सभी जिला अधिकारियों को पराली जलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार दे दिया है।

राष्ट्रीय राजधानी और इसके आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन अधिनियम 2021 की धारा 14 (2) के तहत कार्रवाई होगी।

दिवाली से पहले पुलिस ने जब्त की पटाखों की बड़ी खेप

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों से 1,300 किलोग्राम से अधिक अवैध पटाखे जब्त करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान मनोज कुमार, संजय अत्री और विपिन कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि मनोज कुमार प्रतिबंधित पटाखे बेचने में शामिल था और अत्री पटाखों की आपूर्ति करता था। इस मामले पर पुलिस ने क्या कहा- डिप्टी पुलिस कमिश्नर (अपराध) सतीश कुमार ने कहा, दो गोदामों से कुल 1,323 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए गए। दोनों गोदामों के मालिक और पटाखे की आपूर्ति करने वाले वाहन चालक को पकड़ लिया गया है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को बाहरी दिल्ली के बापरोला गांव में छापेमारी की और अवैध पटाखे जब्त किए।

दीवाली तक हाउस टैक्स माफ न करने पर आप कार्यालय का होगा घेराव : थान सिंह यादव

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली देहात गांवों ग्रामीणों किसानों की 18सूत्री मांगो को लेकर पंचायत प्रमुखों के साथ बैठक की जिसमें मुख्यमंत्री आतिशी से कहा की कि वे दीवाली से पहले दिल्ली के गांवों ग्रामीणों का हाउस टैक्स माफ करें। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने आरोप लगाया कि एमसीडी की मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने आप मुख्यालय पर कुछ ग्रामीणों के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में गांवों ग्रामीणों का हाउस टैक्स माफ करने की घोषणा की थी, लेकिन आज तक हाउस टैक्स माफ हुआ नहीं उल्टा नगर निगम ग्रामीणों को हाउस टैक्स के नोटिस भेज रहा है। उन्होंने इसे ग्रामीणों का मजाक बताते हुए माफी मांगने की बात कही। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि यदि दीवाली तक हाउस टैक्स माफ नहीं किया गया तो आम आदमी पार्टी के कार्यालय का घेराव किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से 18 सूत्री मांगों को तत्काल पूरा करने को कहा है, जो दिल्ली देहात गांव गरीब ग्रामीणों किसानों के हितों से संबंधित हैंः

1. गांवों को हाउस टैक्स, कन्वर्जन चार्ज और पार्किंग चार्ज से मुक्त करें।2. रोजगार के लिए सभी गांवों को व्यावसायिक श्रेणी में नोटिफाई करें।

3. भवन उपनियमों से गांवों को बाहर करें।
4. सील और बुक की गई संपत्तियों को तुरंत खोलें।
5. गांवों को लाल डोरा और विस्तारित लाल डोरा की कैद से मुक्त कराकर मालिकाना हक दें। शहरी विकास विभाग में 2013 से लंबित 131 गांवों की 244 फाइलों पर तत्काल कार्रवाई करना।
6. दिल्ली सरकार और नगर निगम की सरकारी सेवाओं में ग्रामीण युवाओं के लिए सो फीसद आरक्षण दें।
7. दिल्ली देहात व गांवों के बच्चों को सरकारी और निजी स्कूलों व कॉलेजों में सो फीसद दाखिला सुनिश्चित करें।
8. अवैध डंपिंग ग्राउंड और कूड़ा घरों को गांवों से हटाएं।
9. कृषि भूमि के राजस्व रिकॉर्ड को अरबी-फारसी से हिंदी में अनुवाद कराएं।
10. गांवों के विकास के लिए ले-आउट प्लान तैयार कराएं जिसमें बारात घर, पंचायत घर, पार्किंग और खेल मैदान की व्यवस्था हो।
11. गांवों के मुख्य द्वारों पर वंशावली और गौरव गाथा को शिलालेख पर अंकित कराएं।
12. गांवों की पहचान के लिए उनकी भूमि पर बने स्कूल, कॉलेज, सरकारी दफ्तर, बस स्टॉप और मेट्रो स्टेशनों के नाम गांवों के नाम पर रखें।
13. भूमिहीन ग्रामीणों और गरीबों को मकान दें और बनवाएं।
14. किसानों की जबरन अधिग्रहीत की गई कृषि भूमि जो खाली पड़ी है, उसे किसानों को वापस दें।
15. किसानों की कृषि भूमि का सर्कल रेट बढ़ाएं।
16. गांवों गरीबों के राशन कार्ड तुरंत बनाएं।
17. दिल्ली देहात व गांवों के बुजुर्गों की वृध्दा पेंशन स्कीम तुरंत लागू करें।
18. सभी गांवों को मोहल्ला बस रूट से जोड़ें।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने जोर देकर कहा कि गांवों ग्रामीणों की ये मांगे दीवाली तक पूरा करें। वरना दिल्ली पंचायत संघ आम आदमी पार्टी मुख्यालय का घेराव करेगा।

आप सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अपने वित्तपोषित कॉलेजों के लिए तीसरी तिमाही में भी जारी किए 100 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

आप सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अपने वित्तपोषित कॉलेजों के लिए तीसरी तिमाही में भी लगभग 100 करोड़ रुपए जारी किए है मुख्यमंत्री आतिशी ने इन 12 वित्तपोषित कॉलेजों की तीसरी तिमाही की किस्त जारी करने को मंजूरी दे दी है। बता दे कि, आप सरकार द्वारा इन वित्तपोषित कॉलेजों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 400 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। और दिल्ली में आप सरकार के आने के बाद से इन कॉलेजों को दिए जाने वाले बजट में 3 गुणा से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है जो शिक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि, अरविंद केजरीवाल जी के मार्गदर्शन में आप सरकार के लिए शिक्षा हमेशा सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है जबसे दिल्ली में केजरीवाल जी के नेतृत्व की सरकार आई है हर साल बजट में शिक्षा

को सबसे बड़ा हिस्सा दिया जाता है उन्होंने कहा कि स्कूलों के साथ-साथ आप सरकार ने उच्च शिक्षा पर ध्यान केन्द्रित किया और तीन नई यूनिवर्सिटी खोली, मौजूदा यूनिवर्सिटीज का विस्तार कियो उन्होंने कहा कि दिल्ली की उच्च शिक्षा में दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित 12 दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है बता दे कि, आप सरकार के आने के बाद से इन कॉलेजों को दिए जाने वाले फंड में 3 गुणा का इजाफा हुआ है 2014-15 में इन कॉलेजों को 132 करोड़ रुपए आवंटित किये गए थे, जो इस वित्तवर्ष में 3 गुणा से ज्यादा बढ़कर लगभग 400 करोड़ हो गई है इन कॉलेजों में पिछले कुछ सालों से वित्तीय कुप्रबंधन के कई मुद्दे सामने आये लेकिन आप सरकार ने ये निर्णय लिया है कि मैनेजमेंट के कारण, एडमिनिस्ट्रेशन की गलतियों की वजह से उन कॉलेजों के शिक्षकों और विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होना चाहिऐ शिक्षकों की बेहतरी का ध्यान रखते हुए, उनके मेडिकल बेनिफिट, पेंशन बेनिफिट्स जो वित्तीय कुप्रबंधन की वजह से रुके हुए थे, इसका ध्यान रखते हुए दिल्ली सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय के इन 12 कॉलेजों के लिए दूसरी तिमाही में 100 करोड़ रुपए का फंड जारी कर रही है

दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्त पोषित दिल्ली विश्विद्यालय के 12 कॉलेज

-आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज
-अदिति महाविद्यालय
-भगिनी निवेदिता कॉलेज
-भास्कराचार्य कॉलेज
-दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज
-डॉ.भीम राव अम्बेडकर कॉलेज
-इंदिरा गाँधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज
-केशव महाविद्यालय
-महाराजा अग्रसेन कॉलेज
-महर्षि वाल्मीकि कालेक
-शहीद राजगुरु कॉलेज
-शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनस स्टडीज

असजद चौधरी एवं ताहिर मलिक ने संयुक्त रूप से किया रेडीमेड गारमेंट्स की दुकान का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

स्योहारा। नगर के मशहूर मीना बाजार के निकट जनता रेडमेड गारमेंट शॉप का उद्घाटन समाज सेवी एवं जाने माने मेडिकल स्टोर के मालिक असजद चौधरी और पूर्व प्रधान ताहिर मलिक ने सयुंक्त रूप से फीता काटकर किया। जिसकी बधाई मार्किट वालो ने शॉप ऑनर मुफीद मलिक को दी। मुफीद मलिक ने कहा कि में अपनी दुकान पर युवाओं की पसंद का आधुनिक कपड़ो का कलेक्शन रखने का हर प्रयास करूंगा। जिससे हमारे नगर और क्षेत्र के युवाओ को नये डिजाइन के कपड़ो के लिये बाहर नहीं जाना पड़ेगा। इस मौके पर कांग्रेसी नेता रिफाकत चौधरी,एड.अहसन चौधरी, पत्रकार नादिर त्यागी,तफसील मलिक, आरिफ चौधरी ,बब्बू चौधरी आदि सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ये लोग पूरे देश में गैंगस्टर राज कायम करना चाहते हैं, बाबा सिद्दीकी हत्याकांड पर बोले केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की सरेआम गोली मारकर हत्या ने देशभर में दहशत फैला दी है। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जनता से बीजेपी के खिलाफ खड़े होने की अपील की है।

क्यों एक्टिव हो गए इतने सारे गैंगस्टर? इसी क्रम में दिल्ली के मंत्री और आप नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, ह्लमुंबई में भाजपा की सरकार है और आप कानून व्यवस्था की स्थिति देख सकते हैं, उनके नेता की हत्या कर दी गई है। दिल्ली में भी कानून व्यवस्था केंद्र सरकार के अधीन है और यहां भी हालात मुंबई जैसे होते जा रहे हैं। भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारें अपना सारा समय राजनीति में बिताती हैं, उनके पास शासन के लिए समय नहीं है। हमें नहीं पता कि कार्रवाई होगी या नहीं, लेकिन क्या ऐसा हुआ है कि दिल्ली और मुंबई में इतने सारे गैंगस्टर सक्रिय हो गए हैं, क्या सरकार उन्हें बढ़ावा दे रही है? यह बहुत गंभीर

स्थिति है। जांच में मुंबई पुलिस को सेल कर रही मदद महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल मुंबई पुलिस को मदद करने मुंबई जा सकती है। स्पेशल सेल सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार की रात बाबा सिद्दीकी को मुंबई के बांद्रा इलाके के खेर नगर में उनके विधायक बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर तीन हमलावरों ने उन्हें रोककर उनपर ताबड़तोड़ छह गोलियां चला दी थी। घायल बाबा सिद्दीकी को उपचार के लिए तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया था जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हालांकि वारदात के तुरंत बाद दो बदमाशों को मुंबई पुलिस ने दबोच भी लिया है, तीसरा भागने में कामयाब हो गया था। उनके बारे में पुलिस को जानकारी मिल चुकी है। उसे दबोचने के लिए छापेमारी जारी है।

मुंबई जा सकती है स्पेशल सेल

सूत्रों के मुताबिक स्पेशल सेल के पांच सदस्यों टीम मुंबई पुलिस को जांच में मदद करने मुंबई जा सकती है। सेल को शक है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या के पीछे गैंगस्टरों के आपसी वर्चस्व हो सकता है। मुंबई पुलिस ने विभिन्न कोणों से मामले की जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया के जरिये लॉरेंस बिश्नोई गिरोह द्वारा हत्या की जिम्मेदारी लेने से हो सकता है कि किसी गिरोह को उनकी हत्या के लिए सुपारी दी गई हो।

मुंबई व दिल्ली पुलिस इसे मुंबई में व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता व झुग्गी पुनर्वास परियोजना आदि कई पहलुओं पर भी जांच कर रही है। हत्या आरोपित जिन दो बदमाशों को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है उनमें हरियाणा का रहने वाला गुरमेल बलजीत सिंह और उत्तर प्रदेश का धर्मराज राजेश कश्यप है। लॉरेंस गिरोह ने ली हत्या कराने की जिम्मेदारी पुलिस को मौके ने नाइन एमएम के कुछ खोखे मिले हैं। वारदात के कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया के जरिये महाराष्ट्र के शुबू लोनकर ने लॉरेंस गिरोह द्वारा हत्या कराने की जिम्मेदारी ली है। उसकी सत्यता की जांच की जा रही है। इस मामले में मुंबई व दिल्ली पुलिस गुजरात के साबरमती जेल में बंद लॉरेंस से पूछताछ करने जेल जा सकती है।

केंद्रीय विश्वविद्यालयों की कार्यकारी परिषद में शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि को शामिल करने का फोरम ने विरोध जताया

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

फोरमऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) ने बताया है कि शिक्षा मंत्रालय ने एक सर्कुलर जारी कर अपने अधीन आने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालयों की कार्यकारी परिषद (ईसी) में शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधियों को शामिल किए जाने का अनुरोध किया है । सर्कुलर में कहा गया है कि शिक्षा मंत्रालय ने अपने अधीन आने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालयों के मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की समीक्षा की है और इन संस्थानों की कार्यकारी परिषद (ईसी) में मंत्रालय के प्रतिनिधित्व में असमानता देखी है । 48 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से 20 पहले ही अपने कार्यकारी परिषदों में मंत्रालय के प्रतिनिधि शामिल कर लिया है । जबकि 28 केंद्री विश्वविद्यालयों में वर्तमान में ऐसा कोई प्रतिनिधित्व नहीं है । सर्कुलर में यह भी लिखा है कि सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों में प्रशासन में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए यह सुझाव दिया जाता है कि (उच्च शिक्षा) शिक्षा मंत्रालय , भारत सरकार या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को आपके विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के सदस्य के रूप में शामिल किया जाए ।बता दें कि सोमवार (14 अक्टूबर) को डीयू की कार्यकारी परिषद (ईसी) की मीटिंग हो रही है जिसमें शिक्षा मंत्रालय के पत्र को रखा जाना है । फोरम के चेयरमैन डॉ. हंसराज सुमन ने शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी सर्कुलर का कड़े शब्दों में विरोध किया है और कहा है कि शैक्षणिक संस्थानों के निर्णय लेने वाले निकाय जैसे कार्यकारी परिषद (ईसी) से संबंधित मंत्रालय से सरकार या नौकरशाही का प्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व नहीं होना चाहिए । इससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा हमला बताया है ।

विश्वविद्यालयों में राजनीतिक हस्तक्षेप होगा व कुलपति की शक्तियों को कमजोर किया जाएगा । क्योंकि शिक्षा मंत्रालय द्वारा भेजे जाने वाले प्रतिनिधि सरकार की भाषा बोलेंगे और मनमानी करके अपना एजेंडा लागू करेंगे। उन्होंने बताया है कि डीयू एक्ट 1922 में बना था जो कि उसे पूरी स्वायत्तता देता है जबकि अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालय 2009 में बने है , उन पर सरकार अपना एजेंडा लागू कर सकती है क्योंकि उन विश्वविद्यालयों की प्रकृति हमारे विश्वविद्यालय से भिन्न है । यदि यहाँ पर सरकार का पूर्ण हस्तक्षेप होगा तो नियुक्ति , पदोन्नति तथा सभी संसाधनों पर सरकार का कब्जा होगा इसलिए इसका जबरदस्त विरोध करेंगे । डॉ. सुमन ने बताया है कि दिल्ली सरकार से शत प्रतिशत वित्त पोषित 12 कॉलेजों में इनके नुमाइंदों को गवर्निंग बॉडी में रखा जाता है जहाँ वे अपनी मनमानी करते हैं , इसीलिए पिछले दो साल से सरकार की गवर्निंग बॉडी न होने से शिक्षकों का समय पर वेतन नहीं मिलता , अभी तक एडहॉक शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति नहीं हुई , कर्मचारियों की स्थायी नियुक्ति भी पिछले एक दशक से नहीं हुई है । ऐसी स्थिति में यदि शिक्षा मंत्रालय के सदस्यों द्वारा सरकार की नीतियों को लागू करेंगे तो शिक्षकों के अंदर डर पैदा होगा इसलिए डीयू की स्वायत्तता को इसी तरह बरकरार रखा जाए । डॉ.हंसराज सुमन का यह भी कहना है कि भारत सरकार के उच्च शिक्षा सचिव या उनके द्वारा नामित व्यक्ति को दिल्ली विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद (ईसी) का सदस्य बनाने से डीयू में दूसरा पावर सेंटर बनाने के अतिरिक्त और कुछ नहीं , इससे केंद्रीय विश्वविद्यालयों की शैक्षणिक स्वायत्त स्थिति के लिए घातक है । उन्होंने डीयू का उदाहरण देते हुए बताया कि डीयू अधिनियम और ईसी संरचना को परिभाषित करते हैं कि सचिव और उच्च शिक्षा , भारत सरकार को शामिल करने की अनुमति नहीं देते ।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात: किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, सोमवार, 14 अक्टूबर, 2024

दिल्ली की हवा खराब होने के आसार, कृत्रिम बारिश चाहती है सरकार :गोपाल राय

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

जल्द ही दिल्ली की हवा खतरनाक स्तर तक खराब हो सकती है। ठंड बढ़ने के साथ साथ दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स भी खतरनाक स्तर पर पहुंचने की आशंका है। वहीं पराली और दिवाली के दौरान जलाए जाने वाले पटाखों का धुआं दिल्ली में वायु प्रदूषण को और अधिक बढ़ाएगा। इस समस्या से निपटने के लिए दिल्ली सरकार कृत्रिम बारिश का सहारा लेना चाहती है। दिल्ली सरकार इसके लिए आईआईटी के विशेषज्ञों की मदद लेगी। दिल्ली सरकार ने इस संबंध में केंद्र सरकार से निवेदन किया है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने रविवार को इस संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि हवा में मौजूद कणों के प्रदूषण को, वाहनों से होने वाले प्रदूषण को, बायोमास बर्निंग के प्रदूषण को- कंट्रोल करने में बारिश का एक अहम रोल है। उन्होंने बताया कि विशेषज्ञ भी इस बात से सहमत हैं कि बारिश के जरिए दिल्ली के प्रदूषण को कम किया जा सकता है।

दीपावली के बाद तापमान कम हो जाता है, पराली के धुएं से प्रदूषण बढ़ता है, दिवाली में पटाखों से प्रदूषण बढ़ता है। ऐसे में प्रदूषण के कण नीचे की ओर आते हैं। गोपाल राय के मुताबिक ऐसी आपातकालीन स्थिति में इस प्रदूषण को कम करने के लिए कृत्रिम वर्षा एक कारगर उपाय है। राय का कहना है कि इस विषय पर उन्होंने एक महीना पहले केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि आईआईटी कानपुर समेत सभी विशेषज्ञों की एक मीटिंग बुलाई जानी चाहिए। हालांकि इस पत्र का अभी तक कोई जवाब नहीं आया है।

इसके बाद अब 10 अक्टूबर को दिल्ली सरकार ने फिर से केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को इस संदर्भ में पत्र भेजा है। दिल्ली सरकार का कहना है कि दिल्ली में यदि बारिश की वजह से प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है तो आपातकालीन स्थिति में कृत्रिम बारिश का उपयोग करना चाहिए। सरकार का कहना है कि यह टेक्नोलॉजी आईआईटी कानपुर में भारत के पास आ चुकी है और हमें इसका इस्तेमाल करना चाहिए। दिल्ली सरकार का मानना है कि इससे वे दिल्ली के अंदर सर्दियों में प्रदूषण के स्तर को कम कर सकेंगे। इसके साथ ही दिल्ली में धूल (डस्ट) को कम करने के लिए भी सख्त उपाय किए जा रहे हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री का कहना है कि यदि दिल्ली में धूल के कण कम हो तो वायु प्रदूषण कम रहेगा। यही कारण है कि सोमवार से डस्ट आधारित प्रदूषण फैलाने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली-मुंबई की वारदातों से लगता है की हद पार हो गई है : आप

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

मुंबई में महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर आम आदमी पार्टी का कहना है कि यह बहुत गंभीर मुद्दा है और तुरंत केंद्रीय गृहमंत्री को इस विषय पर उच्च स्तरीय बैठक करनी चाहिए। पार्टी का कहना है कि जिस तरह से इन घटनाओं को अंजाम दिया गया है उससे लगता है कि अब हद पार हो गई है।

रविवार को इस विषय पर आम आदमी पार्टी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी का कहना है कि लोकसभा चुनाव के बाद जब से तीसरी बार सरकार बनी है, पूरी सरकार उदासीनता के दौर से गुजर रही है। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश के संयोजक गोपाल राय का कहना है कि दिल्ली देश की राजधानी है तो मुंबई देश की आर्थिक राजधानी है। दिल्ली-मुंबई में जिस तरह से गैंग काम कर रहे हैं, खुलेआम गोलियां चलाई जा रही हैं, गैंगवार, वसूली, मर्डर जैसी घटनाएं हो रही हैं, उससे लगता है कि देश के गृहमंत्री को इस पर तुरंत एक उच्च स्तरीय बैठक करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था और पुलिस केंद्र सरकार के अधीन आते हैं।

गोपाल राय का कहना है कि मुंबई में जिस तरह की घटना हुई है वह यह संकेत दे रही है कि कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि अब हद पार हो गई। कानून व्यवस्था मुंबई में अपनी सभी सीमाओं को पार कर रही है। गोपाल राय का कहना है कि स्थिति बहुत गंभीर है, भारतीय जनता पार्टी को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। सामान्य लोगों के दिलों में दहशत है कि जब ऐसी घटनाएं चारों तरफ हो रही हैं तो कोई कैसे सुरक्षित रह सकता है। उन्होंने कहा कि इसे तुरंत गंभीरता से लेने की जरूरत है।

गोपाल राय ने कहा कि स्वयं केंद्रीय गृह मंत्री को इसे गंभीरता से लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि यदि अपराध की घटनाएं एक ऐसे स्तर तक पहुंच जाएंगी तो जनता के पास ह्यडरें या लड़ेंह्न के अलावा कोई और विकल्प नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार और दिल्ली के उपराज्यपाल से मेरा निवेदन है कि कानून व्यवस्था को लेकर तुरंत एक उच्च स्तरीय बैठक करें। इसके साथ ही तुरंत कार्रवाई भी की जाए।

बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच में मदद करेगी दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की जांच में मदद करने के वास्ते मुंबई भेजा जाएगा। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। मुंबई में बांद्रा के खेर नगर इलाके में बाबा सिद्दीकी (66) के बेटे एवं विधायक जीशान सिद्दीकी के कार्यालय के बाहर शनिवार रात तीन लोगों ने उन्हें गोली मार दी थी। उन्हें लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सूत्रों ने बताया, दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ से चार से पांच सदस्यों वाली एक टीम इस हत्याकांड की जांच करने और मुंबई पुलिस की मदद करने के लिए देश की आर्थिक राजधानी जाएगी। यह टीम इस घटना में गैंगस्टर पहलू की जांच करेगी। मुंबई पुलिस ने बताया कि अपराध शाखा ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की विभिन्न पहलुओं से जांच शुरू कर दी है जिसमें सुपारी लेकर हत्या, कारोबारी प्रतिद्वंद्विता या एक बस्ती की पुनर्वास परियोजना को लेकर मिली धमकी के पहलू भी शामिल हैं।

उसने बताया कि दो कथित हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि एक अन्य आरोपी फरार है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह (23) और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप (19) के रूप में हुई है। उसने बताया कि हमलावरों ने 9.9 एमएम पिस्तौल से चार से पांच गोलियां चलाईं। पुलिस ने पिस्तौल जब्त कर ली है।

बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से हो सकती है पूछताछ!

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी जांच में जुट गई। सूत्रों की मानें तो इस वारदात की जिम्मेदारी भले अब तक किसी छोटे या बड़े गैंग ने नहीं ली है, लेकिन वारदात का तरीका देख कर आशंका जताई जा रही है कि कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इसे अंजाम दिया है। करीब पांच महीने पहले लॉरेंस बिश्नोई के गुर्गों ने सोशल मीडिया पर धमकी दी थी कि जो भी सलामान खान का करीबी होगा वो हमारा दुश्मन होगा। सूत्रों की मानें तो मुंबई पुलिस लॉरेंस से पूछताछ के लिए यहां आ सकती है। वहीं, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल भी मामले की जांच कर रही है। मूल रूप से बिहार के गोपालगंज के रहने वाले एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार देर रात तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाते हुए हत्या कर दी थी।

दिवाली से पहले पुलिस ने जब्त की पटाखों की बड़ी खेप, 3 लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी के कई इलाकों से 1,300 किलोग्राम से अधिक अवैध पटाखे जब्त करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की पहचान मनोज कुमार, संजय अत्री और विपिन कुमार के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि मनोज कुमार प्रतिबंधित पटाखे बेचने में शामिल था और अत्री पटाखों की आपूर्ति करता था। इस मामले पर पुलिस ने क्या कहा- डिप्टी पुलिस कमिश्नर (अपराध) सतीश कुमार ने कहा, दो गोदामों से कुल 1,323 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे जब्त किए गए। दोनों गोदामों के मालिक और पटाखे की आपूर्ति करने वाले वाहन चालक को पकड़ लिया गया है ह्व उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को बाहरी दिल्ली के बापरोला गांव में छापेमारी की और अवैध पटाखे जब्त किए।

पुलिस ने दो व्यक्तियों को किया गिरफ्तार पुलिस के अनुसार पहले मनोज कुमार और वाहन चालक संजय अत्री को पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि वे प्रेम नगर और किराड़ी इलाकों में पटाखों की आपूर्ति करते थे। डीसीपी ने कहा, दोनों ने एक और गोदाम के बारे में बताया, जहां से विपिन को गिरफ्तार किया गया।

गाजियाबाद और नोएडा वाले ध्यान दें, 20 दिनों तक नहीं मिलेगा पानी; लाखों लोग होंगे प्रभावित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

गंगनहर की सफाई के लिए शनिवार रात 12 बजे हरिद्वार से गंगनहर को बंद कर दिया गया। गंगनहर बंद होने के बाद प्रताप विहार स्थित गंगाजल प्लांट में एक दिन के लिए रिजर्व गंगाजल रखा जाएगा। जिससे केवल एक दिन यानी रविवार को ही पानी की आपूर्ति की जाएगी। ऐसे में सोमवार से लोगों को गंगाजल नहीं मिलेगा। नगर निगम और जीडीए द्वारा दिन में केवल एक समय नलकूप और टैंकर से पानी की आपूर्ति की जाएगी। अब दिवाली तक यानी 20 दिनों तक ट्रांस हिंडन की 10 लाख की आबादी को एक समय ही पानी मिल सकेगा। गंगनहर से ही गंगाजल प्लांट में आता है पानी दशहरे के समय किसानों को पानी की जरूरत कम रहती है। जिस वजह से हर वर्ष इस दौरान गंगनहर की सफाई की जाती है। गंगनहर से ही प्रताप विहार स्थित गंगाजल प्लांट में गंगाजल आता है। प्रताप विहार प्लांट की भंडारण क्षमता 150 क्यूसेक पानी की है। गंगनहर बंद होने पर प्लांट में एक दिन का पानी भंडारण करके रखा जाता है। इस प्लांट से वसुंधरा, वैशाली, इंदिरापुरम, डेल्टा कॉलोनी, कौशांबी और सिद्धार्थ विहार को गंगाजल मिलता है। इसके अलावा नलकूप और टैंकर से पानी की आपूर्ति की जाती है। गंगाजल सुबह और शाम के समय एक-एक घंटे की आपूर्ति की जाती है। शनिवार रात 12 बजे से बंद की गई गंगनहर शनिवार रात 12 बजे हरिद्वार से गंगनहर बंद कर दिया गया। सोमवार सुबह से लोगों को गंगाजल की आपूर्ति नहीं होगी। दिन में दो बार की बजाय एक बार ही नगर निगम द्वारा नलकूप से पानी की आपूर्ति की जाएगी। दिवाली के बाद गंगाजल की आपूर्ति शुरू की जाएगी। सिंचाई विभाग के अवर अभियंता ब्रिजराज ने बताया कि 12 अक्टूबर से दो नवंबर तक गंगनहर बंद रहेगी। इस दौरा गंगनहर की सफाई होगी। पानी के निजी प्लांटों पर रहने पड़ेगा निर्भर गंगाजल की आपूर्ति बंद होते ही ट्रांस हिंडन क्षेत्र के लोगों को बोतलबंद पानी के भरोसे रहने पड़ेगा। इनके पानी की गुणवत्ता की भी गारंटी नहीं होती है। गंगाजल नहीं मिलने पर मजबूरी में लोगों को इस पानी को ही खरीदना पड़ता है। शनिवार को जगह-जगह हुई पानी की किल्लत ट्रांस हिंडन क्षेत्र में शनिवार को भी लोगों को पानी की किल्लत का सामना करना पड़ा। इंदिरापुरम, वैशाली, डेल्टा कालोनी, वसुंधरा, कौशांबी के लोगों को पर्याप्त गंगाजल नहीं मिला। तुलसी निकेतन में गंदे पानी की आपूर्ति हुई। सूर्य नगर, चंद्र नगर, बृज विहार, कौशांबी, श्याम पार्क, लाजपत नगर, भोपुरा, डीएलएफ, इंद्रप्रस्थ आदि क्षेत्र में पानी की किल्लत होने की शिकायतें प्राप्त हुईं। प्लांट से इस तरह होगी गंगाजल की आपूर्ति 100 क्यूसेक गंगाजल की सप्लाई प्लांट से होती है।

80 क्यूसेक गंगाजल नोएडा को दिया जाता है। 15 क्यूसेक गंगाजल इंदिरापुरम को मिलता है।

05 क्यूसेक की गंगाजल सिद्धार्थ विहार को मिलता है। नगर निगम द्वार पानी आपूर्ति के संसाधन

संसाधन : संख्या
5-10 एचपी के पंप : 1050
15-30 एचपी के पंप : 300
हैंडपंप की संख्या : 7000
ओवर हैड टैंक : 51
वाटर टैंकर : 71
रेनीवेल : 03
पानी की मांग और आपूर्ति
कागजों में कुल मांग : 355 एमएलडी
आपूर्ति करने का दावा : 325 एमएलडी, कुल बोरिंग 76

दिल्ली नगर निगम में बड़ा फेरबदल, लंबे समय से जमे कई अभियंता हुए ट्रांसफर

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) आयुक्त के तौर पर अश्विनी कुमार की नियुक्ति के बाद से ही इंजीनियरों के तबादले के कयास लगाए जा रहे थे। शुक्रवार को वह कयास आदेश में तब्दील हो गए। अश्विनी कुमार ने ऐसे अभियंताओं की पहचान करने के लिए विभागों को निर्देश दिए थे कि वह उन इंजीनियरों की सूची दे तो लंबे समय से एक ही पद या विभाग पर तैनात थे।

किसे कहां मिली नई जिम्मेदारी?

ऐसे में निगम ने शुक्रवार को भवन, सफाई और मेटेंनेंस विभाग के कनिष्ठ अभियंता (जेई), सहायक अभियंता (एई) और अधिशासी अभियंताओं के तबादले हुए हैं। इसके तहत 28 जेई, 13 एई और 13 ही अधिशासी अभियंताओं का तबादला किया गया है। अधिशासी अभियंताओं की बात करें तो पश्चिमी जोन में भवन विभाग में तैनात अरुण यादव को दक्षिणी जोन में भवन विभाग में तैनात किया गया है।

एलजी सचिवालय ने 6 फ्लैग स्टाफ रोड के बंगले को बताया अवैध, अअढ का पलटवार- ये टिप्पणी प्रतिक्रिया देने लायक नहीं विपिन कुमार को नजफगढ़ जोन के भवन विभाग से पश्चिमी जोन के ही भवन विभाग में लगाया गया है। नजफगढ़ जोन में मेटेनेंस विभाग में तैनात मुकेश मीणा को भवन विभाग में तैनात कर दिया गया है। शाहदरा नार्थ जोन में मेटेनेंस विभाग से अशोक कुमार कनोदिया को सिविल लाइंस जोन के भवन विभाग में लगाया गया है। कपिल गुप्ता को भवन विभाग में किया गया तैनात उसिविल लाइंस जोन से यशपाल दहिया को सिटी एसपी जोन में सफाई विभाग व मेटेंनेंस की अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। कपिल गुप्ता को सिटी एसपी जोन के मेटेनेस विभाग से हटाकर सिविल लाइंस जोन के भवन विभाग में तैनात किया गया है।

ओल्ड राजेंद्र नगर की घटना के बाद वहां पर हुई निलंबन की कार्रवाई के बाद सिविल लाइंस जोन के सफाई विभाग में तैनात तरुण शंकर आर्या को करोल बाग जोन के भवन विभाग में लगाया गया है। त्योहारों पर एजेंसियां मिलकर स्वच्छता का काम करें: शैली

त्योहारों के मद्देनजर दिल्ली में चल रहे विशेष सफाई अभियान पर महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय ने निगम को सभी एजेंसियों के साथ मिलकर काम करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्माण एवं विध्वंस कचरे के प्रबंधन और निपटान को लेकर आ रही चुनौतियों के समाधान की समीक्षा की।

सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने दुर्गा विसर्जन हेतु आस्था कुंज में बनाया कृत्रिम घाट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

आज पूरे देश में दुर्गा पूजा का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया क जगह-जगह पर लगे पण्डालों में स्थापित की गई मां दुर्गा की मूर्तियों का आस्था पूर्वक विसर्जन किया गया कइसी श्रृंखला में आज दिल्ली सरकार के सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग ने मां दुर्गा की मूर्तियों के पर्यावरण अनुकूल विसर्जन के लिए आस्था कुंज, नेहरू प्लेस में विस्तृत व्यवस्था की। दिल्ली सरकार ने आस्था कुंज में मां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन हेतु कृत्रिम घाट के निर्माण के साथ-साथ श्रद्धालुओं के बैठने के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं रोशनी के लिए लाइटों की व्यवस्थाएं तथा पानी की व्यवस्था का पर्याप्त इंतजाम किया कमां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन हेतु दो जेसीबी मशीनों की व्यवस्था भी दिल्ली सरकार की ओर से की गई, ताकि सभी श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के मां दुर्गा की बड़ी-बड़ी मूर्तियों का विसर्जन भी आसानी से और पूरी श्रद्धा के साथ कर सकें दिल्ली सरकार द्वारा आस्था कुंज में कृत्रिम तालाब बनाया गया कइस कृत्रिम घाट में आसपास के क्षेत्र की लगभग 40 दुर्गा पूजा समितियों ने मां दुर्गा की मूर्तियों के विसर्जन के लिए इस स्थान का उपयोग किया। सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री श्री सौरभ भारद्वाज सरकारी प्रयासों के सुचारू कार्यान्वयन की निगरानी के लिए सुबह से शाम तक व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे। मंत्री सौरभ भारद्वाज ने विसर्जन करने आए सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया तथा लगातार व्यवस्थाओं पर निगरानी बनाए रखी और सभी व्यवस्थाओं को व्यवस्थित ढंग से चलने के लिए व्यवस्था संभाल रहे लोगों के साथ मिलकर उनका सहयोग भी कराया कविसर्जन करने आए सभी श्रद्धालु दिल्ली सरकार द्वारा की गई व्यवस्थाओं से बेहद खुश नजर आए और सभी श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था के साथ मां दुर्गा की मूर्तियों का विसर्जन किया यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए दिल्ली सरकार पिछले कुछ वर्षों से लगातार प्रयास कर रही है किसी श्रृंखला में सरकार गणेश पूजा, सरस्वती पूजा, काली पूजा, दुर्गा पूजा और छठ पूजा जैसी धार्मिक गतिविधियों के लिए लोगों को कृत्रिम तालाब उपलब्ध कराती है। ताकि लोग अपनी धार्मिक आस्थाओं का निर्वहन भी कर सकें और यमुना को प्रदूषित होने से भी बचाया जा सके क मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा- ह्ययह बहुत महत्वपूर्ण है, कि सरकार अपनी नीतियां इस तरह बनाएं कि धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान हो और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। आस्था कुंज पर की गई व्यवस्थाओं को लेकर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सीआर पार्क, जीके, अलकनंदा, नीति बाग के निवासी खुश हैं, कि वे अपने परिवार, महिलाओं और बच्चों को आस्था कुंज में ला सकते हैं विसर्जन के लिए बनाए गए इस आस्था कुंज तालाब के चारों ओर हरी घास और खूबसूरत पेड़ों ने विसर्जन स्थल को इतना आकर्षक बना दिया कि लोग मां दुर्गा के विसर्जन के बाद वहां बैठकर आराम करते नजर आ रहे थे।

मुख्यमंत्री से मिले आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर एसोसिएशन के पदाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

उत्तराखंड। आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन आईरा के एक प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 तारिक जकी के प्रतिनिधित्व में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर विशेष भेंट वार्ता की। और प्रदेश में पत्रकारों हितों पर चर्चा की और संगठन की और से 5 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।तथा पत्रकारों के विभिन्न मुद्दों विस्तारपूर्वक बात की। बता दें आईरा संगठन काफी लंबे समय से देश भर में पत्रकार हितों के मुद्दे शासन प्रशासन स्तर पर गंभीरता के साथ उठाता आ रहा है ।26 प्रदेशों में संगठन के द्वारा पत्रकार सुरक्षा कानून की मांग को शासन के पटल पर रखा जा रहा है।इसी क्रम में उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष सैयद आसिम अजहर और प्रदेश महासचिव रिजवान अहसन सहित पांच सदस्यों की एक टीम ने बेंगलुरु से आए प्रदेश अध्यक्ष डा0 तारिक जकी के साथ शुक्रवार दोपहर को देहरादून स्थित मुख्यमंत्री आवास पहुंचकर माननीय मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से एक शिष्टाचार भेंट वार्ता की। संगठन के इस शिष्ट मंडल द्वारा की गई वार्ता में मुख्य रूप से पत्रकारों पर हो रहे हमले तथा पुलिस द्वारा द्वेष भावना से किए जा रहे पत्रकारों पर मुकदमो पर चिंता व्यक्त की गई। छोटे व मझौले समाचार पत्रों के अस्तित्व के खतरे तथा पोर्टल,वेब चैनल और यूट्यूब के माध्यम से खबरों के प्रसारण करने वाले पत्रकारों को भी अन्य समाचार पत्रों के समान सुविधा एवं सम्मान दिए जाने के संदर्भ में भी चर्चा हुई। संगठन की ओर से पांच सूत्रीए मांग पत्र मुख्यमंत्री धामी को सोपा गया, जो निवेदन किया गया कि पत्रका(गय्यूर अहमद स्योहारा) आईरा इंटरनेशनल रिपोर्टर्स एसोसिएशन आईरा के एक प्रतिनिधि मंडल ने राष्ट्रीय अध्यक्ष डा0 तारिक जकी के प्रतिनिधित्व में उत्तराखंड के मुख्य मंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास पर पहुंचकर विशेष भेंट वार्ता की और प्रदेश में पत्रकारों हितों पर चर्चा की ,और संगठन की और से 5 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। तथा पत्रकारों के विभिन्न मुद्दों विस्तारपूर्वक बात की।

वरिष्ठ पत्रकार रोहन शर्मा को पत्रकारिता में मानद डॉक्टरेट से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

वरिष्ठ पत्रकार और मीडिया शख्सियत रोहन शर्मा को हाल ही में संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिंगटन डिजिटल यूनिवर्सिटी द्वारा पत्रकारिता और जनसंपर्क में मानद डॉक्टरेट से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान नई दिल्ली के हॉलिडे इन, मयूर विहार में आयोजित एक भव्य दीक्षांत समारोह के दौरान प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में मीडिया और शैक्षणिक समुदाय के प्रमुख व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने पत्रकारिता और जनसंपर्क के क्षेत्रों में शर्मा के व्यापक योगदान और समर्पण का सम्मान किया। अपने करियर के दौरान, शर्मा ने तथ्यात्मक रिपोर्टिंग और प्रभावी कहानी कहने के लिए पहचान बनाई है। जनसंपर्क में उनके ज्ञान ने भी मीडिया उद्योग को महत्वपूर्ण मूल्य प्रदान किया है, जिससे वह इस क्षेत्र में एक प्रभावशाली व्यक्तित्व बन गए हैं। सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, शर्मा ने इस उपलब्धि को अपने स्वर्गीय माता-पिता और दादा-दादी को समर्पित किया और कहा कि यह सब श्री राम के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है। शर्मा ने समाज में पत्रकारिता और जनसंपर्क की बदलती भूमिका पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने आज के तेजी से बदलते मीडिया परिदृश्य में ईमानदारी और अनुकूलन क्षमता के महत्व को रेखांकित किया। मानद डॉक्टरेट उनके आधुनिक पत्रकारिता और जनसंपर्क प्रथाओं को आकार देने में उनके योगदान का प्रमाण है, जो उनके शानदार करियर का एक और मील का पत्थर है।

रावण दहन के साथ हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ दशहरा पर्व का मेला

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

स्योहारा। नगर के रामलीला मैदान में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी रामलीला कमेटी की ओर से श्री रामलीला का मंचन एवं दशहरा पर्व के मेला का धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ आयोजन किया गया। दशहरा मेले में कलाकारो ने बहुत सुंदर रूप से रामलीला का चित्रण करते हुए श्री राम ने रावण का वध (रावण का पुतला दहन) कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। दशहरा मेले में क्षेत्र वासियों एवं नगर वासियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।रामलीला मैदान में अनेक संस्थाओं जैसे नगर पालिका परिषद स्योहारा, प्रेस क्लब स्योहारा, भारतीय जनता पार्टी स्योहारा मंडल, भारतीय किसान यूनियन, पिछड़ा समाज पार्टी आदि की ओर से आगंतुकों के स्वागत और बैठने के लिये कैम्प लगायें गये। परिंदा सोशल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से लगाए गए कैम्प में दवाइयों की व्यवस्था भी की गई थी। कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए दशहरा मेले में नायब तहसीलदार स्योहारा राजकमल तथा थानाध्यक्ष अवनीत मान अपनी फोर्स के साथ मुस्तेद रहे। मेले में थानाध्यक्ष जेबकतरों और मनचलों के प्रति विशेष रूप से सजग रहे। विजयदशमी का पर्व और मेला बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से सकुशल संपन्न हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर मनोज कुमार वर्मा, श्री रामलीला कमेटी के संरक्षक कुँवर पृथ्वीराज सिंह व उनकी माता रानी कामिनी सिंह,सहसंरक्षक कुंवर रनन्जंय प्रताप सिंह,अध्यक्ष राजवीर सिंह त्यागी, उपाध्यक्ष नीटू जोशी, मंत्री महेंद्र कुमार शर्मा, महासचिव अमर सिंह वर्मा , प्रवंधक सुनील कुमार शर्मा, मंच प्रबंधक राजपाल सिंह प्रजापति, पुरोहित पप्पू पंडित, कानूनी सलाहकार अनुराग भटनागर, लेखा जोखा निरीक्षक अविनाश जोशी , कोषाध्यक्ष वरुण कुमार रस्तौगी, भन्डारी महेंद्र सिंह रवि, सदस्य कपिल कुमार त्यागी, यतेंद्र त्यागी, राहुल त्यागी, सचिन त्यागी, पिन्टू कुमार प्रजापति, वरिष्ठ समाज सेवी चौधरी फईम उर रहमान, मिल के अधिशासी उपाध्यक्ष अशोक मित्तल, मनोज भटनागर अध्यक्ष भाजपा स्योहारा मंडल, शशांक विश्नोई, अमित शर्मा, सतेंद्र सैनी सभासद,डॉक्टर अमित वर्मा, संजीव जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता बदर खान, सुल्तान अहमद , नगर पालिका के वरिष्ठ लिपिक देवेन्द्र कुमार, जुवेसी अहमद, अयाज चौधरी,डाक्टर राजबहादुर सिंह शर्मा, डॉक्टर विनीत देवरा,पूर्व चेयरमैन अख्तर जलील डॉ.अभयवीर ढाका डॉ.यज्ञदत्त गौड़, रजत रस्तौगी उर्फ शैंकी ,श्वेत रस्तौगी सभासद ,समाज सेविका फरहा परवीन,इकबाल रूमानी,नईम अहमद, गजेंद्र सिंह टिकैत ब्लॉक अध्यक्ष किसान यूनियन, तेजपाल सिंह सैनी, कपिल शर्मा,मुकेश मिगलानी, बंटी एडवोकेट, तुफैल एडवोकेट, रिफाकत चौधरी आदि सहित हजारों लोग उपस्थित रहे है।

रणवीर सिंह का को-फाउंडेड स्टार्टअप अब ब्लूम बाय बोल्ड केयर के साथ महिलाओं की बेहतरी के लिए काम करने को तैयार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

बोल्ड केयर (भारत का 1 सेक्सुअल वेलनेस ब्रांड) अब नई छलांग लगाने को तैयार है। पुरुषों की सेक्सुअल हेल्थ को लेकर बातचीत शुरू करने और इस साल की शुरूआत में अपने सुपर वायरल (टेक बोल्ड केयर ऑफ हर) कैम्पेन के साथ 25 लाख से अधिक पुरुषों को सेवा देने के बाद ब्रांड अब ब्लूम बाय बोल्ड केयर के साथ महिलाओं के वेलनेस को नई परिभाषा देने को तैयार है। स्टार्टअप की खास बात यह है कि पॉवरहाउस रणवीर सिंह इसके को-फाउंडर है और वह इसकी हर गतिविधि से करीब से जुड़े हैं। ब्लूम बाय बोल्ड केयर महिलाओं के जीवन के विभिन्न चरणों में आने वाली विशेष स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान उपलब्ध करने के लक्ष्य के साथ रिसर्च-बेस्ड सॉल्युशन उपलब्ध कराता है। इसमें सेक्सुअल हेल्थ, हाइजिन, पीरियड केयर (मासिक धर्म देखभाल) शामिल है। इसके जरिये स्टार्टअप की कोशिश महिलाओं से जुड़े मुद्दों के बेहतर प्रबंधन में मदद करने की है। ब्लूम बाय बोल्ड केयर का लक्ष्य महिलाओं के सामने कई बरसों से आ रही चुनौतियों को जड़ से दूर करना है- फिर चाहे वह पेट की समस्या हो, सेक्सुअल हेल्थ हो, मेनोपॉज या पोषण की कमी की समस्या क्यों न हो? स्टार्टअप की कोशिश प्राकृतिक सामग्री और एफिकेसी-फर्स्ट अप्रौच के साथ प्रोडक्ट बनाने की है ताकि यह ब्रांड महिलाओं को उनकी अंतरंग आवश्यकताओं को प्राथमिकता देने, अंतरंग संबंधों में बेहतरी और शरीर में होने वाले बदलावों को आत्मविश्वास के साथ स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

महिलाओं के लिए वेलनेस ब्रांड का विचार तब सामने आया जब बोल्ड केयर ने महिलाओं और पुरुषों में इंटिमेसी और ओवरऑल वेल-बिइंग में अंतर को महसूस किया। चर्चा के दौरान टीम ने महसूस किया कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं का स्वास्थ्य अधिक जटिल है। उम्र के साथ ही शारीरिक परिवर्तन भी होते हैं, जो उनकी ओवरऑल हेल्थ और वेलनेस को काफी हद तक प्रभावित करता है। पोषण, मूड, प्रजनन स्वास्थ्य और इम्यूनिटी जैसे कई कारक व्यापक स्तर पर वेलनेस में अहम भूमिका निभाते हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता। इस वजह से टीम ने एक अलग प्रोडक्ट रेंज बनाकर इस चिंता को दूर करने का फैसला किया ताकि एक महिला के जीवन के विभिन्न चरणों से संबंधित परेशानियों को दूर किया जा सके। इस नजरिये के साथ ब्लूम बाय बोल्ड केयर टारगेटेड सॉल्युशन लाया है, जो त्वचा और आंत की समस्याओं से लेकर पीसीओएस और मेनोपॉज जैसी हार्मोन-बेस्ड समस्याओं में मददगार है। ब्रांड ने अपनी आरसीएम पद्धति से इसे तैयार किया है और यह इसकी वेलनेस केयर रेंज की नींव में है- क्योंकि इसके सभी प्रोडक्ट्स के लिए रिसर्च किया गया है और अधिकतम एफिकेसी के साथ चिकित्सकीय रूप से परखे हुए हैं। बोल्ड केयर के को-फाउंडर रणवीर सिंह ने कहा, ह्लएक को-फाउंडर के रूप में मेरा विश्वास है कि व्यापक रिसर्च के आधार पर तैयार किए सॉल्युशंस की मदद से पुरुषों के सामने आने वाली आम समस्याओं को दूर किया जा सकता है और सेक्सुअल वेलनेस के क्षेत्र में इसका बड़ा प्रभाव दिखा है। हमने 25 लाख से अधिक भारतीय पुरुषों में इन मुद्दों पर बातचीत को बढ़ावा दिया है और आत्मविश्वास की लहर देखी है। अब हम महिलाओं के सेक्सुअल वेलनेस को लेकर भी ऐसा ही करना चाहते हैं। मैं और फाउंडर टीम महिलाओं की बुनियादी चिंताओं के लिए एंड-टू-एंड वेलनेस सॉल्युशन प्रदान करने के लिए आरसीएम पद्धति पर दृढ़ता से विश्वास करते हैं। हम इस बात को लेकर भी उत्साहित हैं कि महिलाओं की उम्र के सभी चरणों के लिए इनोवेशन करते हुए वेलनेस प्रोडक्ट बना रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

दानापुर- आसनसोल डिवीजन के सीमावर्ती क्षेत्र का डीआरएम ने किया निरीक्षण

जमुई [झाझा] दानापुर रेल मंडल के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी विशेष सैलून से रविवार को निरीक्षण के लिए झाझा पहुंचे। इस दौरान उन्होनें निरीक्षण के दौरान डीआरएम ने दानापुर एवं स्थानीय अधीनस्थ अधिकारियों को कई तरह के आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। डीआरएम ने निरीक्षण को लेकर बताया कि यह रूटींग निरीक्षण है ।झाझा रेलवे स्टेशन पर साफ-सफाई को देखा और उसके बाद दानापुर और आसनसोल रेल डिवीजन के सीमावर्ती क्षेत्र दुद्धीजोर पुल तक अप एवं डाउन रेललाइन का पैदल ही चलते हुए निरीक्षण किया। रेलवे लाइन निरीक्षण के बाद आरआरआई भवन, क्रूलोबी, रेलवे रनिंग रूम सहित अन्य रेल विभागों का भी निरीक्षण किया। उन्होनें आगे बताया कि बड़े स्टेशनों, यार्ड का निरीक्षण करना है ताकि रेलवे संरक्षा पर विशेष कार्य हो सके। डीआरएम ने बताया कि वंदे भारत एक्सप्रेस का भी ठहराव बढ़ती मांगों को देखते हुए किया जा रहा है भविष्य में यहां पर भी वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव करवाने की ओर प्रयास किया जाएगा।

दुर्गा पूजा को लेकर एडीएम ने सोनखार मंदिर परिसर में विधि व्यवस्था का लिया जायजा

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई/ई०अलीगंज:- दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर प्रशासनिक तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने विभिन्न मंदिर परिसर का दौरा किया और विधि व्यवस्था का जायजा लिया इस दौरान शुक्रवार संध्या सोनखार स्थित दुर्गा मंदिर परिसर का एडीएम सुभाष चंद्र मण्डल, सीओ रंजन कुमार दिवाकर,एवं अन्य पदाधिकारी द्वारा दुर्गा मंदिर परिसर में पूजा स्थल एवं पंडाल का जायजा लिया।

पूजा समिति के सदस्यों से पूजा शांति पूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर तैयारी के बारे में जानकारी ली। एडीएम ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि पूजा के दौरान कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया जाए और मंदिर परिसर में स्वच्छता, लाइटिंग और अन्य सुविधाओं का ध्यान रखा जाए। साथ ही, उन्होंने श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर सभी आवश्यक उपाय करने पर जोर दिया।

उन्होंने पूजा समिति के सदस्यों से अपने-अपने भोलन्टियर का पहचान सूची आधार कार्ड के साथ स्थानीय थाना में उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा, हरेक मोड़ पर सी सी टी वी कैमरे, लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जो लोग मेला में हुड़दंग करेंगे या शोशल मीडिया और गलत अफवाह फैलाएगा, उस पर जिला प्रशाशन तथा पुलिस प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। अलीगंज में सभी पूजा स्थलों पर दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि सभी लोग दुर्गा पूजा परम्परागत तरीके से मनाए, कोई भी त्योहार शांति पूर्वक हर्ष एवम उल्लास के साथ मनाए। इस मौके पर पूजा समिति रुद्रनारायण सिंह, रामबालक सिंह,गोपाल सिंह आलोक सिंह, संजीत सिंह तथा , संजय कुमार सिंह,पिंटू सिंह, संतोष कुमार एवं पूजा समिति सदस्य सहित कई लोग उपस्थित थे।

मां दुर्गे के जयघोष के साथ मां की प्रतिमा का किया विसर्जन

प्रात: किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] जय मां दुर्गे के जयघोष के बीच शारदीय नवरात्र प्रखंड क्षेत्र में शांतिपूर्ण रूप से संपन्न किया गया। अष्टमी पूजा की शाम क्षेत्रीय विधायक दामोदर रावत, डीडीसी सुमित कुमार एवं अन्य अधिकारी ने नगर क्षेत्र स्थित सभी दुगार्मंदिर में पहुंचकर मां दुर्गा की दर्शनकर क्षेत्र में सुख समृद्वि, शांति और भाईचारा बनाए रखने की मन्नत मांगी तो वही नवमी और दशमी पूजा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ पूजा पंडाल में देखने को मिला। बड़ी दुगार्मंदिर, रेलवे इंडियन इस्टीच्यूट, बारोवारी दुगार्मंदिर, सार्वजनिक दुगार्मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ इस कदर थी कि पूजा समिति को भीड़ नियंत्रण करने में काफी मशक्कत उठानी पड़ी। वही विजयदशमी को पूजा पंडाल में विसर्जन जूलूस निकलने से पूर्व महिलाओं ने अबीर गुलाल एक दूसरे को लगाते हुए अपने उत्साह को दुगुना किए हुए था। प्रखंड क्षेत्र स्थित सभी पूजा पंडालों से मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन जूलूस पुलिस की देखरेख में निकाली गई। नगर क्षेत्र के चारों पूजा पंडालों से गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने मां की भक्ति गीत पर झूमते नजर आए और जय माता दी, जय मां दुर्गे के जयकारे लगाते हुए रेलवे तालाब के पास पहुंचा जहां मां दुर्गा की महाआरती होने के बाद मां दुर्गा के साथ देवी लक्ष्मी, सरस्वती, भगवान गणेश और कार्तिक की प्रतिमा का विसर्जन किया गया।

बेगूसराय गढ़पुरा के पत्रकार दीपक कुमार दीप के असामयिक निधन पर दी गई श्रद्धांजलि

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पत्रकारिता जगत को हुई अपूर्नीय क्षति : सुमलेश कुमार

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के तत्वाधान में बेगूसराय जिले के गढ़पुरा के पत्रकार दीपक कुमार दीप के आकस्मिक निधन पर जिले के पत्रकार एवं समाजसेवी द्वारा 2 मिनट का मन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तथा पत्रकार दीपक कुमार दीप अमर रहे, नारों को बुलंद किया गया। जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के संरक्षक किरण देव यादव ने कहा कि पत्रकार दीपक कुमार दीप सच्चे अर्थों में नेक दिल इंसान, प्रखर निर्भीक निडर निष्पक्ष पत्रकार थे। उनके आकस्मिक निधन से लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को गहरा आघात पहुंचा है, पत्रकारिता के क्षेत्र में अपूर्नीय क्षति हुई है, निकट भविष्य में इनकी भरपाई संभव नहीं है। उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रकृति से प्रार्थना करते हैं तथा उनके शोक संतृप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते। दिवंगत दीपक कुमार पत्रकारिता के पास सामान्य क्षितिज में ध्रुव तारा की तरह सदैव चमकते रहेंगे। श्री यादव ने शोक संतप्त आश्रितों को 5 लाख रुपए मुआवजा देने की जिलाधिकारी से मांग किया। पत्रकार संघ के अध्यक्ष सुमलेश कुमार, सचिव संजय कर्ण , उपाध्यक्ष जन्मेजय कुमार, कोषाध्यक्ष विक्रम शर्मा, संयुक्त सचिव सुनील कुमार, प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार आदि ने कहा कि पत्रकारों के निधन से हम सब मर्माहत हैं, दुख के घड़ी में हम उनके साथ हैं हम उनके प्रति हार्दिक संवेदना सहानुभूति व्यक्त करते हैं एवं कोटि-कोटि नमन, विनम्र श्रद्धांजलि व्यक्त करते हैं। इधर, ऑल इंडिया मिशन प्रेस एसोसिएशन, ऐम्पा के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव, महासचिव चंद्रहास यादव ने पत्रकार कल्याण बोर्ड एवं पत्रकार कल्याण आयोग गठित करने की मांग बिहार सरकार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से किया।

दिवंगत दीपक कुमार दीप

- दीपक कुमार दीप सच्चे अर्थों में नेक दिल इंसान, निर्भीक, निष्पक्ष, निडर, प्रखर पत्रकार थे : किरण देव यादव
- अपने दीप के रोशनी से पत्रकारिता जगत को जगमगाने वाले दीपक बुझ गया - समझ कर्ण

थाने में वीडियो बनाना जासूसी नहीं, बाम्बे हाई कोर्ट के उक्त निर्णय स्वागत योग्य

जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ ने किया स्वागत व सराहना

प्रात : किरण संवाददाता

खगड़िया। थाने में वीडियो बनाना जासूसी व निषेध नहीं, मुंबई हाई कोर्ट की औरंगाबाद बेंच के द्वारा उक्त कथन व एक मामले में सुनवाई कर उक्त निर्णय देना, स्वागत योग्य व सराहनीय है। कोर्ट ने कहा कि गोपनीयता अधिनियम की धारा में प्रतिबंधित स्थान की परिभाषा में पुलिस स्टेशन थाना नहीं है। कोर्ट के उक्त आदेश निर्देश का हार्दिक स्वागत करते हुए जिला प्रेस क्लब पत्रकार संघ के संरक्षक किरण देव यादव, अध्यक्ष सुमलेश कुमार, सचिव सचिव संजय कर्ण , कोषाध्यक्ष विक्रम शर्मा उपाध्यक्ष जन्मेजय कुमार, संयुक्त सचिव सुनील कुमार, प्रवक्ता धर्मेंद्र कुमार, पत्रकार मोहम्मद सुहेल, संजय पोद्दार , नयन यादव आदि ने कहा कि जनहित, देश हित, समाज हित को ध्यान में रखकर अभिव्यक्ति की आजादी मीडिया को रहनी चाहिए, जिससे सरकार, प्रशासन और जनता के बीच समाचार सेतु का कार्य संभव हो सके। पत्रकारों ने कहा कि कभी स्कूल कभी थाना कभी अन्य कार्यालय कभी अतिक्रमण हटाने संबंधी अन्य प्रशासनिक कार्रवाई को समाचार संकलन करने पर निषेध की जाती है जो मीडिया के अधिकार का हनन है। प्रशासन व सरकार द्वारा निर्गत प्रेस विज्ञप्ति के आलोक में दरबारी समाचार प्रकाशन मीडिया के कलम को कुंध करती है।

नम आखों से दी मां दुर्गा की विदाई

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज:-,दुर्गा महोत्सव नौ दिनों तक चले शारदीय नवरात्र के बाद प्रखंड में विजयादशमी और दशहरा का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। त्योहार शान्ति व सौहार्द्रपूर्ण महौल में संपन्न हुआ। लोगों ने माता की दर्शन कर परिवार व समाज की सुख समृद्धि के लिए कामना की। वहीं रविवार को अलीगंज प्रखंड के अलीगंज अंदर बाजार पुरानी दुर्गा मंदिर श्री श्री 108 दुर्गा पूजा समिति,एवं सोनखार गांव स्थित दुर्गा पूजा समिति, तथा गहलौर गांव में दुर्गा माता की स्थापित प्रतिमा का नम आखों में विदाई दी,और तालाबों में विसर्जन किया गया। जबकि प्रखंड के अधिकांश जगहों पर स्थापित प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। मां दुर्गा के भक्तों ने नम आखों से मां की विदाई दी।साथ ही अगले वर्ष फिर से आने का वादा लिया।और ढ़ोल नगाड़े एवं गाजे बाजे के साथ निकली शोभायात्रा पूरा अलीगंज बाजार भ्रमण के बाद मां की विदाई दी गई। श्रद्धालु भक्ति गीतों की धुन पर झूमते दिखे, माता की विदाई के लिए प्रतिमा को ट्रैक्टर पर उठाकर पुरा बाजार में भ्रमण करने के बाद तालाबों में विसर्जित की गई।लाल चुनरी ओढे बडी संख्या में युवाओं-युवतियों के अलावे पुरूषों एवं महिलाए बड़ी संख्या में मां की अंतिम विदाई में शरीक हुई।पूरा अलीगंज बाजार भक्तिमय माहौल बना हुआ था,वहीं अवगीला गांव में दुर्गा माता की स्थापित प्रतिमा पूर्णिमा के दिन किये जाते हैं। अन्य सभी जगहों पर मां का प्रतिमा का विसर्जन ढोल नगाड़े गाजे बाजे, अर्केष्टा,के साथ किया गया। जय माँ दुर्गे की जय घोष से पुरा इलाका गूंजायमान हो उठा और जुलूस के दौरान तलवार एवं लाठी से अपना कर्तव्य दिखा रहे थे, विसर्जन जुलूस में पुलिस प्रशासन तैनात किया गया था। जिला प्रशासन द्वारा तय किये गये निर्धारित रूट पर ही विसर्जन जुलूस चल रहा था। प्रशासन द्वारा तय किये मापदंड को जुलूस में अपनाया गया। आरती किये जाने के बाद मां की प्रतिमा को अपने अपने गांव के तालाब में विसर्जित किया गया। सेवा समिति के कार्यकर्ता युवकों पर नजर रखे रहे थे। जिस मार्ग से होकर जुलूस गुजर रहा था। उस मार्ग से वैकल्पिक व्यवस्था की गयी थी। प्रशासन के निर्देश का पूरा-पूरा पालन किया गया। अंदर बाजार 108 दुर्गा पूजा समिति एवं सोनखार गांव के दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष और कार्यकर्ता एवं पुलिस प्रशासन जुलूस में मुस्तैद दिखे।

भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ शारदीय नवरात्र, श्रद्धालुओं ने नम आंखों से दी माता को विदाई

संग्रामपुर (मुंगेर)। फिर आना मनुहार के साथ माता के भावभीनी विदाई के साथ प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्र श्रध्दा, भक्ति व शांतिपूर्ण सम्पन्न हो गया। विदित हो कि प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों के दुर्गा मंदिर में दुर्गा की प्रतिमा स्थापित किया गया था। विजयादशमी के अवसर पर माता के दर्शन करने श्रद्धालुओं भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने पूरी श्रध्दा व भक्ति के साथ पूजा अर्चना की। वहीं शुक्रवार को दुर्गा मंदिरों में मनोकामना पूर्ण हो चुके श्रद्धालुओं ने बलि प्रदान की। इस अवसर पर मेले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जहां दण्डाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। विजयादशमी के दिन स्थानीय जदयू विधायक राजीव कुमार सिंह ने सभी दुर्गा मंदिरों में जाकर माता के दर्शन कर मेला में शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। वहीं प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न दुर्गा मंदिरों में सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ता इंजीनियर रोहित चौधरी ने भी मत्था टेका और दुर्गा मंदिर समिति के सदस्यों से मिलकर मेला एवं विसर्जन संबंधित जानकारी लिया।

मवेशी चोरी कर भाग रहे दो युवकों को ग्रामीणों ने पकड़ा, पिटाई करने के बाद किया पुलिस के हवाले

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/ई० अलीगंज:-, चंद्रदीप थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलार गावं से एक मवेशी चोरी कर भाग रहे दो युवकों को ग्रामीणों ने चंद्रदीप चौक के समीप पकड़ कर मार पिट कर किया पुलिस के हवाले । जानकारी के अनुसार शनिवार रात्रि को मवेशी चोरी के उद्देश्य से आए दो युवक तेलार गांव से एक मवेशी चोरी कर भाग रहा था। तभी स्थानीय ग्रामीणों के मदद से दोनों युवकों को पकड़ लिया और दोनों युवकों को लात-घुसें से जमकर धोया। ग्रामीणों द्वारा दोनों युवकों से पूछताछ करने पर दोनों युवक की पहचान आढ़ा गाँव निवासी मोङ्ग साबिर के पुत्र फुरकान एवं कैथा गावं निवासी सेराज के पुत्र मेराज के रूप में बताया। वहीं पशुपालक तेलार गाँव निवासी अंकित पिता वीरेंद्र साव ने जानकारी देते हुए बताया की शनिवार रात्रि घर के पास बथान में बंधा एक गाय को दो युवक चोरी कर ले जा रहा था।, तभी हो हल्ला हुआ और चोरों को पीछा किया जिसके बाद ग्रामीणों द्वारा चंद्रदीप ग्रामीण बैंक के पास दोनों को मावेशी के साथ पकड़ा गया। तलाशी के दौरान चोरों के पास से एक कटर एवं दो मोबइल बरामद हुई।,इसके बाद सूचना चंद्रदीप थाना को दी गई सूचना मिलते ही चंद्रदीप पुलिस अपने दल बल के साथ मौके पर पहुंच कर ग्रामीणों द्वारा पकड़े दोनों युवकों को हिरासत में लेकर थाना ले गया। जहां वादी अंकित कुमार के द्वारा थाने में आवेदन दिया गया,वहीं थानाध्यक्ष राजेंद्र साह ने कहा दो युवक तेलार गाँव से एक मावेशी खोल कर ले भाग रहा था। तभी ग्रामीणों की मदद से पकड़ कर पुलिस को सौपा गया ।वहीं दोनों युवकों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए थाना कांड संख्या 194/24 दर्ज कर जमुई जेल भेज दिया गया।

3 स्टेंट डालकर खोला ब्लॉकेज, मरीज स्वस्थ

खानपान और एक्सरसाइज करने की दी गई सलाह

- परक्यूटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी (पीटीसीए) से मिली मरीज को फौरन राहत

प्रात : किरण संवाददाता

सहरसा। सहरसा के केदार शर्मा (73 साल) को सीने में तेज दर्द हुआ तो वह काफी घबरा गए। आननफानन में उन्हें पटना ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने सीएबीजी (कोरोनरी आट्री बायपास ग्राफ्ट) करने की सलाह दी। सर्जरी का नाम सुनकर वह काफी परेशान हो गए। घर आने के बाद वह सहरसा स्थित निंती कार्डियक केयर में सेकेंड ओपिनियन लेने गए, जहां उन्हें सर्जरी के बजाय पीटीसीए कराने की सलाह दी गई। वह इसके लिए फौरन राजी हो गए। शुक्रवार को उनका सफलतापूर्वक पीटीसीए (परक्यूटेनियस ट्रांसलुमिनल कोरोनरी एंजियोप्लास्टी) किया गया, जिसके बाद उन्होंने राहत की सांस ली। निंती कार्डियक केयर के इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. गिरिजा शंकर झा ने बताया कि हृदय की मांसपेशियों में रक्त प्रवाह कम होने के कारण मरीज को एनजाइना (सीने में दर्द) की समस्या हुई थी। दो धमनियों में 80-90 प्रतिशत ब्लॉकेज था। मरीज को सीएबीजी (कोरोनरी आट्री बायपास ग्राफ्ट) करने को कहा गया था पर यहां पीटीसीए के जरिए ब्लॉकेज ठीक किया गया है। इस प्रक्रिया में एक चीरे से दिल के अंदर स्टेंट डालकर ब्लॉकेज को ठीक किया जाता है। मरीज के दिल के अंदर 3 स्टेंट डाले गए ताकि ब्लॉकेज खुल जाएं। मरीज पूरी तरह से स्वस्थ हैं और अब राहत महसूस कर रहे हैं। बता दें कि पीटीसीए का मुख्य उद्देश्य संकुचित या अवरुद्ध कोरोनरी धमनियों को खोलना है। यह एक न्यूनतम इनवेसिव प्रक्रिया है, जिसमें बंद धमनियों को ठीक किया जाता है। प्लाक नामक वसायुक्त जमाव के कारण धमनियां, जो संकुचित या अवरुद्ध हो गई, उनमें कैथेटर नामक एक पतली, लचीली ट्यूब को डाला जाता है। इसके बाद कमर, कलाई या बांह में चीरा लगाकर कैथेटर को अंदर डाला जाता है और इसी के माध्यम से प्रभावित हिस्से में एक छोटा बैलून पहुंचाया जाता है ताकि धमनी को चौड़ा कर इसे फुलाया जा सके। इस तरह से हृदय की मांशपेशियों में रक्त प्रवाह सही हो जाता है।

दो बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल, स्थिति गंभीर देखकर डॉक्टर ने किया जमुई रेफर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] दुगार्पूजा के दशमी दिन झाझा गिद्धौर मुख्य मार्ग में पड़ने वाले गोलकी आम के पास तेज रफ्तार दो बाइक की आमने सामने की भीषण टक्कर में चालक सहित बाइक पर सवार कुल तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना देखकर स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल 112 की पुलिस और स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी जिसके बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया जहां सभी घायलों को इलाज किया गया लेकिन तीनो घायलों की स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने सभी को बेहतर इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया। घायल दो की पहचान थानाक्षेत्र के धपरी गांव के रहने वाले श्रवण कुमार, बीरबल कुमार तथा तीसरा सोहजाना गांव निवासी सुजीत कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि एक बाइक पर बैठे श्रवण और बीरबल झाझा दिशा से मेला देखकर अपने घर जा रहा था कि तभी सामने से आ रही बाइक से भीषण टक्कर हो गया।

किशोर कुमार भारतीय संगीत के अद्वितीय पार्श्व गायक : प्रो.गौरी शंकर

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई:- मधुर गीतों के सम्राट किशोर कुमार की 37 वीं पुण्य तिथि पर जमुई के प्रबुद्ध लोगों ने आभास कुमार गांगुली उर्फ ह्यकिशोर दा को याद कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित की। जमुई जिला मुख्यालय स्थित कुमार कालिका मेमोरियल महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.(प्रो.) गौरी शंकर पासवान ने कहा कि किशोर कुमार भारतीय संगीत के अद्वितीय पार्श्व गायक थे। वे बॉलीवुड के बहुमुखी रत्न, हरफनमौला कलाकार, संगीत प्रेमियों के दिलों की धड़कन, हास्य-अभिनय और संगीत की त्रिवेणी संगम थे। किशोर दा की आवाज में जादू था। उनकी संगीत सुनकर हर कोई मंत्रमुग्ध हो जाता था। मधुर गीतों का वो सम्राट चला गया,पर संगीत प्रेमियों के धड़कनों में आज भी गूंजता है। किसी ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा है कि- जाने वाला चला गया पर धुनों में वह जिंदा है। हर गीत उनकी कहानी कहता हर स्वर उनकी अमर निशानी है ह्व किशोर दा अंगिनित गीतों एवं धुनों के कारण आज भी हमारे बीच जीवित हैं। उनकी आवाज तथा मुस्कान लोगों की यादों में हमेशा बनी रहेगी। प्रो.पासवान ने आगे कहा कि किशोर कुमार लगभग 29000 से अधिक गाने गा चुके हैं.11 भाषाओं में उन्होने मुख्य रूप से हिंदी सिनेमा के लिए गाने गाए हैं। आठ बार फिल्म फेयर सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायन का पुरस्कार ह्यदाह्व ने जीता है। किशोर ह्यदाह्व को उनके योगदानो के लिए कला के क्षेत्र में ह्य भारत रत्न अवार्ड मिलना चाहिए। चैंबर ऑफ कॉमर्स जमुई के उपाध्यक्ष श्री नितेश कुमार केसरी ने कहा कि किशोर कुमार उर्फ किशोर ह्य दा ह्य संगीत के अनमोल धरोहर थे। वे संगीत और यदाकारी के अनूठा संगम थे। स्व.दा भारतीय संगीत की दुनिया में वह नक्षत्र हैं, जिनकी आवाज लाखों-करोड़ों दिलों पर राज किया है। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने गायन, अभिनय, निर्देशन,संगीत में नए आयाम स्थापित किया है। उन्होंने भारतीय संगीत को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उनकी मधुर ध्वनि और अलौकिक कला हमें उनकी बहुत याद दिलाती है। किशोर का जन्म 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा के एक बंगाली ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनका वास्तविक नाम आभास कुमार गांगुली था। 13 अक्टूबर 1987 को इनका निधन हो गया। उन्होंने कहा कि जब तक प्रशांत में पानी लहराता रहेगा, तब तक किशोर ह्यदाह्व की अमर कहानी युगों युगों तक गाया जाता रहेगा। हमें ऐसे कलाकार पर अभिमान है, जिन्होंने अपने देश का नाम देश में ही नहीं, विदेशों में रोशन किया है। वरिष्ठ शिक्षक सह प्रधानाध्यापक और संगीत के जानकार श्री दिनेश मंडल एवं अनिल कुमार पाठक ने कहा कि किशोर ह्य दा ह्य भारतीय संगीत के माहिर कलाकार थे। उनकी संगीत शैली ने न केवल भारतीय महाद्वीप में ही नहीं, वल्कि वैश्विक मंच पर भी संगीत का पताका फहराया है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संगीत प्रेमी किशोर दा की गायकी के फैन आज भी हैं। उन्हें अलग-अलग शैलियों में महारत हासिल था। किशोर दा ने रोमांटिक गानों से लेकर दुःख दर्द व मस्ती भरे तथा ऊजार्वान ढंग से गीत गाया है। उन्होंने कहा कि किशोर दा सिनेमा संगीत के पिलर थे। स्व.दा आवाज का ऐसा जादूगर थे, जिन्होंने लाखों संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध किया। वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका गीत करोड़ों फैन के दिलों में आज भी गूंज रहे हैं।

संपूर्ण क्रांति के जनक लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 122वीं जयंती मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर । संपूर्ण क्रांति के जनक स्वतंत्रता सेनानी लोकनायक जयप्रकाश नारायण का 122वीं जयंती जेपी सेनानी मंच की तरफ से शुक्रवार को जेपी स्मारक लाल कोठी स्थित उनके आदमकद प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेपी सेनानी मुंगेर के जिला अध्यक्ष अशर्फी यादव ने किया।संचालन जेपी सेनानी दुर्गेश पटेल ने किया। इस अवसर पर अपना विचार व्यक्त करते हुए 1974 छात्र आंदोलन के छात्र नेता नरेश सिंह यादव ने कहा कि संपूर्ण क्रांति का आह्वान उन्होंने श्रीमती इंदिरा गांधी की तानाशाही सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए किया था। इस मौके पर प्रोफेसर विनय कुमार सुमन ने कहा कि वर्ष 1974 में बिहार एवं गुजरात के छात्रों के आग्रह पर उनके आंदोलन का नेतृत्व करने का आग्रह स्वीकार करते हुए 15 जून सन 1975 को पटना के गांधी मैदान में छात्रों के विशाल समूह के सामने संपूर्ण क्रांति का उद्घोष उन्होंने किया था।जेपी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा था कि भ्रष्टाचार मिटाना, बेरोजगारी दूर करना, शिक्षा में क्रांति लाना आदि ऐसी चीज हैं जो आज की व्यवस्था से पूरी नहीं हो सकती, क्योंकि वह इस व्यवस्था की ही उपज है वह तभी पूरी हो सकती है जब संपूर्ण व्यवस्था बदल दी जाए और संपूर्ण व्यवस्था के परिवर्तन के लिए संपूर्ण क्रांति आवश्यक है। इस अवसर पर अपने संबोधन में जेपी सेनानी विश्वनाथ गुप्ता एवं वकील राम ने कहा कि इंदिरा गांधी ने 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा रायबरेली लोकसभा सीट से अपना चुनाव अवैध किए जाने के बाद देशवासियों के सारे मौलिक व नागरिक अधिकार छीन देश सेंसरशिप एवं इमरजेंसी थोप दी, जेपी सहित सारे विपक्षी नेताओं को जेल में बंद कर दिया गया परिणाम स्वरूप जेपी के नेतृत्व में संपूर्ण भारत में ऐसी क्रांति हुई की 1977 के लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी सिर्फ सत्ता से बाहर ही नहीं हुई बल्कि स्वयं भी चुनाव हार गई। जयंती के इस अवसर पर नवल किशोर यादव, शकील अहमद, राजा कुशवाहा सहित दर्जनों जेपी सेनानी मौजूद थे।

सम्पादकीय

कट्टरता के सामने तकनीक का कमाल

शक्ति की उपासना के पावन पर्व पर बंगला देश में इस्लामिक क्रान्ति का आह्वान करके कट्टरपंथियों ने एक बार फिर सनातन की शान्तिप्रियता को तार-तार कर दिया है। वहां पर होने वाली हिंसक घटनायें जहां आस्था के आयामों को सीधा प्रभावित करतीं है वहीं कट्टरपंथियों के मानवता विरोधी मंसूबों की मुसलमानों में आम सहमति के रूप में रेखांकित भी करती है। अन्याय पर न्याय की विजय, असत्य पर सत्य की जीत और वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा वाले पर्व पर हिंसा, अन्याय और विभेद का बारूद फोडने वाली जमात पूरी तरह सुरक्षित हैं। उनके आकाओं के दिखाने वाले दांतों के मध्य से एकता की चासनी टपक रही है परन्तु असली दांतों से गजवा-ए-दुनिया के रास्ते में आने वालों को निरंतर चबाते भी जा रहा है। वहां के चटगांव स्थित जत्रामोहन सेन हाल में चल रही दुर्गा पूजा में कट्टरपंथियों ने मंच चढकर जबरजस्ती इस्लामिक क्रान्ति का आह्वान करते हुए गीत गाये गया तो ढाका के भालो बंगला के पूजा पंडाल में तोडफोड की गई। ढाकेश्वरी मंदिर में इस्लाम के नारे बुलंद करने की खबरें आती रहीं तो जोरान में आस्था स्थल को सरेआम नस्तनाबूत कर दिया गया। वहां की अन्तरिम सरकार के नुमाइन्दों व्दारा सब कुछ नियंत्रण में होने के वक्तव्य जारी किये जाते रहे और धरातल पर लहू की धार से नहाने वालों की पीठ पर हाथ भी रखा जाता रहा। वहां के पुलिस महानिरीक्षक मोइनुल इस्लाम ने स्वयं ही 35 बडी घटनाओं को स्वीकारा है जिनमें से 11 मामले दर्ज हुए और 24 को सामान्य डायरी में लिखा गया है। बाकी सैकडों घटनाओं को पूरी तरह नजरंदाज कर दिया गया। ऐसा ही घटनाक्रम तख्तापलट के दौरान भी सामने आया था, जब वहां के अल्पसंख्यक हिन्दुओं की सम्पत्तियों को तहसनहस किया गया था। बेखौफ होकर लूटपाट की गई थी। निर्मम हत्याओं का सिलसिला चल निकला था। हिन्दुओं की महिलाओं को चुन-चुनकर हवस का शिकार बनाया गया था मगर उस सबको भीड़ की करामात, लोगों का आक्रोश और सामूहिक उत्तेजना कहकर हाशिये पर पहुंचा दिया गया था। तभी से वहां राष्ट्रीय तंत्र पर पूरी तरह से कट्टरपंथी हावी हैं जो आतंक को, जुल्म को, कत्लेआम को ही मजहब मानते हैं। वहीं दूसरी ओर भारत के महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सरकार ने मदरसों के मौलानाओं के वेतन में तीन गुना की बढोत्तरी करने की घोषणा कर दी। इस घोषणा को सरकार के सभी घटक दलों ने धर्म निरपेक्षता की दिशा में एक महात्वपूर्ण कदम बताया है। एक ओर कट्टरता की बाढ तले देश-दुनिया तबाह हो रही है वहीं मजहबी तालीम के नाम पर अधिकांश मदरसों में निकले वाली आतंकी जमात अपनी खुराफाती तामीलदारों की पढाई को ही हकीकत में खुदा का हुक्म मान बैठती है। ऐसे में जहां मदरसों को शासनाधीन करना बेहद आवश्यक है वहां मदरसों के वर्तमान स्वरूप को ही मजबूत करना घातक ही नहीं बल्कि आत्मघाती होगा। आन्दोलन के नाम पर शक्ति प्रदर्शन, जेहाद के नाम पर जुल्म और इस्लाम के नाम पर काफिरों के खात्मे का फतवा, अपना अमली जामा पहनता जा रहा है। देश के बद से बद्तर होते हालातों के साथ-साथ दुनिया के भर में आतंक का दावानल खतरनाक ढंग से बढता जा रहा है। सन् 1946 में इस्लामिक देशों की संख्या केवल 6 थी, जबकि वर्तमान में 57 हो गई है। इस्लाम के नाम पर संगठित होने का आह्वान कर चुके इरान के मुखिया अयातुल्ला अली खामेनेई तो यहूदी बाहुल्य देश इजराइल को नस्तनाबूत करने में कोई कसर नहीं छोड रहे हैं। उन्होंने अपनी रणनीति के तहत यहूदी राष्ट्र को एक साथ आठ मोर्चों पर घेर लिया है ताकि उसके बचने की संभावनायें पूरी तरह समाप्त हो जायें। गाजा की ओर से हमास, लेबनान की ओर से हिजबुल्लाह, यमन की ओर से हूती, ईराक की ओर से मिलिशिया के अलावा सीरिया, तेल अवीव, हदेरा तथा बीशेर्बा की ओर से निरंतर हमले हो रहे हैं। रूस और चीन जैसे देश पर्दे के पीछे से आतंकियों को हथियारों के जखीरे भेज रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस भी छद्म वेश में आतंकियों के पक्ष में खडे दिख रहे हैं। उसने षडयंत्र करके शान्ति सेना में भारतीय सैनिकों को ब्लू लाइन पर तैनात कर दिया है ताकि इजराइली मिसाइलों से उनका वध हो सके। गुटेरेस की चाल समझकर इजाराइल ने अपनी युध्द शैली में अद्भुत परिवर्तन कर लिया। उसने साइबर हमले में एक बार फिर ईरान को धूल चटा दी। पहले उसने हिजबुल्लाह को पेजर ब्लास्ट, वाकी-टाकी ब्लास्ट, इलैक्ट्रानिक ब्लास्ट आदि से अपनी क्षमताओं की बानगी दी थी और अब उसने आतंकियों के संरक्षक बनकर उभरने की तैयारी में लगे ईरान की न्यायापालिका, विधायिका और कार्यकारी शाखाओं सहित परमाणु विंग तक की नेटवर्किंग पर अपने साइबर शस्त्र से प्रहार शुरू कर दिये हैं। बंदरगाह नेटवर्क, ईंधन वितरण नेटवर्क, परिवहन नेटवर्क, सिटी नेटवर्क सहित अधिकांश तंत्र विकलांग हो गये हैं। ईरान के सुप्रीम कार्उंसिल आफ साइपरस्पेस के पूर्व सचिव फिरोजाबादी ने इन साइबर हमलों की पुष्टि करते हुए कहा है कि हमारे परमाणु संयंत्रों को भी इजराइल ने साइबर हमलों से निशाना बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों ईरान ने इजराइल को बैलिस्टिक मिसाइल निशाना बनाया था। इसके बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने स्पष्ट किया था कि ईरान को अपने मिसाइल कार्यक्रमों तथा आतंकियों की मदद पर रोक लगाना चाहिए ताकि दुनिया में शान्ति कायम रह सके। मगर ईरान ने इजराइल को आठों ओर से घेरकर एक तरह से अमेरिका के सामने भी अप्रत्यक्ष चुनौती पेश कर दी है।

अब लहू-लुहान होता महाराष्ट्र

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावन की घोषणा से पहले ही महाराष्ट्र लहू--लुहान होने लगा है। मुंबई में एनसीपी (अजित पवार गट) के नेता बाबा सिद्दीकी की सरे आम गोली मरकर हत्या कर दी गयी, हालाँकि हत्यारों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया, लेकिन इस वारदात से पूरी मुंबई सदमे में है, क्योंकि दशहरे पर हुई इस वारदात को सूबे के लिए शुभलक्षण नहीं माना जा रहा। मैंने कल ही सियासत में ठण्ड रखने की बात कही थी, लेकिन मेरी बात नक्कारखाने में तूती की आवाज से ज्यादा हैसियत नहीं रखती। जनता तो मोदी और मल्लिकार्जुन की आवाजों को सुनकर हलकान है। मोदी कांग्रेस को अर्बन नक्सलियों द्वारा संचालित बता रहे हैं और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भाजपा को आतंकवादी पार्टी कह दिया है।। जनता किसकी बातो पर यकीन करे और किसकी बात पर नहीं? मोदी जी सरकार हैं और खड़गे साहब विपक्ष। या तो दोनों अपनी-अपनी लक्ष्मण रेखाएं लांघकर बोल रहे हैं या फिर दोनों की बातों में दम है। जो भी तो परेशान जनता है। हरियाणा और जम्मू-काश्मीर के बाद विधानसभा चुनावों के जरिये अपने आपको प्रमाणित करने का अगला मुकाम महाराष्ट्र ही है। महाराष्ट्र हर मामले में दूसरे सूबों से अलग है। इस सूबे में देश की आर्थिक राजधानी है, फिल्मी दुनिया है और ये शहर आतंकवाद के हमलों का भी शिकार रह चुका है। यहां नबंवर 2024 में विधानसभा चुनाव होने है। सत्तारूढ़ दल शिवसेना (एकनाथ शिंदे जुट] और भाजपा के गठबंधन सरकार की दशा इस समय बहुत अच्छी नहीं है, लेकिन ये गठबंधन दोबारा सत्ता में बनने रहने के लिए कुछ भी कर गुजरने के लिए कमर कसककर बैठा हुआ है। सत्तारूढ़ गठबंधन के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या राजनीतिक कारणों से की गयी या किसी और वजह से इसका पता फौरन नहीं लगाया जा सकता। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके से गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। हत्या का राज देर-सवेर खुलेगा ही, लेकिन समझा जाता है कि इसके पीछे कोई न कोई साजिश, कोई न कोई सियासत जरूर होगी, क्योंकि बाबा सिद्दीकी तीन बार के विधायक और मुंबईमें अल्पसंख्यकों के स्थापित नेता ही नहीं थे बल्कि फिल्मी दुनिया में टूटी कड़ियाँ जोड़ने वाले नायक भी थे। वे अनेक खानों कि दोस्त भी थे। सवाल ये है कि सियासत को अर्बन नक्सली और आतंकवादी क्यों बनाया जा रहा है? शुरूआत मोदी जी ने की कांग्रेस को अर्बन नकसली कहकर। जबाब में खड़गे साहब ने भाजपा को आतंकवादी कह दिया। ये कड़वाहट की इंतिहा है। यदि कांग्रेस सचमुच अर्बन नक्सली पार्टी है तो सरकार दस साल से हाथ पर हाथ रखकर बैठी क्यों है। सरकार को कांग्रेस को फौरन प्रतिबंधित कर देना चाहिए था। और यदि मोदी जी जल्दबाजी में कांग्रेस के बारे में गलत बात कह गए थे तो उन्हें समय रहते इसे दुरुस्त कर लेना चाहिए था। उन्होंने और उनकी पार्टी ने कांग्रेस को पहली बार अर्बन नक्सलीय नहीं कहा है। ऐसा पहले भी अनेकों बार देखा जा चुका है। लेकिन भाजपा को आतंकवादी पार्टी पहली बार कहा गया है। भाजपाके ऊपर अभी तक साम्प्रदायिक, हिंदूवादी, सनातनी, अल्पसंख्यक विरोधी पार्टी होने के आरोप तो लगे हैं किन्तु आतंकवादी होने का आरोप पहली बार लगा है। हालाँकि भाजपा की मातृ संस्था आरएसएस को कांग्रेस के तमाम नेता आतंकवादी संगठन अवश्य कह चुके हैं।। मुमकिन है कि दोनों दलों की और से एक -दूसरे पर लगाए जा रहे आरोपों में कोई दम भी हो और ये भी हो सकता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रेरणा को आगे बढ़ायेंगे नोएल टाटा

अब नोएल टाटा को टाटा समूह के धर्मार्थ कार्यो पर फोकस देना होगा। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक विकास, आपदा राहत और कला-संस्कृति जैसे क्षेत्रों में काम करना होगा। टाटा समूह समाज सेवा में एक दीर्घकालीन प्रतिबद्धता रखता है। वह कई दशकों से इन कार्यों में लगातार जुड़ा हुआ है और यह प्रतिबद्धता आगे भी जारी रहनी चाहिए। सारे देश को पता है कि टाटा समूह समाज सेवा के माध्यम से सतत विकास में विश्वास रखता है। इसके कार्य न सिर्फ वर्तमान पीढ़ी के लिए फायदेमंद हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उपयोगी साबित होंगे।

आर.के. सिन्हा

लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं

रतन टाटा के निधन के एक दिन बाद ही उनके सौतेले छोटे भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का नया चेयरपर्सन नियुक्त किया गया है। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से ही टाटा समूह परोपकारी कामों को करता है। पूरे देश की आशा है कि 76 वर्षीय नोएल टाटा अपने अग्रज के नक्शे कदमों पर चलते रहेंगे। वे नवल टाटा, जो रतन के पिता भी थे, और सिमोन टाटा के पुत्र हैं। वे टाटा ट्रस्ट सहित कई टाटा कंपनियों के बोर्ड में हैं। वह अब वे टाटा समूह के धर्मार्थ और लोक कल्याणकारी कार्यों का नेतृत्व करेंगे। वह टाटा इंटरनेशनल लिमिटेड, वोल्टास और टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन के चेयरमैन और टाटा स्टील और टाइटन कंपनी लिमिटेड के उपाध्यक्ष हैं। उनकी छवि रतन की तरह ही धीर-गंभीर है। वह कोई बहुत खबरों में रहना पसंद नहीं करते। वह एक कर्मयोगी की तरह काम में लगे रहना पसंद करते हैं। रतन टाटा भी तो सुर्खियों से दूर ही रहना पसंद करते थे और एक शमीर्ले अकेले व्यक्ति की सार्वजनिक छवि पेश करते थे। रतन की तरह नोएल को भी अपने पिता नवल टाटा से बिजनेस की बारीकियों को जानने का मौका मिला। नवल टाटा भारतीय हॉकी संघ के अध्यक्ष भी रहे। नवल टाटा ने अपने एक निकट संबंधी सुनी टाटा से शादी की, लेकिन जब रतन और उनके छोटे भाई, जिमी, अभी भी बहुत छोटे थे, तब वे अलग हो गए। नोएल की मां सिमोन हैं। वह रतन टाटा की अंत्येष्टि में मौजूद थीं। उन्होंने सौंदर्य प्रसाधन की कंपनी लैक्मे को स्थापित किया था। सिमोन टाटा मूल रूप से स्विट्जरलैंड से हैं। वह 1953 में जब भारत आईं तो यहां उनकी मुलाकात नवल एच. टाटा से हुई। उसके बाद दोनों शादी की। उन्होंने रतन टाटा और नोएल का पालन झपोषण किया। बहरहाल, नोएल टाटा के ऊपर एक बड़ी जिम्मेदारी है कि वह रतन टाटा की विरासत को आगे लेकर जाएं। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप को दुनिया के बड़े कोरपोरेट हाउस में तब्दील कर दिया था। रतन टाटा अपने ग्रुप के 1991 से 2012 तक अध्यक्ष रहे। इस दौरान टाटा ग्रुप के मुनाफे में 50 गुना वृद्धि हुई, जिसमें अधिकांश राजस्व विदेशों में जगुआर और लैंड रोवर वाहनों और टेटली चाय जैसे पहचाने जाने वाले टाटा उत्पादों की बिक्री से आया। रतन टाटा के नेतृत्व में उनके समूह का भारत में प्रभाव पहले से कहीं अधिक ही हुआ। दरअसल रतन टाटा उन मूल्यों को प्रतिबिंबित करते थे जिनमें व्यावसायिकता, उद्यमशीलता और सभी हितधारकों के हितों को आगे बढ़ाने को लेकर एक प्रतिबद्धता का मिला जुला भाव होता है। उनके नेतृत्व में, टाटा ग्रुप ने कई चुनौतियों का सामना किया और लाभदायक विकास पर अधिक ध्यान देने के साथ हर बार मजबूत बनकर उभरी। बेशक, वह भारत के कॉरपोरेट जगत के सबसे सफल और सम्मानित नाम रहे। रतन टाटा ने वक्त रहते ही टाटा ग्रुप में अपने संभावित उत्तराधिकारियों को तैयार कर शुरू दिया था। यह तो सबको पता है कि हरेक व्यक्ति के सक्रिय करियर की आखिरकार एक उम्र है। उसके बाद तो उसे अपने पद को छोड़ना ही है, खुशी-खुशी छोड़े या मजबूरी में छोड़ना पड़े कइसलिए बेहतर होगा कि किसी कंपनी का प्रमोटर, चेयरमेन या किसी संस्थान का जिम्मेदार पद पर आसीन शख्स अपना एक या एक से अधिक उत्तराधिकारी तैयार कर ले। बेहतर उत्तराधिकारी मिलने से किसी कंपनी या संस्थान की ग्रोथ प्रभावित नहीं होती। सत्ता का हस्तांतरण बिना किसी संकट या व्यवधान के हो जाता है। आप कंपनी को मेंटोर के रूप में शिखर या कहें कि चेयरमेन के पद से हटने के बाद भी सलाह तो दे ही सकते हैं। एक बात समझनी होगी कि किसी कंपनी या उद्योग समूह की सफलता का माप केवल उसके वित्तीय प्रदर्शन से नहीं होता है। कंपनी का चरित्र, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी उसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कंपनी के प्रबंधन को ग्राहकों, कर्मचारियों, या समाज के साथ ईमानदारी बरतनी चाहिए। रतन टाटा की सरपरस्ती में टाटा समूह ने निर्णय लेने की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया। रतन टाटा के लिए अपने ग्राहकों को संतुष्ट करना पहली प्राथमिकता रही। उनके चलते उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता और ग्राहक सेवा में उच्च मानक रखे गए। वह अपने ग्राहकों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध बनाने में यकीन करते थे। वह ग्राहकों को सुनते और उनकी जरूरतों को समझते थे। रतन टाटा ने अपने सामाजिक दायित्वों को हमेशा समझा। इसीलिए टाटा समूह हर साल बहुत बड़ी रकम खर्च करता है। टाटा समूह सिर्फ एक कॉर्पोरेशन नहीं है, बल्कि एक ऐसा संगठन है जिसके डीएनए में ह्रसमाज सेवाह्व है। जमशेदजी टाटा की दूरदृष्टि से स्थापित इस समूह ने शुरू से ही समाज सेवा को अपने कार्यों का अभिन्न अंग बनाया है। यह अपने धर्मार्थ कार्यो के माध्यम से भारत में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक प्रभाव डालता है, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जमशेदजी को यह प्रेरणा स्वामी विवेकानंद जी से ही प्राप्त हुई थी। शिकागो के सर्व धर्म सम्मेलन में जाने के पूर्व जब वे दक्षिण भारत का भ्रमण कर रहे थे तो उन्हें यह बात खली कि दक्षिण भारत में विज्ञान की उच्चतर शिक्षा प्रदान करने वाला कोई संस्थान नहीं है।तब उन्होंने विचार किया कि इस काम में टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा उपयुक्त व्यक्ति होंगें और उन्होंने शिकागो जाने के पूर्व उन्हें एक पत्र लिखा जो माई डियर जेआरडी के नाम से प्रसिद्ध है।

ई वी एम संदिग्धता : या इलाही ये माजरा क्या है?

उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया।

तनवीर जाफरी

लेखक

हरियाणा विधानसभा चुनाव के अप्रत्याशित परिणामों ने पूरे देश के न केवल सभी प्रमुख एजेंसीज द्वारा किये गए एक्जिट पोल्स को बुरी तरह झुठला दिया बल्कि बड़े बड़े राजनैतिक विश्लेषकों को भी हैरानी में डाल दिया। मजे की बात तो यह कि केवल कांग्रेस पार्टी ही हरियाणा में सत्ता में वापसी की उमीदों को लेकर गदगद नहीं थी बल्कि स्वयं भाजपा भी यह एहसास था कि किसान आंदोलन, अग्निवीर योजना व पहलवानों जैसे ज्वलंत मुद्दे उठने के बाद राज्य में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में इनके अलावा भाजपा को दस वर्ष की सत्ता विरोधी लहर का भी सामना करना पड़ सकता है। इसी संभावना के तहत भाजपा ने लगभग 35 प्रतिशत वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए थे। टिकट कटने वालों में कई मंत्री भी शामिल थे। इस कवायद के बावजूद 12 में से 9 मंत्री चुनाव में पराजित हो गये। हद तो यह है कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और डिप्टी स्पीकर रणबीर सिंह गंगवा की सीटों को भी बदल दिया गया था। इन सबके बावजूद नायब सैनी और अनिल विज जैसे नेताओं को भी मामूली मतों से ही जीत हासिल हुई। राज्य में 10 विधानसभा सीटें ऐसी हैं, जहां बीजेपी की जीत का अंतर 5 हजार से भी कम है। आठ अक्टूबर को जब सुबह मतगणना शुरू हुई उस समय एग्जिट पोल द्वारा घोषित पूर्वानुमानों के अनुरूप ही कांग्रेस की भारी जीत के रुझान सामने आने लगे। बताया गया कि बैलट पेपर की गिनती में कांग्रेस तेजी से आगे जा रही थी परन्तु जैसे ही ई वी एम के मतों की गिनती शुरू हुई आंकड़ों ने उसी तेजी से करवट लेना शुरू कर दिया। उसी समय पूरे देश के सोशल मीडिया पर यह संदेह जाहिर किया जाने लगा कि क्या भाजपा द्वारा फिर ह्यखेला ह्य कर दिया गया? और शाम होते होते भाजपा राज्य की कुल 90 विधानसभा सीटों में से 48 पर जीत दर्ज करने व जरूरी बहुमत हासिल करने की ओर बढ़ चली। जबकि एक्जिट पोल के अनुसार 50 से 65 सीटें जीतने की उम्मीद रखने वाली कांग्रेस को मात्र 37 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। इन चुनाव परिणामों ने निश्चित रूप से सभी को हैरान इसलिये भी कर दिया क्योंकि राज्य से भाजपा की हरियाणा में सत्ता से बिदाई की रिपोर्ट्स केवल मीडिया आधारित नहीं थी बल्कि स्वयं अनेक सरकारी एजेंसीज ने भी यही फीड बैक दिया था। इसीलिये भाजपा के पक्ष में आये इन अप्रत्याशित परिणामों को लेकर संदेह पैदा होना स्वभाविक भी था। और इसतरह निशाने पर एक बार फिर ई वी एम आ गयी। कांग्रेस ने सीधा आरोप लगाया कि हरियाणा चुनाव में कई जगह ई वी एम को हैक किया गया है। यह सवाल भी उठा कि अनेक ई वी एम इंडिकेटर में बैटरी की मात्रा 90 व 95 % तक दिखा रही थी जबकि मतदान के अंतिम समय में प्रायः ई वी एम की बैटरी चार्जिंग की मात्रा 60 से 70% के बीच या इससे भी कम ही हुआ करती है। कांग्रेस का आरोप है कि जहां जहां ई वी एम में बैटरी कम थी उनमें प्रायः कांग्रेस को बढ़त मिली है। इस आरोप का सीधा अर्थ है कि ई वी एम को बदल दिया गया। कांग्रेस द्वारा 20 सीटों पर इसतरह की गड़बड़ी होने की शिकायत दर्ज की गई है।

सवाल यह है कि जब राहुल गांधी ने 17 मार्च को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समापन के समय मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा था कि ह्यराजा की आत्मा ईवीएम में हैह्न, उस समय केवल राहुल गांधी ही नहीं बल्कि एम के स्टालिन व फारूक अब्दुल्ला जैसे अनेक बड़े नेताओं ने भी ईवीएम का मुद्दा उठाया था। और उस समय सभी का ई वी एम को लेकर एक ही स्वर था कि यदि उनकी सरकार आएगी तो वे ईवीएम को हटा देंगे। सवाल यह है कि आज जबकि हरियाणा के साथ साथ जम्मू कश्मीर विधान सभा के भी चुनाव परिणाम आये हैं। और जम्मू कश्मीर में फारूक अब्दुल्ला की नेशनल कॉफ्रेंस व कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिला जबकि हरियाणा में भाजपा को जीत मिली। ऐसे में यदि कांग्रेस के नेता हरियाणा में ई वी एम की कार्यप्रणाली में त्रुटियां निकाल रहे हैं तो फिर जम्मू कश्मीर विधानसभा परिणामों से सहमत क्यों? पिछले लोकसभा चुनावों में इण्डिया गठबंधन ने बेहतर प्रदर्शन किया। उत्तर प्रदेश व हरियाणा में भी अच्छा प्रदर्शन रहा। उस समय भी किसी ने ई वी एम पर इतना दोष नहीं मढ़ा। कर्नाटक में जीते तो भी ई वी एम ठीक थी?

और इन सबसे बड़ी बात यह कि जब विपक्षी दलों के नेता ई वी एम को ही गलत बताते हैं फिर आखिर अब तक पूरे विपक्ष ने मिलकर ई वी एम के विरुद्ध संयुक्त रूप से कोई बड़ा आंदोलन क्यों नहीं किया? यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट के कई वरिष्ठ वकीलों व सामाजिक कार्यकताओं द्वारा चलाये जा रहे ई वी एम विरोधी आंदोलन का भी किसी राजनैतिक दल ने खुलकर साथ नहीं दिया? यदि वास्तव में ई वी एम निष्पक्ष चुनाव प्रभावित करने की क्षमता रखती है तो निश्चित रूप से यह लोकतंत्र के लिये घातक है। सभी राजनैतिक दलों को राष्ट्रीय स्तर पर इसका विरोध करना चाहिये। यहाँ तक कि यदि सत्ता पक्ष के भी कई वरिष्ठ नेता, तकनीकी एक्सपर्ट और पूरा विपक्ष ई वी एम से चुनाव नहीं चाहता तो इसके द्वारा होने वाले चुनावों का बहिष्कार तक किया जाना चाहिये। क्योंकि सच तो यह है कि ई वी एम पर शुरूआती संदेह की ऊँगली तो भाजपा नेता लाल कृष्ण आडवाणी व सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा ही उठाई गयी थी। वैसे भी इसकी संदिग्धता को लेकर इसलिये भी सवाल उठते रहते हैं कि आखिर दुनिया के अनेक आधुनिक देशों ने इसका प्रचलन अपने देशों में क्यों बंद कर दिया? और आधुनिक होने के बावजूद ऐसे देशों में आज भी चुनाव बैलट पेपर द्वारा ही क्यों कराये जाते हैं? ई वी एम की संदिग्धता को लेकर स्थिति स्पष्ट, पारदर्शी व सर्वस्वीकार्य होनी चाहिये। बेईमानी पर आधारित लोकतंत्र वास्तविक लोकतंत्र का परिचायक नहीं हो सकता।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस जुमला साबित हो रहा..

चैतन्य भट्ट

पिछले दिनों लोकायुक्त ने रीवा की एक महिला पटवारी को ढाई हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा। अब आप कहेंगे इस खबर में अनोखा क्या है? जब तब छपती रहती हैं। अनोखा यह है कि यही मैडम लोकायुक्त द्वारा 2016 में भी 9 हजार की घूस लेते हुए रंगे हाथ पकड़ी गई थी। लोकायुक्त की सूचना पर राजस्व विभाग ने कार्यवाही के नाम पर उसे 45 किमी दूर तेंदुल ट्रांसफर कर दिया जहां वह घूस लेते पुनः पकड़ी गई। 2016 की घटना की जांच पूरी कर लोकायुक्त द्वारा 2022 में राजस्व विभाग से अभियोजन चलाने मांगी गई मंजूरी 2 साल से राजस्व विभाग में धूल खा ही रही थी कि मैडम ने नया कारनामा अंजाम दे दिया। स्पष्ट है, लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और अभियोजन स्वीकृति हेतु भेजने में विलंब और स्वीकृति मिलने में होने वाली सरकारी देरी सरकारी कारिंदों के मन से कार्यवाही का डर खत्म कर रही है। सरकारी कारिंदों द्वारा माल ऊपर तक पहुंचा कर उसके ऐवज में कार्यवाही के खिलाफ ताबीज हासिल किए जाने संबंधी आम धारणा भी मजबूत होती है। कुल मिलाकर भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टालरेंस की सरकारी नीति पर प्रश्न चिन्ह उठते हैं। भ्रष्टाचार मिटाने के लिए ही बनी लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाओं को पहले कार्यवाही के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं थी। यह व्यवस्था अचानक बदलकर कार्यवाही के लिए सरकारी मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। आलम यह है कि रंगे हाथों पकड़े गए प्रकरण भी मंजूरी की प्रतीक्षा में धूल खाते रहते हैं जिसका फायदा उठाकर बेखौफ भृष्टाचारी फिर अवैध वसूली में जुट जाते हैं। यह बेखौफी इतनी विकराल हो गई है हाल ही में राजस्व विभाग के तहसीलदार स्तर के कारिंदे के खिलाफ भ्रष्टाचार के प्रकरण में एफआईआर दर्ज होने पर अन्य कर्मचारियों द्वारा संगठित रूप से कार्यवाही रोकने का दबाव बनाने की कोशिश की गई। 2023 में जारी लोकायुक्त की सालाना रिपोर्ट बताती है कि भ्रष्टाचार के मामले बढ़ रहे हैं। 2021 में 252 भ्रष्टाचारी रिश्वत लेते पकड़े गए थे। 2022 में यह संख्या 12 फीसदी बढ़कर 279 हो गई। इस सर्वव्यापी बीमारी में पटवारी, क्लर्क, नायब तहसीलदार, रेंजर जैसे निचले स्तरों के साथ साथ डॉक्टर, डायरेक्टर, इंजीनियर, सीईओ, एसडीओ, जैसे अफसर स्तर तक के सरकारी कारिंदे शामिल हैं। आंकड़ो पर नजर डालें तो 2022 में ही इजाजत नहीं मिलने की वजह से नगरीय आवास और विकास विभाग, सामान्य प्रशासन विभाग और पंचायत एवं ग्रामीण राजस्व विभाग और स्वाथ्य विभाग के लगभग 130 से अधिक मामले लंबित थे। 15 केस तो 10 साल से लंबित थे। अनुमति संबंधी मामले पर हाईकोर्ट में भी विचार हो चुका है। लोकायुक्त ने एक लोक सेवक के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति जमा करने का आरोप लगाकर मामला अभियोजन स्वीकृति के लिए सरकार को भेजा। मंजूरी न मिलने पर लोकायुक्त ने यह कहकर कोर्ट का रुख किया कि आरोपी के खिलाफ पर्याप्त सबूत थे और मंजूरी न देकर सरकार ने गलती की है। सरकारी तर्क था कि लोकायुक्त मंजूरी के लिए परमादेश की मांग नहीं कर सकता। अदालत ने माना कि लोकायुक्त की भूमिका सरकार को रिपोर्ट भेजने के साथ समाप्त हो जाती है। सरकार का कर्तव्य है कि वह मूल्यांकन कर मंजूरी के बारे में निर्णय करे। स्वीकृति प्रदान करने का प्रश्न यह सुनिश्चित करने का इरादा है कि कोई तुच्छ मुकदमा नहीं चलाया जा रहा। स्वीकृति पूर्णतः सरकार के विवेक पर निर्भर है और उसके निर्णय को चुनौती नहीं दी जा सकती। इस व्याख्या के बावजूद रिश्वतखोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने पर भी अभियोजन मंजूरी न दिए जाने के निर्णय पर नैतिक सवाल तो उठते हैं। सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार जीरो टॉलरेंस के दावे करती रहती है। लोकायुक्त जांच प्रक्रिया और उसके बाद सरकारी अनुमति में होने वाली हीलाहवाली और विलंब इन दावों को पलीता लगाता है। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू जैसी संस्थाएं सरकार द्वारा भ्रष्टाचार उन्मूलन के लिए उठाए गए सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक हैं। कहने को ये संस्थाएं स्वतंत्र हैं, मगर इनकी कार्यवाही को लेकर कालांतर में उठाए गए सरकारी कदम इस स्वतंत्रता की पुष्टि नहीं करते। सरकारी महकमों में भ्रष्टाचार की निरंतर बढ़ती घटनाएं बताती हैं कि किसी जमाने में भृष्टाचारियों के मन में सिहरन पैदा कर देने वाली इन संस्थाओं का रुतबा खत्म हो गया है। वित्तीय और मानव संसाधनों के लिए पूर्णतः सरकार पर निर्भर यह संस्थाएं विलंब के लिए संसाधनों की कमी का रोना रोती हैं।

व्यवसायी के घर से 5 लाख नकद सहित 15 लाख के कीमती गहनों की हुई चोरी, एफआईआर दर्ज

भगवान बाजार थाना पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुटी

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा।भगवान बाजार थाना क्षेत्र के दौलतगंज मोहल्ले में एक व्यवसायी के घर से नकदी और कीमती सोने के गहने चोरी होने का मामला सामने आया है.चोरी की गहनों और नकदी की कुल कीमत लगभग 25 लाख रुपए से अधिक आंकी जा रही है.इस संबंध में व्यवसायी मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भगवान बाजार थाने में लिखित आवेदन देकर शिकायत करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है.दिए हुए आवेदन में मनोज श्रीवास्तव के अनुसार, उनका दो मंजिला मकान दौलतगंज मोहल्ले में स्थित है.9 अक्टूबर को जब वे अपने लाह बाजार स्थित दुकान पर थे, तब उनकी पत्नी और बड़ा बेटा शाम 4 बजे बाजार गए थे.घर पर उनकी बुजुर्ग मां और छोटा बेटा थे, जो छत पर खेलने चला गया था.10 अक्टूबर को जब उनकी पत्नी ने गांव जाने की तैयारी के दौरान दोपहर 1:30 बजे आलमारी का लाकर खोला, तो उन्होंने पाया कि 5 लाख रुपये नकद और सोने के कीमती आभूषण गायब थे.चोरी हुए गहनों में सोने का हार, चूड़ियां, अंगूठियां, मंगलसूत्र, कान के आभूषण और अन्य गहने शामिल थे, जिनकी अनुमानित कीमत लाखों रुपये है.इसके अलावा पर्स में रखे 25 हजार रुपये भी गायब हैं.आवेदन के अनुसार मनोज श्रीवास्तव का कहना है कि उन्हें शक है कि यह चोरी घर के किसी करीबी व्यक्ति द्वारा की गई है, क्योंकि बाहरी लोगों का उनके घर में आना-जाना नहीं होता है. भगवान बाजार थाने की पुलिस ने आवेदन के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है.यह मामला केस नंबर 528/24 के रूप में दर्ज किया गया है,चोरी के इस मामले की जांच भगवान बाजार थाने के पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है

विजयादशमी पर इसुआपुर में धू धू कर जला दशानन रावण

असत्य पर सत्य की विजयादशमी का दिया गया संदेश

रावण दहन की साक्षी बनी हजारों की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर । स्थानीय थाना क्षेत्र के इसुआपुर , निपानिया तथा मुड़वा बाजारों पर दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया।इसुआपुर बाजार के पास 52 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन स्थानीय विधयक जनक सिंह, वरीय नेता शैलेंद्र प्रताप सिंह, जिला परिषद की उपाध्यक्ष प्रियंका सिंह ,जिला पार्षद छविनाथ सिंह तथा धीरज सिंह ने संयुक्त रूप से किया। संचालन ढ़ोलन सिंह, अमरनाथ प्रसाद, राजेश सिंह कुशवाहा, दिलीप चौरसिया, महादेव साह व अन्य ने किया। वहीं निपनिया बजार पर पूर्व मुखिया सुरेश दास तथा रमेश सिंह कुशवाहा ने संयुक्त रूप से 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया। जबकि मुड़वा बाजार पर 45 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन महंत मनिंदर गिरी ने किया।

संचालन राजद के प्रखंड अध्यक्ष हाजी अमजद खान, बीडीसी प्रतिनिधि हरेराम राम व अन्य ने किया।इस मौके पर लोगों ने जमकर पटाखे फोड़े और आतिशबाजी की।

विधि व्यवस्था को लेकर सीओ करुण करण, मशरक पुलिस इंस्पेक्टर अशोक सिंह, थानाध्यक्ष कमल राम, अपर थानाध्यक्ष कुंदन कुमार भारी महिला व पुलिस बल के साथ सक्रिय दिखे।

मढ़ौरा में भी किया गया रावण दहन

प्रातः किरण संवाददाता

मढ़ौरा नगर । स्थानीय क्षेत्र के मढ़ौरा पुरानी बाजार, सलीमापुर, आवारी तथा करणपुरा बाजार पर दशानन रावण के पुतले का दहन किया गया। सलीमापुर में जिला परिषद सदस्य मीणा अरुण, अवारी में पूर्व मुखिया अरुण सिंह, मढ़ौरा पुरानी बाजार में एसडीएम प्रेरणा सिंह और करणपुरा बाजार में पैक्स अध्यक्ष दीपक राज मुख्य अतिथि रहें। सभी स्थलों पर बड़ी संख्या में भीड़ जुटी हुई थी। वहीं मढ़ौरा नगर क्षेत्र में पुरानी बाजार में रावण दहन के साथ ही मेघनाद का पूतला दहन किया गया। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। पुरानी बाजार में गणमान्य लोगों में डीएसपी रामनरेश पासवान, प्रशिक्षु आईपीएस राहुल कुमार, इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, मढ़ौरा नगर मुख्य पार्षद रूबी सिंह, पूर्व मुख्य पार्षद ललन राय, पूर्व मुख्य पार्षद प्रतिनिधि नागेंद्र राय, पूर्व मुख्य पार्षद अमर सिंह, जेडीयू के बलिराम सिंह समेत कई लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

बिजली के करंट से तालिमी मरकज की हुई मौत

प्रातः किरण संवाददाता

इसुआपुर। बिजली के करंट लगने से एक तालिमी मरकज शिक्षक की मौत शनिवार को हो गई। मृतक स्थानीय थाना क्षेत्र के गोहां गांव निवासी सलामत मियां का 40 वर्षीय पुत्र अब्बास आलम बताए जा रहे हैं। वे बिजली का मोटर चला कर अपने दरवाजे पर मोटरसाइकिल धो रहे थे कि बिजली की करेंट की चपेट में आ गए। जिससे घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गई। मृतक प्राथमिक विद्यालय गोहां उर्दू में तालिमी मरकज शिक्षक के रूप में कार्यरत थे। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ है। वहीं पत्नी राहत फातमी तथा 9 वर्षीय पुत्र शमशाद आलम का रो-रो के हाल बुरा है।

अज्ञात वाहन के ठोकर से एक व्यक्ति घायल

प्रातः किरण संवाददाता

परसा।परसा-मकेर मुख्य मार्ग पर थाना क्षेत्र के पोखरपुर पेट्रोल पंप के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से मिथलेश दास नामक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. घायल व्यक्ति को ग्रामीणों ने तत्काल मदद पहुंचाते हुए परसा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया.प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए पटना स्थित पीएमसीएच (पटना मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल) रेफर कर दिया. घायल बसगंडा गांव के निवासी स्वर्गीय रामचंद्र दास के पुत्र मिथलेश दास बताए जा रहे हैं.

नाटक का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

परसा ।दुगार्पूजा के शुभ अवसर पर परसा प्रखंड के बभनगावा पटेल चौक पर नवयुवक कला परिषद के युवाओं द्वारा राखी और सिंदूर, व घर की बबार्दी नामक नाटक का मंचन किया गया । मा दुर्गा वंदना से नाटक से शुरूआत की गई। मुखिया अनिता देवी,समाजवसेविका राजमति देवी संयुक्त रूप से फीता काटने के उपरांत दीप प्रज्जवलित कर किया ।इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि सत्येंद्र सिंह ने कहा कि नाटक समाज का आइना है। नाटक का मुख्य उद्देश्य समाज में छिपी कुरीतियों और इससे बचाव को लेकर नाटक की प्रस्तुति की गई है । वही निदेशक अनिल कुमार के नेतृत्व में कलाकारों में अभिनय कुमार,प्रशांत कुमार,चंदन सिंह,रौशन कुमार,अमित कुमार आदि ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम की बेहतर प्रस्तुति दी जिससे श्रोताओं को खूब रिझाया ।

सर्प दंश से एक वर्षीय बालिका की हुई मौत परिजनों में कोहराम

प्रातः किरण संवाददाता

अमनौर । स्थानीय थाना क्षेत्र के धर्मपुरजाफर पंचायत स्थित गोसी अमनौर मिया टोली गांव में सर्प दंश से एक वर्षीय एक बालिका की मौत हो गई।घटना शनिवार की दोपहर का है।मृतक बालिका समीम आलम उर्फ टिकोढी की एक वर्षीय बच्ची सिफा परवीन बताई जाती है।बच्ची की मौत से इनकी समीना बेगम दादा भगत मिया का रो रो कर बुरा हाल है।बच्ची दो पहर में खिड़की के पास खेल रही थी ।अचानक सर्प हाथो में डस लिया।जिससे बच्ची के हाथों में खून रिसाव होने लगा।परिजन घर के अन्य कार्य मे लगे थे।बच्ची के रोने की आवाज सुन दौरे,खून का धब्बा हाथो में देख समझ गए।आनन फानन में अस्पताल ले जाने लगे कि बच्ची रास्ते मे दम तोड़ दी।इनके मृत्यु से टोला में मातम छाया हुआ है।

राजेंद्र स्टेडियम में रावण का हुआ दहन, लेजर शो ने दर्शकों का जीता दिल

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। विजयादशमी समारोह समिति के द्वारा छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में रावण दहन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाप्रशासन के द्वारा विधि एवं ट्रैफिक व्यवस्था शानदार होने की वजह से सफलतापूर्वक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हजारों की संख्या में लोगों ने परिवार के साथ स्टेडियम पहुंचकर रावण दहन का कार्यक्रम लुफ्त लिया। महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल ने गुब्बारा उड़ाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। महावीर स्थान कटहरी बाग से शोभायात्रा निकाली गई जो राजेंद्र स्टेडियम पहुंची।

अध्यक्ष सलीम परवेज ने कहा कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला प्रशासन के सहयोग से विजयदशमी समारोह समिति के द्वारा रावण वध का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। भारी संख्या में दर्शन राजेंद्र स्टेडियम में पहुंचकर बेहतरीन आतिशबाजी देखी।

कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा ने कहा कि बिहार में पहली बार छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में लेजर शो का आयोजन किया गया। लेजर शो के जरिए राजेंद्र स्टेडियम में हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शकों ने रामायण की झलकियां दिखा। दर्शकों के लिए इस वर्ष कई बेहतरीन पटाखे दिखाए गए। नए स्वरूप में रावण वध कार्यक्रम दर्शकों के बीच किया गया। लोगों ने फ्लैशलाइट जलाकर बताया कि उनका कार्यक्रम कितना बेहतरीन लगा।

कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन ने कहा कि शोभा यात्रा से लेकर रावण वध तक लोगों ने कार्यक्रम का जबरदस्त लुफ्त लिया। स्टेडियम में मौजूद सभी राम भक्तों ने लगातार भजन का श्रवण भी किया। महिला एवं पुरुषों के लिए बैठने की उत्तम व्यवस्था की गई थी। दर्शकों को किसी तरह की परेशानी ना हो इसको लेकर समिति और जिला प्रशासन के द्वारा विशेष नजर रखी गई थी। समिति के द्वारा जिला प्रशासन को विशेष आभार किया गया जिनके द्वारा प्रत्येक वर्ष यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न होता है।इस अवसर पर अध्यक्ष सलीम परवेज, पूर्व उपाध्यक्ष विधान परिषद्, पटना, बिहार, कार्यकारी अध्यक्ष वरुण प्रकाश राजा, कार्यकारी महामंत्री राजेश फैशन, महामंत्री विभूति नारायण शर्मा, सचिव ददन गिरि (राजू नयन शर्मा), उपाध्यक्ष मदन मोहन सिंह, सत्यप्रकाश यादव, संजय भारद्वाज , प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, सयैद जफर अब्बास रिजवी, संजय कुमार सिंह, प्रकाश वर्मा, मनोज कुमार वर्मा संकल्प आदि थे।

मढ़ौरा में अष्टमी तिथि को आयोजित हुई दीप रंगोली प्रतियोगिता

प्रातः किरण संवाददाता

ढँङ्ग३ङ्ग एसडीएम के साथ प्रतिभागी

मढौरा नगर।स्टेशन रोड खादी भंडार के पास स्थित नवयुवक पूजा पंडाल समिति ने अष्टमी को दीप ज्योति आराधना सह प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 34 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और रंगोली के साथ दीप ज्योति से माता की अराधना करते हुए मनोरम कलाकृति बनाई। प्रतिभागियों की बनाई रंगोली और दीप ज्योति आराधना अष्ठमी पूजा का विशेष आकर्षण रहा।

मेला घुमने पहुंचे सैकड़ो लोगों की भीड़ विशेष तरह की आराधना का आनंद लेते दिखे। पुजा समिति अध्यक्ष ब्रज किशोर सिंह की अध्यक्षता में प्रतियोगिता उपरांत समिति के तरफ से सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया। एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह, डीएसपी नरेश पासवान, नपं चेयरमैन रूबी सिंह, जिप सदस्य मीना अरूण बतौर अतिथि शामिल हुए। सभी प्रतिभागियों में सर्वक्षेष्ठ पांच प्रतिभागियों का चयनित किया गया।

एसडीएम डा. प्रेरणा सिंह ने प्रतिभागियों में शामिल लड़कियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि लड़किया देवी स्वरुप है उन्हे मेनहत और ईमानदारी से अपने काम को करने की सलाह दी। कहा कि लड़कियों की हाथों की कला इन्हें अन्य से अलग पहचान दिला रही है।

चयनित पांच प्रतिभागियों में सलोनी कुमारी, पूजा शर्मा, शालिनी कुमारी, रौशनी कुमारी सहित अन्य का नाम शामिल था ।कार्यक्रम को संपन्न करने में ब्रज किशोर सिंह, मुरारी प्रसाद, मुकेश सिंह, मनोज सिंह, धर्मवीर सिंह, मंटू सिंह, उधारु साह सहित अन्य ने सक्रिय सहयोग दिया।

दुर्गा मंदिर के 75 वें वर्षगांठ पर शतचंडी यज्ञ का हुआ आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

तरैया । प्रखंड के भटगाई गांव स्थित दुर्गा मंदिर के 75 वे वर्षगांठ के अवसर पर भव्य श्री शतचंडी यज्ञ का आयोजन श्री नारद बाबा के सानिध्य में किया जा रहा है। जिसका उद्घाटन जिला पार्षद हरिशंकर सिंह,मुखिया ओम प्रकाश कुमार व विनोद कुमार सिंह एवं गुड्डू सिंह,कृष्णा सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया।यज्ञ का आयोजन 12 से 17 अक्तूबर तक होगा। यज्ञ के शुभारंभ को लेकर गाजे बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु भक्त पीले परिधान में गाजे बाजे के साथ देवी देवताओं के जयकारा लगाते हुए शामिल हुए। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से निकल कर गंडकी नदी के तट पर पहुंची जहां नरेंद्र मिश्रा के वैदिक मंत्रोचारण के साथ जलभरी की गई।जलभरी कर कलश यात्रा यज्ञ स्थल पहुंची।उसके बाद श्री शतचंडी यज्ञ प्रारंभ हुआ।मुख्य यजमान पूर्व मुखिया अरुण कुमार सिंह के साथ सुनील सिंह, सुबोध सिंह,अनिल सिंह, अवधेश सिंह,राजदेव सिंह,मनु श्रीवास्तव सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे।

माँ गढ़ देवी फिजिकल एकेडमी क्लब का हुआ गठन

विधायक व सरपंच संघ के अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से किया उद्घघाटन

प्रातः किरण संवाददाता

अमनौर।प्रखंड के डेरनी सुतिहार क्रीड़ा मैदान में माँ गढ़ देवी फिजिकल अकादमी क्लब का गठन हुआ।जहाँ बेरोजगार युवाओ को एथलेटिक्स पुलिस आर्मी एसएसआई आरपीएफ एसएससी की तैयारी कराई जाएगी।जिसका उद्घघाटन बीते शनिवार को मुख्यातिथि परसा बिधायक छोटेलाल राय सरपंच संघ अध्यक्ष प्रतिनिधि धीरज कुमार सिंह ने फीता काटकर बिधिवत किया।इस पश्चात अतिथियों ने रत्न टाटा को याद कर मौन रख श्रधांजलि अर्पित किया।युवाओ ने अतिथियों के समक्ष मैराथन दौड़ कर इसकी शुरूआत किया।बिधायक छोटेलाल राय ने कहा युवा देश के भविष्य है।इनके लिए यह क्लब भविष्य का द्वार खोलेगा।युवा नेता धीरज कुमार सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह का क्लब खोला जाना युवाओ के लिए हितकर है।युवाओ में कार्यक्षमता की कमी नही उन्हें उचित प्रशिक्षण व मार्गदर्शन की जरूरत है।युवा इस संस्था से प्रशिक्षण पाकर हर क्षेत्र में रोजगर प्राप्त कर सकते है।युवाओ को सरकार व किसी अन्य के भरोसे नही रहना चाहिए खुद के नए बिकल्प ढूढना चाहिए जिससे स्वयम को स्वालम्बी हो सके।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रिंस सिंह ने किया।क्लब के सदस्यों ने अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया।इस मौके पर मनन सिंह चन्द्रशेखर सिंह कुंदन सिंह पंकज यादव भरत सिंह उप सरपंच अतुल कुमार सिंह समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

सारण जिला एथलेटिक्स संघ की बैठक में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

एक दर्जन लोगों को संघ विरोधी गतिविधि के आरोप में किया गया निष्कासित

किरण संवाददाता

छपरा (सारण डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स एसोसिएशन की बैठक रविवार को कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह के दहियावां टोला आवास पर आयोजित की गयी.

बैठक में कुछ लोगों द्वारा समानांतर संघ की घोषणा को असंवैधानिक करार दिया गया. कहा गया कि इसके लिए न तो एजीएम कराया गया और ना ही एएफआई और बीएएस की नियमावली का पालन किया गया. एएफआई या बीएएस का कोई निवार्ची पदाधिकारी या पर्यवेक्षक भी उपस्थित नहीं था.

जिला संघ के अध्यक्ष राज्य संघ के भी अध्यक्ष हैं. बाइलॉज के अनुसार उनके राज्य में रहते हुए जिला में कोई अन्य अध्यक्ष हो ही नहीं सकता. समानांतर संघ की घोषणा को संगठन विरोधी कृत्य करार दिया गया. सर्वसम्मति से ऐसे दर्जन भर लोगों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्णय लिया गया.

उन्हें तत्काल प्रभाव से संघ की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित किया गया. जिसमें डॉ सुरेश प्रसाद सिंह, सभापति बैठा, पूर्व कोषाध्यक्ष निर्मल ठाकुर, पूर्व सचिव संजय कुमार सिंह(मशरक), कृष्णमोहन सिंह, मेराज खान, मुकेश यादव सोनू, हरेंद्र दास, सुजीत कुमार, एनआईए कोच संजय कुमार सिंह(कोपा) और रमेश कुमार सिंह(इनई) शामिल हैं. इसके साथ ही नदीम अहमद को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया.

कार्यकारी अध्यक्ष श्री सिंह और सचिव निलाभ गुंजन राका को प्रखंड इकाइयों को सक्रिय करने की जिम्मेवारी सौंपी गयी.

उनके सहयोग के लिए किशोर कुनाल, संजय सिंह, चंदन सिंह, बृजकिशोर सिंह, मृत्युंजय सिंह, कमलजीत कुमार, नवीन पूरी, दिनेश सिंह, सुरज कुमार, चंद्रकेत कुमार, संतोष कुमार सिंह, अमर सिंह, कुमार कौशलेन्द्र, विपिन कुमार गुप्ता, मुन्ना जी, विनय पंडित को सहयोग हेतु नामित किया गया.

वहीं आगामी एजीएम के पूर्व सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया. आगामी नेशनल प्रतियोगिता के लिए सचिव गजेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में सेलेक्शन कमिटी गठित की गयी जिसमें मुकेश कुमार(बनियापुर), वीना कुमारी और अमित सौरभ समेत सात सदस्य मनोनीत किए गए.

श्यामदेव सिंह की अध्यक्षता में तकनीकी कमेटी बनायी गयी जिसमें राजकिशोर तिवारी, एमआईएस कोच तरुण कुमार समेत छह सदस्य नामित किये गये. इसके साथ ही आंतरिक आचार संहिता और एज वेरिफिकेशन समिति का गठन भी किया गया. बैठक की अध्यक्षता संघ के प्रदेश व जिलाध्यक्ष पूर्व उपसभापति सलीम परवेज ने और अतिथियों का स्वागत व धन्यावाद ज्ञापन कार्यकारी अध्यक्ष अजय सिंह ने किया.

लोकनायक जय प्रकाश नारायण की जयंती समारोह संपन्न

विमर्श केंद्र के रूप में विकसित होगा जेपी अध्ययन केंद्रः कुलपति

प्रातः किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। लोकनायक जयप्रकाश नारायण की 122वीं जयन्ती शुक्रवार को जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के सीनेट सभागार में कुलपति प्रो. परमेंद्र कुमार बाजपेयी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति ने जेपी के प्रति अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जेपी के सपनों का भारत अभी तक नहीं बन सका है। उन्होंने कहा कि जे पी के 1975 से 1977 के काल को केवल सत्ता परिवर्तन के लिए आज भी याद किया जाता है जबकि इसके इतिहास को गहराई से देखने की आवश्यकता है उन्होंने कहा कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय का जेपी अनुसंधान केन्द्र एक अंतरराष्ट्रीय स्तर के विमर्श केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ न सिर्फ देश के, बल्कि दुनिया भर के शोधार्थी जे पी के विचारों पर शोध, अध्ययन एवं चिंतन के लिए आएंगे। इसकी जिम्मेवारी भी लेनी चाहिए। इस अवसर पर बिहार विधान परिषद के सदस्य प्रो. वीरेन्द्र नारायण यादव ने जे पी को पीड़ित मानवता का मुक्तिदाता बताते हुए कहा कि उनके विचारों में समाज को राजनीतिक, आर्थिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक परिवर्तन की रूपरेखा देखी जा सकती है, इसे प्राप्त करने के लिए हम सब को एकजुट प्रयास करना चाहिए।उन्होंने कहा कि जे पी विलासिता के खिलाफ थे।यह भी कहा कि जेपी अध्ययन केंद्र को विकसित करने की जरूरत है।

वि वि के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रखर वक्ता डॉ. लाल बाबू यादव ने जे पी को गाँधी का सच्चा अनुयायी बताते हुए युवा पीढ़ी से आह्वान किया कि वे जेपी के सपनों का भारत बनाने के लिए संकल्पित हों।उन्होंने जे पी की पूरी जीवनी को सविस्तार रखा तथा कहा कि जे पी त्याग के प्रतिमूर्ति थे। इनका आंदोलन काफी प्रगाढ़ है जिसे अध्ययन करने को आवश्यकता है। आयोजन के मुख्य अतिथि और पटना विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. आर पी एस ह्यराहीह्ल ने जेपी से जुड़े कई संस्मरणों को साझा किया। उन्होंने जेपी को एक महामानव बताया तथा उनके विचार दर्शन को जीवन में अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज जे पी रहते तो क्या होता।जे पी एक ऐसे वीर थे जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व विभागध्यक्ष डॉ. आर. एन. शर्मा ने कहा कि जे पी का जीवन क्रांतिधर्मिता पर आधारित है । विश्वविद्यालय के ।दर्शन शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रामनाथ प्रसाद का कहना था कि जेपी के विचार एवं दर्शन को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जे पी में मानवता की चिंता व्याप्त थी।उन्होंने गांधी एवं जे पी के विचारधारा को तुलनात्मक ढंग से रखा।इतिहासकार प्रो. अभय कुमार ने जे पी आंदोलन से जुड़े कुछ तथ्यों को रखते ।प्रारंभ में जेपी अध्ययन केंद्र के निदेशक प्रो. संजय कुमार पाठक ने आगत अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला, जबकि रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रविन्द्र सिंह ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. विभु कुमार, प्राचार्य प्रो. के. पी. श्रीवास्तव, डॉ उदय शंकर ओझा,प्रो. सुशील श्रीवास्तव, प्रो. दिव्यांशु कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशोक कुमार मिश्रा, डॉ. दिनेश पाल डॉ. उदय अरविंद आदि थे।

परसा में संचालित शिव ज्योति आई हॉस्पिटल के नए भवन का किया गया भूमिपूजन

प्रातः किरण संवाददाता

परसाः परसा में संचालित शिव ज्योति आई हॉस्पिटल के नए भवन निर्माण कार्य के लिए भूमिपूजन किया गया । आचार्य नागमणि पांडे ने वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच चिकित्सक डा. अजीत कुमार यादव से भूमिपूजन कराई ।इस अवसर पर ट्रस्टी प्रो शिव कुमार प्रसाद राय ने कहा कि पोखरपुर में शिव ज्योति अस्पताल का नया भवन पांच सौ बेड का होगा । और यह अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा । वही डा.अजीत कुमार यादव ने कहा कि परसा में इस आई अस्पताल के खुलने से अब क्षेत्र के लोगो को शहरों जैसी चिकित्सीय सुविधा मुहैया कराई जाएगी । जिससे लोगो को समय और पैसे की बचत होगी । इस मौके पर चंद्रदेव सिंह , डा . भूषण यादव,शिक्षक रामायण राय,अधिवक्ता शंकर राय, प्रो विमल प्रसाद,शिक्षक अशोक कुमार,शैलेंद्र राय,कुमार अशोक, डा जलंधर राय,मनीष यादव, सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद थे ।

पूर्व विधायक ने किया पुस्तकालय का उद्घाटन

प्रातः किरण संवाददाता

लहलादपुर, प्रातः किरण। पूर्व विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह ने जनता बाजार स्थित स्वर्गीय रामजन्म प्रसाद के मार्केट में एक पुस्तकालय का उद्घाटन फीता काटकर किया ' उन्होंने कहा कि शिक्षा से सम्बन्धित कार्यों से काफी संतुष्टि मिलती है ' पुस्तकालय से क्षेत्र के छात्र-छात्राएं लाभान्वित होंगे ' उद्घाटन के समय मुखिया पंकज तिवारी, जीतेन्द्र सोनी, राजबल सिंह कुशवाहा, पप्पु खां, दिनेश प्रसाद, राजेश पांडेय, उमाशंकर चौधरी आदि उपस्थित थे ।

महावीरी अखाड़े जुलूस में आए हाथी ने ली एक की जान

प्रातः किरण संवाददाता

एकमा । विजयदशमी को लेकर निकली गई माहवारी जुलूस में आई सनकी हाथी ने एक को मौत का घाट उतार दिया वही दो चारपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया जबकि हाथी पर सवार दो बच्ची की बाल बाल जान बच गई।

बताते चलें कि शनिवार के दिन विजयदशमी को लेकर एकमा थाने के भूईली व आमडाढी गांव से निकली महावीरी आखाड़े जुलूस में आई हाथी घोड़ा बैंड बाजा के दौरान भूईली गांव के जुलूस में आई एक हाथी जब एकमा थाने से आगे बढ़ने लगा तब पेट्रोल पंप के समीप भूईली गांव के ही मुकेश भारती ने अपने दो पुत्री को हाथी पर बिठा दिया। बैठाते ही हाथी अचानक क्रोधित होकर उत्पात मचाने लगी और मुख्य सड़क पर खड़ी एक बस व कार को बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया वही जब मांझी बरौली पथ की ओर आगे हाथी बढ़ा तब शिक्षक राजकिशोर सिंह के पुत्र टुन्ना सिंह की एक कार को भी मामूली

से क्षति ग्रस्त किया । महावत ने हाथी पर बैठकर बरछी से हाथी को मारते हुए हाथी को हरपुर नहर की ओर ले गया जहां हाऊ पुर्नह भूईली गांव की ओर मुड़ गया। थाना अध्यक्ष उदय कुमार ,बीडीओ सहित पुलिस बल के साथ मेले में आए लोगों को हटाने के लिए खदेड़ने का प्रयास कर भगाने का प्रयास करने लगे तब तक थाना अध्यक्ष उदय कुमार गिर कर घायल हो गए। वहीं हांथी पर सवार दोनो बच्चियों के पिता अपनी बच्चियों की जान बचाने के लिए महावत व प्रशासन से गुहार लगाने लगा लेकिन किसी का बस नहीं चला ।हाथी भूईली गांव के राम जानकी पोखर के समीप पहुंचा जहां स्वर्गीय विंध्याचल यादव के 62 वर्षीय पुत्र तारकेश्वर यादव उर्फ माटा वन यादव अपने एक भैंस व गाय को चरा रहे थे जहां हाथी पहुंचा और अपने सुढ में उसे लपेटकर जमीन पर पटक दिया और आगे बढ़ते चला गया । जहां लोगों ने घायल व्यक्ति को इलाज हेतु एकमा के सामुदायिक स्वास्थ्य का केंद्र पर लाया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया वहीं महावत ने दोनो बच्चियों को लेकर हाथी को काबू में करने के लिए लगातार प्रयास करता रहा लेकिन जब एकमा के भुवर पुर गांव के चिमनी के पास रात्रि के 8:30 बजे पहुंचा तब हाथी वहां पर जाकर शांत हुआ उसके पश्चात दोनों बच्चियां अपने घर सुरक्षित लौटी ।दोनो बच्चियों के पिता मुकेश भारती ने बताया कि हम अपने परिवार के साथ छत्तीसगढ़ जिला के कोरमा बालकोनगर में नगर में रह कर यूट्यूब चैनल का पत्रकार का काम करते हैं । मेरी बड़ी बेटी 10 वर्षीय प्रियांशु भारती तथा दूसरी 6 वर्षीय अंशिका भारती जो पढ़ाई के साथ साथ कराटे करतीं थीं। जहां वर्ष 2022 में छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव उर्फ बाबा के द्वारा कराटे में राज्य स्तरीय अव्वल आने पर मेडल देकर सम्मानित किया था। अगर वह दोनों बच्चियां कराटे नहीं जानती तो वह दोनों की जान चली जाती। वही मृतक का शव पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया। मृतक को छह पुत्री तथा एक 17 साल का लड़का है।अपने परिवार का कमाऊ पुत्र था। यह घटना विजयादशमी के दिन एकमा सहित जिला एवं आसपास के क्षेत्रों में चर्चित रहा ।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

रामलीला के दसवें दिन मेघनाथ , अहिरावण और रावण वध का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

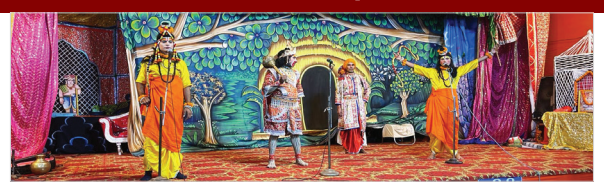

आरा । (भोजपुर)- रामलीला के आज दसवें दिन सर्वप्रथम मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. उसके पश्चात प्रभु श्री राम की आरती कर लीला का मंचन प्रारंभ हुआ. प्रथम दृश्य में सर्वप्रथम मेघनाथ का वध दिखाया गया. द्वितीय दृश्य में अहिरावण का वध दिखाया गया. तृतीय युद्ध में भगवान श्री राम के द्वारा रावण का वध दिखाया गया. जिसमें विभीषण के द्वारा बताए जाने पर की रावण का प्राण उसके नाभि में है प्रभु राम के द्वारा नाभि में बान मारा जाता है. जिससे रावण की मृत्यु होती है मृत्यु के पूर्व लक्ष्मण जी द्वारा रावण से तीन ज्ञान प्राप्त होता है. अच्छे काम में कभी विलंब नहीं करना चाहिए. अशुभ कार्य को मोह वस अगर करना पड़े तो जितना हो सके उसे टालने का प्रयास करें . अपने शक्ति और पराक्रम में इतना घमंड नहीं होना चाहिए जिससे सामने वाला शत्रु आपको कमजोर नजर आए. रावण वध के बाद आए हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी तन्य सुल्तानिया एसपी श्री राज ए एसपी परिचय कुमार एसडीओ रश्मि सि नहा के साथ संस्था के अध्यक्ष सोनू राय द्वारा बान मारकर रावण के पुतले को दहन किया गया . जिलाधिकारी तन्य सुल्तानिया और एसपी राज ने शहर वासियों को विजयदशमी की बधाई दी. अध्यक्ष सोनू राय द्वारा शहर ने लोगों को बधाई दिया और आभार भी व्यक्त किया कि उन्होंने रामलीला को सफल बनाने के लिए जो योगदान दिया है वह अकल्पनीय है. सचिव शंभूनाथ प्रसाद कार्यक्रम के भजन होने से उत्साहित हुए और भजन पर नित्य करने लगे समिति के अन्य सदस्य भी अपने आप को रोक नहीं पाए और करीब 1 घंटे तक खूब सब ने मिलकर नृत्य किया .उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने अध्यक्ष सोनू राय और संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद दिया. रोटी बैंक के सदस्य इस रामलीला में अपने योगदान के लिए जान जाएंगे .सदस्यों में सत्येंद्र राम .अजय गुप्ता. सत्यनारायण ब्याहुत, जितेंद्र जी, निकेश पांडे, राजेश कुमार,

मनोज गुप्ता, सुरेश प्रसाद, गोपाल प्रसाद, राजू कुमार और अन्य थे . मुख्य सदस्यों में संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, रामकिंकर दास, उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ,मदन प्रसाद ,शंभू नाथ केसरी, विजय भारती, शत्रुघ्न प्रसाद, मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया प्रसाद वितरण का कार्य बुटाई जी ने किया . शत्रुघ्न प्रसाद समाजसेवी ने कहा की राम जी ने मौका दिया तो मैं इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर अपना सहयोग करूंगा .समिति के प्रवक्ता पंकज प्रभाकर ने सभी को विजयादशमी की बधाई दी

नम आँखों से मां दुर्गा की प्रतिमा को दी गयी विदाई

प्रातः किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास) दस दिनों तक भक्ति व श्रद्धा से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना के बाद भक्तों ने मां दुर्गा को फिर जल्दी आने का संदेश देते हुए नम आंखों से विदाई दी। रविवार के दिन प्रखंड क्षेत्र में जगह-जगह स्थापित मां दुर्गा की प्रतिमाओ को विसर्जन किया। दस दिनों तक मां की पूजा-अर्चना के बाद पूजा पंडालों से जब माता रानी की प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए उठाया गया तो, सभी भक्तों की आखों में आंसू आ गए। विसर्जन से पहले पूजा पंडालों व दुर्गा मंडपों में महिलाओं ने माता की प्रतिमा को कोइछा भरते हुए सिंदूर खेला के रस्मों को पूरा किया। वृद्ध महिलाओं से लेकर नवविवाहिताओं ने मौके पर एक दूसरे को सिंदूर लगाकर विजयदशमी की शुभकामनाएं दी। दस दिनों तक हर्षोल्लास और विधवत पूजा-अर्चना के बाद विभिन्न जलाशयों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को विर्सजित कर दी गयी। विसर्जन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। दुर्गा पूजा के तमाम सदस्यों सहित अध्यक्षों ने दस दिवसीय दुर्गा पूजनोत्सव के दौरान प्रखंड क्षेत्र में शांति ब्यवस्था बनाए रखने के लिए अधिकारियों को बधाई दी है।

रामलीला नौवे दिन रामेश्वर स्थापना रावण अंगद संवाद लक्ष्मण शक्ति और कुंभकरण वध का हुआ मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । (भोजपुर) 400 वर्ष पुरानी नगर रामलीला समिति के तत्वाधान में रामलीला के नौवे दिन प्रथम दृश्य मे समुद्र पार कर लंका जाने के पूर्व समुद्र तट पर रामेश्वर की स्थापना को दिखाया गया. द्वितीय दृश्य में रावण और अंगद संवाद दिखाया गया इस दौरान दर्शकों ने जय श्री राम की खूब नारे लगाए. तृतीय दृश्य में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर दर्शक भाव विभोर होते हुए नजर आए . चौथे दृश्य में

कुंभकरण वध दिखाया गया .इससे पहले परंपरा का निर्वहन करते हुए मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर और समिति के सदस्यों द्वारा आरती करके लीला का प्रारंभ किया गया अध्यक्ष सोनू राय ने आए हुए अतिथियों और दर्शकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रभु श्री राम के नाम मात्र से ही पत्थर समुद्र में नही डूबी तो राम का नाम लेने से मनुष्य की जीवन की नैया कैसे डूबेगी इसलिए राम मैं अपनी आस्था बनाए रखें प्रभु श्री राम सबका भला करेंगे. संरक्षक मंडल के हकीम प्रसाद ने कहा कल विजयादशमी के दिन रावण के पुतला का दहन होगा आप सभी शहर वासियों का इसमें आमंत्रण है अधिक से अधिक संख्या में आक र बुराई पर अच्छाई की जीत का दृश्य देखे. उपाध्यक्ष संजीव गुप्ता ने कहा कि रावण दहन की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी है जिसके लिए हमने प्रशासनिक अधिकारियों से भी बात कर ली है और कल प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहेंगे और व्यवस्था पूरी तरीके से दुरुस्त होगी .सचिव शंभू नाथ प्रसाद ने कहा कि समिति के सभी सदस्यों एवं सामाजिक कार्यकताओं का प्रयास सराहनीय है. इस वर्ष की रामलीला को सफल बनाने के लिए उन्होंने अपनी समिति के सदस्यों के अलावा नगर वासियों का बहुत-बहुत धन्यवाद दिया, मुख्य अतिथियों में डॉ विकास सिंह सर्जन डॉ अमित जायसवाल, डॉ मनीष कुमार प्लास्टिक सर्जन ,सरोज सिंह , अंजनी तिवारी ,मुन्ना सिंह, चंद्रभानु गुप्ता, रोटी बैंक के सदस्य के अलावा समिति के सदस्य मौजूद थे, विजय भारती ,गौतम उर्फ.राजा, शत्रुघ्न प्रसाद, मदन प्रसाद शंभू नाथ केसरी संरक्षक मंडल में हकीम प्रसाद, रामेश्वर प्रसाद, मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया संस्था की सारी क्रियाकलापों की जानकारी पंकज प्रभाकर ने दी

पूजा पंडाल पर किया गया शस्त्र पूजन

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। विजय दशमी को संध्या आरती और श्री राम चौक पर नवरंग कला मंदिर दुर्गा पूजा सीमित के पूजा पंडाल पर शस्त्र पूजन किया जिसमे तलवार,फरसा,लाठी,और अन्य शस्त्र के साथ पूजन कर भगवती मां शक्ति को स्मरण किया ।

इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ,भोजपुर के ज़िला अध्यक्ष राजीव रंजन सह मंत्री अभिषेक चौरसिया बजरंग दल जिला प्रमुख अमित पांडे, गोलू पांडे , जतिन और सैकड़ो संख्या में बजरंग दल एवं विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता मौजूद रहे हैं कि इस तरह का कार्यक्रम करने के लिए ज़िला के सभी दुगार्पूजा समितियों को मीडिया के द्वारा अध्यक्ष राजीव रंजन ने कहा कि हर साल इस तरह का कार्यक्रम कर हम सभी सनातनी एकता का परिचय दे।

आरा में हथियारबंद बदमाशों ने दुर्गा पूजा पंडाल के तीन सदस्यों को मारी गोली, इलाके में मची अफरा-तफरी

प्रातः किरण संवाददाता

आराःअपराधियों का तांडव लगातार जारी है। राज्य के अंदर शायद ही कोई ऐसा दिन गुजरता हो जिस दिन हत्या, लूट, छिनतई और गोलीबारी से जुड़ी कोई खबर नहीं सामने आती हो। इसी कड़ी में अब एक ताजा मामला भोजपुर से निकल कर सामने आ रहा है। जहां बेखौफ अपराधियों ने तीन लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, आरा में दुर्गा पूजा पंडाल के तीन सदस्यों को हथियारबंद बदमाशों ने गोली मार दी है। सुबह सुबह हुई गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। यह मामला भोजपुर जिले के नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत मौलाबाग मोहल्ला स्थित पुष्प कला मंदिर पूजा पंडाल की है, जहां आज अहले सुबह हथियारबंद बदमाशों ने पूजा पंडाल के चार सदस्यों को गोली मार दी। वहीं गोलीबारी की घटना में घायल युवक की पहचान टुनटुन यादव के 26 वर्षीय पुत्र सुनील यादव है, वहीं दूसरा कलामुद्दीन अंसारी का 22 वर्षीय पुत्र अरमान अंसारी है वहीं तीसरा शिव कुमार का 24 वर्षीय पुत्र रौशन कुमार है। वहीं सूत्रों की माने तो आपसी विवाद में गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया गया है।

गोलीबारी की घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल कायम हो गया। घटना के बाद परिजनों ने आनन फानन में घायलों को इलाज के लिए आरा शहर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां तीनों घायलों का इलाज कराया जा रहा है। वहीं इलाज कर रहे सदर अस्पताल के सर्जन डॉ विकास कुमार सिंह ने बताया की सभी घायल युवकों की गोली निकाल दी गई है और उन्हें 1 सप्ताह के लिए अस्पताल में ही रखा जाएगा।वहीं घटना की सूचना मिलने ही रात्रि गस्ति में तैनात नवादा थाना के दरोगा वाहिद अली और नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहार मौके मौके पर पहुंचे जहां घटनास्थल से पुलिस को दो खोखा भी बरामद कर मामले की जांच में जुट गए है।

भोजपुर पुलिस अधीक्षक श्री राज ने बताया कि आज सुबह मौला बाग स्थित पंडाल के पास गोली लगने से तीन व्यक्तियों के घायल होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना मिलने के साथ ही नवादा थानाध्यक्ष तथा सहायक पुलिस अधीक्षक पहले बाबू बाजार स्थित डॉक्टर विकास के अस्पताल एवं उसके बाद घटना स्थल पहुँच गए। प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ करने पर ऐसा प्रतीत होता है कि यह घटना आपसी विवाद में हुई है । घायल तीन व्यक्तियों में से दो पंडाल कमिटी से संबंधित हैं तथा तीसरा व्यक्ति जिसके पैर से गोली छूकर निकली है वह आस पास घूम र-हा था । इलाज के उपरांत दिनों घायल व्यक्ति सुरक्षित बताए जा रहे हैं । घटना में शामिल अभियुक्तों की पहचान हो गई है तथा पुलिस के द्वारा लगातार छापेमारी की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

गड़हनी बिचली पट्टी पूजा पंडाल में दिया गया शिक्षक को श्रद्धांजलि

प्रातः किरण संवाददाता

गड़हनी।नगर पंचायत समेत गड़हनी के पूरे इलाके में दुगार्पूजा की धूम रहा,इसी बीच बिचली पट्टी दुर्गा पूजा पंडाल जहाँ लाइट एण्ड साउन्ड पर आधारित प्रतिमा देखने पहुंचे सैकड़ों भक्तों के सामने रतनपुर प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रहे शिक्षक मंतोष पासवान का बीते दिनों हृदयगति रुकने के कारण मृत्यु हुई थी।जिनके तैलचित्र पर फुलमाला चढ़ा विनम्र श्रद्धांजलि दी गईं।शिक्षक के छोटे भाई प्रकाश पासवान भी पूजा पंडाल में मौजूद थे।पूजा कमिटी अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा उर्फ मुन्ना बाबा ने बताया कि शिक्षक मंतोष पासवान माँ दुर्गा के भक्त थे उनकी अध्यक्षता में गोला बाजार पर माता की प्रतिमा स्थापित होती थी।उनके आत्मा के शांति के लिए पूजा पांडाल में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई।मौके पर छोटन सिंह,पंकज सिंह,सूरज कुमार,भगवान सोनी,रमन सिंह, नितेश सिंह,बिट्टू कुमार समेत सैकड़ो लोग उपस्थित थे।

विद्या भारती को मिठाई खिला उपहार देकर किया सम्मानित

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : विज्ञान प्राद्योगिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग बिहार सरकार शाखा कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में सत्र 2021-2024 बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा सुश्री विद्या भारती को बिहार सरकार के बीस सूत्री सदस्य एवं जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भाजपा रोहतास नवीन चंद्र साह ने मिठाई खिलाकर उपहार देकर उनके माता- पिता के समक्ष सम्मानित किया । विद्या भारती ने इस उपलब्धि को प्राप्त करने में अपने माता-पिता को श्रेय दिया । सुश्री भारती बिक्रमगंज प्रखंड के घुसियां खुर्द गांव की रहने वाली है ।

उनके पिता चितरंजन गुप्ता पेशे से शिक्षक तथा माता अनीता देवी कुशल गृहिणी है । 87 प्रतिशत अंक लाकर प्रथम स्थान पाने पर बधाई देने वालों में वार्ड सदस्य चंदन पासवान , नेमधारी पासवान,नवनीत साह, लोकेया विद्यालय के प्रधान शिक्षक रविशंकर शर्मा ,बीपीएम अमित नारायण स्वामी, बड़े पिता शिव शंकर गुप्ता ,नंदिनी ,अंकिता ,जैबुन खातून , भाई चंदन गुप्ता सहित अन्य लोगों ने दी है । जिसको लेकर गांव में बच्चों व बच्चियों में खुशी का माहौल है ।

प्रभु श्रीराम और रावण युद्ध में असत्य की पराजय हुई , मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन में वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजा

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : बिक्रमगंज नगर के इंटर स्तरीय स्कूल खेल मैदान व काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी मनोज प्रसाद के मिल समीप शनिवार की देर संध्या असत्य पर सत्य की हुई जीत । अनुमंडल क्षेत्र में विजयादशमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम से मनाया गया । नगर के इंटर स्तरीय स्कूल खेल मैदान व गोड़ारी में मनोज प्रसाद के मिल समीप प्रभु श्रीराम और रावण युद्ध में असत्य की पराजय हुई । मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन के दौरान वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा ।खेल मैदान व मिल के समीप प्रभु के दर्शन और रावण वध देखने के लिए अपार जनसमूह का सैलाब उमड़ पड़ा ।

श्रीराम सेवा समिति बिक्रमगंज व श्री श्री दुगार्पूजा समिति गोड़ारी द्वा-रा की गई आरती के बाद प्रभु श्रीराम का रथ नगर के सभी पूजा पंडालों का भ्रमण करते हुए खेल मैदान के लिए रवाना हुआ । जहां पर एडीएम अनिल बसाक ,डीएसपी कुमार संजय , बीडीओ अमित प्रताप सिंह , बिक्रमगंज पुलिस इंस्पेक्टर शेर सिंह यादव ,थानाध्यक्ष ललन कुमार, समाजसेवी घनश्याम सिंह,श्रीराम स-वा समिति बिक्रमगंज से संजीव कुमार , संजय कुमार सहित अन्य अधिकारी ,अन्य जनप्रतिनिधि व पूजा समिति के लोग मौजद थे ।

तो वहीं दूसरी ओर गोड़ारी में कार्यक्रम स्थल पर काराकाट बीड-ीओ राहुल कुमार सिंह , ईओ सिमाब मतीन ,थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी ,एसआई अंजली कुमारी ,रोहित कुमार ,संजय कुमार यादव , उप मुख्य पार्षद रविश रंजन , पूजा समिति के अध्यक्ष समेत अन्य लोग उपस्थित थे । कार्यक्रम स्थल पर प्रभु श्रीराम,वीर लक्ष्मण व महावीर हनुमान की आरती पूजा समिति के सदस्यों व अन्य जनप्रतिनिधियों ने किया । साथ ही साथ लोगों ने एक- दूसरे को दी बधाई । तत्पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने बाण से अहंकारी रावण का वध कर दिया । जैसे ही रावण का वध संपन्न हुआ तो उस दौरान खेल मैदान में जय श्रीराम व वीर लक्ष्मण और पवन पुत्र हनुमान के गगनभेदी जयकारे लगने लगे । उक्त दौरान पूरा मैदान भक्तिमय हो गया । नगर के मुख्य मार्गों पर शनिवार की देर संध्या में बड़ी तादाद में भीड़ लगी रही । साथ ही अनुमंडल प्रशासन की ओर से सुरक्षा की दृष्टिकोण से अन्य पुलिस पदाधिकारी व सुरक्षाबलों के जवान लोग मौजूद थे ।

हरिगॉव फील्ड पर दुर्गा पूजा को लेकर किया गया नईहर की चुनरी नाटक का

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुरःजगदीशपुर प्रखंड के हरिगांव फील्ड पर स्थापित मां दुर्गा पंडाल के पास नवरात्रि के दशहरा पर्व को लेकर नईहर के चुनरी नाटक का आयोजन किया गया। जिसका विधिवत उद्घाटन रात्रि 8:30 बजे पंचायत के मुखिया विजय शंकर चौबे उर्फ टूना चौबे, पंचायत के बीडीसी प्रतिनिधि हरेन्द्र कुमार गुप्ता और हरिगांव पैक्स अध्यक्ष राणा प्रताप कुशवाहा द्वारा संयुक्त रूप से नाटक मंचन का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। नाटक को देखने के लिए अगल-बगल के कई पंचायत से हजारों की संख्या में लोगों के भीड़ एकत्रित रही। खासकर महिलाओं को संख्या अधिक देखी गई। वहीं पंचायत के मुखिया और बीडीसी प्रतिनिधि ने बताया कि नाटक मंचन से आपसी सद्भावना बनता है। जहां सभी लोग एक साथ बैठकर नाटक मंचन का आनंद उठाते हैं।

विजयदशमी के अवसर पर हरिगॉव बाजार पर रावण के पुतला दहन एवं सामाजिक भोजपुरी नाटक जिसका नाम नईहर के चुनरी पंचायत के मुखिया विजय शंकर चौबे उर्फ टुना चौबे उपस्थित रहे अतिथि गण को कमेटी के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

वार्ड प्रतिनिधि संतोष कुमार डॉक्टर अशोक कुमार निर्मल सिंह कुशवाहा संतोष कुमार सिंह पवन कुमार सिंह चंद्रभूषण उर्फ छोटू कुशवाहा वार्ड सदस्य शिवजी कुशवाहा दसई राम जितेंद्र कुमार सिंह हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए।

नैहर के चुनरी नाटक का हुआ मंचन

काराकाट(रोहतास) , प्रातः किरण। काराकाट प्रखंड क्षेत्र के कुरूर गांव में दुर्गा पूजा के मौके पर बाल मंडल दुर्गा पूजा समिति के तत्वावधान में समाजिक नाटक नैहर की चुनरी का मंचन किया गया। जिसका उद्घाटन काराकाट पंचायत के मुखिया सह मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह के द्वारा फीता काट कर किया गया। नाटक में स्थानीय कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। इस मौके पर मुखिया सह मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि एक साल के अंदर स्मार्ट लाइब्रेरी, मंच और स्टेडियम का निर्माण करा दिया जाएगा। मोक पर बीडीसी पति सत्यम साह, दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष नीतेश सिंह, सचिव प्रियांसु सिंह, मनजेश सिंह, बलवंतसिंह अमन सिंह, गुड्डू, विजय प्रकाश,मुन्ना पाण्डेय ,गुड्डू बाबा, बुटन बाबा ,दिलीप सिंह,नरेंद्र सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया दशहरा, प्रभुराम के धनुष से निकले तीर से हुआ रावणवध

प्रातः किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास)काराकाट प्रखंड क्षेत्र में शारदीय नवरात्रि के समापन के साथ ही दसवीं की देर शाम शनिवार को विजयदशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और आस्था के साथ मनाया गया। दशहरा के रूप में मनाए जाने वाले पर्व पर भगवान राम के धनुष से निकले तीर से रावण के पुतले का दहन किया गाय। प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी मनोज प्रसाद की मिल के समीप शनिवार की देर संध्या में विजयदशमी के पर्व को बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया गाय । वहीं ग्रामीण क्षेत्र बेलवाई में भी विजयदशमी का पर्व बड़े ही धूमधाम और आस्था के साथ मनाते हुए रावण दहन की कार्यक्रम किया गया । जहां रावण दहन कार्यक्रम को देखने के लिए आने वाले हजारों दर्शकों के लिए इस बार 35 फीट का रावण आकर्षण का केंद्र रहा। वहीं मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के अग्निबाण से रावण दहन के दौरान वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा । श्री श्री दुगार्पूजा समिति गोड़ारी द्वारा की गई आरती के बाद प्रभु श्रीराम का धनुष से निकले तीर से रावण के पुतले का दहन किया गाय । मौके पर बीडीओ राहुल कुमार सिंह , ईओ सिमाब मतीन, थानाध्यक्ष फूलदेव चौधरी, एसआई अंजली कुमारी, रोहित कुमार, संजय कुमार यादव, उपमुख्य पार्षद रविश रंजन, बीईओ कलामुदीन अंसारी, पूजा समिति के अध्यक्ष- विशाल भारती, कोषाध्यक्ष- प्रशांत कुमार, सचिव- दिलीप कुमार, उमाशंकर, ओम कुमार, कुंदन पासवान, पिंटू कुमार, पवन कुमार, गोपाल कुमार, संतोष कुमार यादव, संजय कुमार, रंजन चौरसिया, ललन सोनी, रमाशंकर, अनिल पासवान सहित कई जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, प्रशासन व सुरक्षाबलों के जवान लोग मौजूद थे।

प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब बड़की खडाँव के द्वारा ई अभागिन नाटक का किया गया मंचन

प्रातः किरण संवाददाता

गडहनी। नगर पंचायत गडहनी के पुरानी बाजार शिवमन्दिर स्थित दुर्गा पूजा पंडाल मे विजयादशमी के अवसर पर प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब बडकी खडाँव के बैनर तले अभागिन उर्फ जिन्दगीया बैरी भइल हमार नाटक का मंचन किया गया।मंच का उद्घाटन पुजारी प्रदीप ओझा, डॉ पी एन सिंह, उपमुख्य पार्षद सह मुख्य संरक्षक सुनय कुमार परमार उर्फ बबलु सिंह, उपप्रमुख प्रतिनिधि संजीत चन्द्रवंशी, जिप प्रतिनिधि देवेन्द्र यादव, पवन कुमार, पार्षद चंदन सोनी, अक्षयवट ओझा सहित अन्य कई गणमान्य लोगो के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया।नाटक का मंचन सांस्कृतिक पदाधिकारी मुन्ना बारी एवं अशीम कुमार राय उर्फ टुनटुन बाबा के निर्देशन मे किया गया।टुनटुन बाबा ने अपने संबोधन भाषण मे कहा कि प्रगतिशील नवयुवक नाट्य क्लब के कलाकारो द्वारा अभागिन भोजपुरी नाटक का मंचन समाज के लिए प्रेरणादायक है।आज के परिवेश मे अभागिनो पर होते जुल्म व अत्याचार की जीवंत कहानी नाटक मंचन के माध्यम से उसके उद्देश्य को दशार्ता है।उन्होने नाट्य कलाकारो का हौंसला बुलंद करते हुए उन सभी कलाकारो को बधाई शुभकामना दी और कहा कि समाजिक कुरीतियों को मिटाने मे ऐसे कलाकार सदैव आगे रहे हैं।मौके पर कमिटि के सांस्कृतिक पदाधिकारी संयोजक राम विष्णु राम उर्फ वीरेन्द्र राम, सांस्कृतिक पदाधिकारी मुन्ना बारी, अशिम कुमार राय उर्फ टुनटुन बाबा, सुनील कुमार केसरी, बुधन, पीर मोहम्मद एवं राजेश सोनी अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह, उपाध्यक्ष समर गुप्ता सहित दर्शक दीर्घा ने सभी कलाकारो का उत्साहवर्धन किया।

महानवमी एवं विजयदशमी पर आरण्य देवी के मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। शारदीय नवरात्र के नौवें दिन (शुक्रवार) एवं विजयदशमी (शनिवार) को देवी दुर्गा के पूजन करने के लिए पूजा पंडालों एवं मंदिरों में भारी भीड़ उमड़ी रही। मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी कृष्ण कुमार ने बताया कि शहर की अधिष्ठात्री देवी मां आरण्य देवी के मंदिर में पूजन एवं दर्शन को लेकर महानवमी की अहले सुबह से ही महिला-पुरुष श्रद्धालु भक्तों का जनसैलाब उमड़ पडा। लोगों को देवी दर्शन के लिए घंटों कतार में खड़ा रहना पड़ा। मां आरण्य देवी की मूर्ति एवं मंदिर परिसर को आकर्षक ढ़ंग से फूलों द्वारा सजाया गया था। भीड का आलम यह था कि महिला-पुरुष भक्तों की लाइन आरण्य देवी, व्यापार मंडल से पडाव मोड तक पहुंच गई। यह सिलसिला देर शाम तक चली। विजयदशमी तिथि को भी हजारों की संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने मां आरण्य देवी का दर्शन किया और प्रसाद चढ़ाया। मंदिर में दर्शन करने वाले एवं दीप जलाने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट एवं पुलिस-प्रशासन द्वारा श्रद्धालु भक्तों की भारी भीड़ को देखते हुए को दीप जलाने एवं नारियल फोड़ने की सख्त मनाही की गई थी। पुलिस-प्रशासन की टीम, सपरिवार माता के मंदिर में मत्था टेका। मौके पर मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक भीम सिंह भवे-श, सचिव अरविंद पांडेय, कोषाध्यक्ष श्रवण जलान, जीतू चंद्रवंशी, गजेंद्र सिंह, नवीन प्रकाश, संतोष कुमार सिंह, राजू मेहता, पुजारी रंगनाथ मिश्रा, संजय मिश्रा, मनोज पांडेय, राजीव रंजन, अशोक सिंह, सुरेश प्रसाद, डॉ. विजय गुप्ता, नरेश कुमार, विकाश कुमार पांडेय, आलोक अंजन, सोनू कुमार उर्फ रिशू, वार्ड पार्षद जीतू चौरसिया, अमित कुमार उर्फ भोलू, रविशंकर, रानू चौरसिया एवं ट्रस्ट के स्टाफ भी सक्रिय दिखे।

ट्रस्ट द्वारा वितरित किया गया प्रसाद

आरा। शारदीय नवरात्र के महानवमी एवं विजय दशमी के दिन मां आरण्य देवी मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु-भक्तोंके बीच मां आरण्य देवी मंदिर विकास ट्रस्ट के द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान भक्तों के बीच बेसन से निर्मित बुंदिया व मुड़ी का वितरण किया गया।

दान व सहयोग देने के लिए भक्तों में मची रही होड

आरा। शारदीय नवरात्र के महानवमी एवं विजयदशमी के दिन मां आरण्य देवी के भव्य मंदिर निर्माण को लेक-र दान एवं सहयोग देने के लिए भक्तों में होड़ मची रही। मंदिर ट्रस्ट के मीडिया प्रबंधक कृष्ण कुमार ने बताया की नवरात्र में हजारों की संख्या में भक्तों ने दिल खोलकर दान दिया। दान देने के पश्चात लोगो ने कूपन व रसीद लिए। क्यूआर कोड तथा चेक के माध्यम से भी श्रद्धालु भक्तों ने माता के भव्य मंदिर निर्माण में सहयोग किया।

लोक नायक जयप्रकाश नारायण की 122 वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

प्रातः किरण संवाददाता

आरा । आरा, कलक्ट्री तालाब स्थित लोकनायक जयप्रकाश स्मारक स्थल पर जयप्रकाश नारायण की 122 वीं जयंती के अवसर पर पुष्पांजलि एवं श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया.

1974 आन्दोलन के जे पी सेनानी और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर लोकनायक की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित की. तत्पश्चात पूर्व विधायक जे पी सेनानी श्री रमाकांत ठाकुर की अध्यक्षता में विचार गोष्ठी आयोजित की गयी. गोष्ठी को संबोधित करते हुए संस्थान के महासचिव सुशील कुमार ने जे पी की वैचारिक यात्रा और सम्पूर्ण क्रांति के उनके आह्वान पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि जे पी द्वारा अमेरिका में अध्ययन के दौरान लिखित जे पी लिखित थीसिस से लेकर सम्पूर्ण क्रांति के आह्वान तक की वैचारिक दिशा में एकरूपता दिखती है. सुशील कुमार ने जे पी के मार्क्सवादी, समाजवादी, भूदान आन्दोलनकारी और सम्पूर्ण क्रांतिवादी वैचारिकता में तारतम्यता का उल्लेख करते हुए बताया कि उनकी मूल विचारधारा इस वक्तव्य से स्पष्ट होती है, ह्न रोटी के लिये मैं आजादी से समझौता नहीं कर सकताह्न. जे पी महात्मा गाँधी की विरासत के सच्चे वाहक थे. महात्मा गाँधी के चम्पारण सत्याग्रह और जे पी की सम्पूर्ण क्रांति भारतीय मानस के लिये प्रकाश स्तंभ है. और अंत मे धन्यवाद ज्ञापन अशोक मानव ने किया.

भूल भुलैया 3 की रिलीज से पहले विद्या बालन ने किया क्रिप्टिक पोस्ट

अभिनेत्री विद्या बालन जल्द ही अपनी फिल्म भूल भुलैया में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म की रिलीज से पहले विद्या बालन ने सोशल मीडिया पर एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है। उस पोस्ट के जरिए उन्होंने अपने किरदार मंजुलिका को लेकर कुछ बातें साझा की हैं।

अभिनेत्री विद्या बालन जल्द ही भूल भुलैया 3 में नजर आने वाली हैं। अपनी फिल्म को लेकर विद्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। उन्होंने अपनी क्रिप्टिक पोस्ट के जरिए प्रशंसकों का ध्यान खींचा है। उन्होंने डरावने हाव भावों के साथ ये सोशल मीडिया पोस्ट की है।

विद्या बालन अपनी इस पोस्ट में लिखा, गड़े मुर्दे उखाड़ने का वक्त आ गया है 17 साल बाद..मैं आ रही हूं...अमी मंजुलिका। भूल भुलैया 3 की रिलीज से पहले विद्या की इस पोस्ट ने यूजर्स का ध्यान खींचा है। विद्या बालन की इस पोस्ट पर प्रशंसकों के कई तरह के कमेंट्स भी आ रहे हैं। विद्या को उनकी चालाकी और चतुराई के लिए जाना जाता है। विद्या ने एक शॉर्ट वीडियो साझा किया है। विद्या बालन की फिल्म इस दिवाली सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है।

पोस्ट के साथ कही ऐसी बात

अपनी पोस्ट के साथ विद्या ने कहा, 12 अक्तूबर 2007 में 17 साल पहले भूल भुलैया पहली बार रिलीज हुई थी। मुझे आज भी मंजुलिका कहा जाता है..जहां भी मैं जाती हूं। मुझे फिर से अपने इसी किरदार को निभाने का मौका मिला है. थैंक यू मंजुलिका, थैंक यू भूल भुलैया और धन्यवाद उन सभी का जो मुझे कल भी प्यार करते थे और हर रोज इस प्यार का एहसास करवाते हैं।

अदा शर्मा ने हॉरर फिल्म 1920 को लेकर किया खुलासा

अदा शर्मा एक भारतीय फिल्म अभिनेत्री हैं, जो मुख्य रूप से हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं की फिल्मों में बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाती हैं। अदा ने महिला प्रधान सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म द केरला स्टोरी और बस्तर जैसी शानदार फिल्मों में भी दमदार अभिनय किया और दर्शकों का दिल जीत लिया।

अदा ने अपनी हॉरर फिल्म 1920 को लेकर एक चौंकाने वाला खुलाया किया, जिसे सुनकर कोई भी हैरान हो जाएगा। इसके अलावा रीटा सान्याल को लेकर भी किए कई खुलासे।

सनफ्लावर में एक विचित्र किरदार निभाने वाली अदा शर्मा अब अपने आने वाले शो रीटा सान्याल में 10 अलग-अलग भूमिकाएं निभाती नजर आएंगी। शो से पहले एक इंटरव्यू में अदा ने बताया कि कैसे लोगों ने उन्हें उनकी फिल्म 1920 के दौरान विदेशी समझ लिया था। अपने शो रीटा सान्याल के बारे में अदा ने कहा, मैं आपको यह नहीं बता सकती कि एक अभिनेता के रूप में मैं कितनी भाग्यशाली महसूस करती हूं। मुझे लोगों के लहजे, उनकी नकल करना पसंद है और मुझे शो में 10 अलग-अलग लोगों के रूप में यह सब करने का मौका मिला।

अदा शर्मा खुद को खुशकिस्मत मानती हैं कि उन्हें अपने फिल्मी करियर में कभी टाइपकास्ट नहीं किया गया और उन्हें अलग-अलग भूमिकाएं निभाने का अवसर मिला।

सलमान खान की बढ़ाई गई सुरक्षा, बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर बढ़ी मुस्तैदी

बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। उनके घर के बाहर भारी सिक्योरिटी, पर्सनल गार्ड और पुलिस तैनात है। सलमान के घर के बाहर पहले से ही कड़ी सुरक्षा थी, और अब एक और टीम तैनात कर दी है। किसी को भी उनके घर के बाहर रुकने नहीं दिया जा रहा है। सलमान खान के करीबी दोस्त और एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद अब एक्टर की सिक्योरिटी बढ़ी दी गई है। इस हत्या से देशभर में सनसनी फैल गई है और पूरे बॉलीवुड में मातम पसरा है।

अब सलमान के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर तगड़ी सिक्योरिटी तैनात कर दी गई है। उनके घर के बाहर बैरिकेड्स लगे हैं। किसी भी गाड़ी को सलमान के घर के बाहर या आसपास रुकने नहीं दिया जा रहा है।

हत्या के तार गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से जोड़े जा रहे हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इसी बीच बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी भी ले ली है। इसी बीच सलमान की सुरक्षा और बढ़ा दी गई है, क्योंकि लॉरेंस बिश्नोई का सलमान से पुराना विवाद चल रहा है और वह एक्टर की हत्या करने की धमकी भी दे चुका है। सलमान को लीलावती अस्पताल आने से भी मना कर दिया गया। पर वह दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर मिलने पर खुद को रोक नहीं सके। सलमान देर रात ढाई बजे अस्पताल पहुंचे गए। उनके साथ भारी सिक्योरिटी और गार्ड्स थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस ने सलमान से कहा है कि वह अब अस्पताल न आएं और कोशिश करें कि घर पर ही रहें।

अस्पताल से निकले तो परेशान थे सलमान

वहीं, पुलिस से जुड़े सूत्रों ने हमारे सहयोगी ईटाइम्स को बताया कि सलमान की सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले जब सलमान, बाबा सिद्दीकी सिद्दीकी से मिलने के बाद निकले तो वह काफी असहज दिखे। हालांकि ऐसी स्थिति में परेशान दिखना सामान्य बात है, लेकिन सलमान के चेहरे पर तनाव साफ नजर आ रहा था।

सलमान पिछले कुछ समय से लॉरेंस बिश्नोई की टारगेट लिस्ट में हैं। 4 जून को सलमान ने उन्हें और उनके परिवार को मिल रही धमकियों और हमलों के बाद मुंबई पुलिस को एक बयान दिया था। दिए बयान में सलमान ने कहा था, लॉरेंस बिश्नोई ने अपने गैंग के लोगों की मदद से उस समय घर पर गोलियां बरसाईं, जब मेरे घर के लोग सो रहे थे। वो मुझे और मेरे परिवार के सदस्यों को मारने की योजना बना रहे थे।

बाबा सिद्दीकी की हत्या से सन्न रितेश देशमुख!

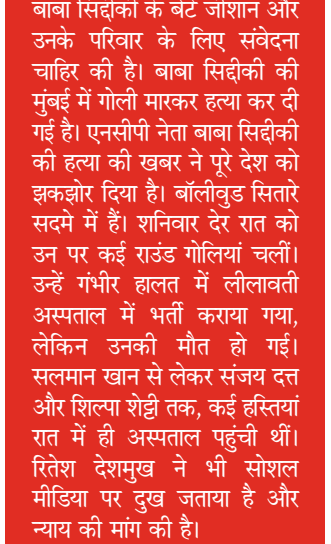

रितेश देशमुख ने सोशल मीडिया पर न्याय की गुहार लगाई है। उन्होंने बाबा सिद्दीकी की हत्या करने वाले अपराधियों को कटघरे में लाने की मांग की है। साथ ही बाबा सिद्दीकी के बेटे जीशान और उनके परिवार के लिए संवेदना चाहिर की है। बाबा सिद्दीकी की मुंबई में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या की खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। बॉलीवुड सितारे सदमे में हैं। शनिवार देर रात को उन पर कई राउंड गोलियां चलीं। उन्हें गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई। सलमान खान से लेकर संजय दत्त और शिल्पा शेट्टी तक, कई हस्तियां रात में ही अस्पताल पहुंची थीं। रितेश देशमुख ने भी सोशल मीडिया पर दुख जताया है और न्याय की मांग की है।

बाबा सिद्दीकी के दुखद निधन के बारे में जानकर मैं बहुत दुखी और स्तब्ध हूं। मेरी संवेदनाएं जीशान सिद्दीकी (उनके बेटे) और पूरे परिवार के साथ हैं। भगवान उन्हें इस कठिन समय का सामना करने की शक्ति दें। इस जघन्य अपराध के अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

टीवी एक्ट्रेस पूजा बनर्जी ने भी इंस्टाग्राम पर बाबा सिद्दीकी के साथ पुरानी तस्वीर शेयर की और उनकी मौत पर दुख जताया। उन्होंने लिखा, हमारे प्रिय बाबा सिद्दीकी की मौत से गहरा सदमा लगा है और दुख हुआ है। न्याय की मांग करें और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करें, परिवार और दोस्तों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

गेम चेंजर की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

अब 2025 में होगा प्रदर्शन

साउथ सुपरस्टार राम चरण की आगामी फिल्म गेम चेंजर इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। लगातार फिल्म को लेकर नई जानकारियां सामने आ रही हैं। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के लिए अभिनेता ने निर्देशक एस शंकर से हाथ मिलाया है।

दर्शक बेसब्री से फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी को एक साथ बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक हैं, लेकिन अब उन्हें थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि फिल्म की रिलीज की तारीख में बदलाव किया गया है। फिल्म अब तय समय पर दस्तक नहीं देगी। बहुप्रतीक्षित तेलुगु फिल्म गेम चेंजर अब संक्रांति 2025 के आसपास रिलीज होगी। राम चरण और कियारा आडवाणी अभिनीत यह फिल्म पहले क्रिसमस 2024 पर रिलीज होने वाली थी।

यह फिल्म पहले 20 दिसंबर, 2024 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे खिसका दी गई है। निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इसका एलान किया है। गेम चेंजर की रिलीज की घोषणा दशहरा के दिन 12 अक्तूबर को श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस यानी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस के आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किए गए एक वीडियो संदेश के जरिए की गई। पोस्ट-प्रोडक्शन प्रक्रिया दिसंबर 2024 तक पूरी होने की उम्मीद है और आने वाले महीनों में तीन और गाने रिलीज किए जाएंगे। क्लिप में यह भी कहा गया कि गेम चेंजर के स्थगित होने के कारण अभिनेता चिरंजीवी और उनकी आगामी फिल्म विश्वंभरा के फिल्म निर्माताओं को अपनी रिलीज की तारीख पर पुनर्विचार करना होगा।

अभी तक मेगास्टार चिरंजीवी की फिल्म की रिलीज की तारीख अनिश्चित बनी हुई है। शंकर द्वारा निर्देशित गेम चेंजर एक राजनीतिक थ्रिलर है, जिसकी कहानी कार्तिक सुब्बाराज ने लिखी है। फिल्म में राम चरण, कियारा आडवाणी, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत, जयराम और नवीन चंद्रा अहम भूमिकाओं में हैं। खबर है कि चरण एक आईएएस अधिकारी की भूमिका निभाएंगे। श्री वेंकटेश्वर क्रिएशंस द्वारा निर्मित गेम चेंजर में संगीत थमन ने दिया है, छायांकन तिरू ने किया है और संपादन शमीर मुहम्मद ने किया है।

मसाबा गुप्ता ने बेटी को दिया जन्म

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस नीना गुप्ता की बेटी मसाबा गुप्ता ने इसी साल अप्रैल में अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट की थी। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बेबी बंप फ्लॉन्ट करते हुए पति सत्यदीप मिश्रा के साथ कई फोटोज शेयर की थीं और अब दोनों ने अपने पहले बच्चे का स्वागत भी कर लिया है। जी हां, मसाबा-सत्यदीप माता-पिता बन गए हैं। एक्ट्रेस ने बेटी को जन्म दिया है, जिसकी जानकारी उन्होंने एक पोस्ट करके फैंस के साथ सोशल मीडिया पर भी शेयर की है।

दशहरा के खास दिन पर उनकी बेटी ने जन्म लिया है। ऐसे में एक्ट्रेस और फैशन डिजाइनर ने फैंस को लाडली की पहली झलक भी दिखा दी है। यह खबर सुनने के बाद उनके चाहने वाले और सेलेब्स सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दे रहे हैं।

एक्ट्रेस-फैशन डिजाइनर ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें से पहले उन्होंने लिखा कि हमारी बहुत ही स्पेशल लिटिल गर्ल, एक बहुत ही खास दिन पर आई है। इसके बाद उन्होंने नीचे आज की तारीख यानी 11.10.2024 लिखा है।

बता दें कि जैसे ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की। फैंस से लेकर सेलेब्स तक उन्हें बधाई देने लग गए। बी-टाउन एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने कमेंट करते हुए लिखा, आप दोनों को बधाई। शिल्पा शेट्टी ने लिखा कि बधाई हो माय डार्लिंग। सोनम कपूर ने कमेंट किया कि मैं बहुत एक्साइटेड और खुश हूं। इनके अलावा अथिया शेट्टी, मौनी रॉय, बिपाशा बासु समेत कई स्टार्स ने रिएक्ट किया।

2023 में की थी दोनों ने शादी

मसाबा गुप्ता और सत्यदीप मिश्रा ने पिछले साल 2023 के जनवरी महीने में शादी की थी। बता दें कि मसाबा और सत्यदीप दोनों की ही दूसरी शादी थी। इस कपल ने एक निजी समारोह में शादी की। कुछ दिनों पहले मसाबा ने मैटरनिटी फोटोशूट भी सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उनकी जमकर तारीफ भी की थी।

बंगाली ब्यूटी बन रानी मुखर्जी ने काजोल-तनीषा संग खेला सिंदूर खेला, दशहरे पर खूब दमका आदिशक्ति की आस्था का लाल रंग

12 अक्टूबर को जहां उत्तर भारत में आज के दिन रावण दहन की परंपरा है। वहीं पूर्वोत्तर में दुर्गापूजा के आखिरी दिन मां की विधिवत विदाई हुई। आज के दिन दुनिया भर के बंगाली समुदाय की महिलाओं ने सिंदूर खेला खेला। बी-टाउन में भी कई बंगाली ब्यूटी हैं ऐसे में सिंदूर खेला की धूम बॉलीवुड में भी देखने को मिली। इस मौके पर नॉर्थ बांबे की दुर्गा पूजा में रानी मुखर्जी, काजोल, तनीषा मुखर्जी समेत कई सितारे पहुंचे हैं। इस दौरान सभी स्टार्स ने जमकर मस्ती की है।

काजोल और तनिषा, रानी सभी ट्रेडिशनल बंगाली साड़ी पहने हुए सिंदूर खेला के लिए पंडाल में पहुंची। काजोल के लुक की बात करें तो वह रेड एंड व्हाइट साड़ी में खूबसूरत नजर आईं। रानी मुखर्जी बंगाली स्टाइल साड़ी में खूबसूरत लगी। रानी ने ऑफ-व्हाइट साड़ी पहनी थी और पारंपरिक बंगाली तरीके से पहनी थी। उन्होंने खूबसूरत साड़ी के साथ लाल रंग का ब्लाउज और गोल्ड की ज्वेलरी पेयर की थी।

डिफेंस सेक्टर की दिग्गज कंपनी को मिला 'महारत्न' का दर्जा

नईदिल्ली। डिफेंस सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को लेकर बड़ी जानकारी सामने आई है। इस सरकारी कंपनी को 'महारत्न' का दर्जा मिल गया है। इसी के साथ ॥रुदेश की 14वीं कंपनी बन गई जिसे महारत्न का दर्जा मिला है।

20 रुपये से कम के स्टॉक ने किया मालामाल

नईदिल्ली। जिन पेनी स्टॉक्स ने पिछले एक साल के दौरान निवेशकों को तगड़ा मुनाफा दिया है। कंपनी के शेयरों की कीमतों में 100 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। कंपनी एक बार फिर से चर्चा में है।

बिहार में स्टार्टअप शुरू करना मेरे जीवन का सबसे बुरा फैसला, सेमीकंडक्टर कंपनी के फाउंडर ने कहा

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या बिहार में स्टार्टअप शुरू करना और उसे चलाना बहुत मुश्किल है? सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सेमीकंडक्टर की कंपनी के फाउंडर की एक पोस्ट काफी वायरल हो रही है। इसमें कंपनी के फाउंडर चंदन राज ने लिखा है कि उन्होंने सरकारी अधिकारियों की बेरुखी के कारण कई क्लाइंट खो दिए हैं। उन्होंने लिखा है कि बिहार में कंपनी शुरू करना उनके जीवन का सबसे बुरा फैसला था।

चंदन राज ने बिहार की पहली सेमीकंडक्टर कंपनी सुरेश चिप्स एंड सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड शुरू की थी। वह इस कंपनी के फाउंडर और सीईओ हैं। वह अपनी पोस्ट में बताते हैं जहां उनकी कंपनी है, उस जगह बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर की काफी कमी है। न सड़क है और न स्ट्रीट लाइट। साथ ही वहां और भी कई समस्याएं हैं। इस कारण उन्होंने कई क्लाइंट खो दिए क्योंकि उन क्लाइंट ने इन समस्याओं के चलते उनकी कंपनी के साथ काम करने से इनकार कर दिया था।

कौन हैं चंदन कुमार?

चंदन ने ओडिशा के बीजू पटनायक यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलजी से इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्यूनिकेशन में ग्रेजुएशन की है। इसके बाद उन्होंने सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, मलेशिया और इजराइल में इंटेल, रोमानिया में सिलिकॉन सर्विस स्क्रू और शंघाई में नोकिया बेल लैब्स समेत कई कंपनियों में जॉब की। वे इन कंपनियों में बड़े पद पर रहे। दिसंबर 2020 में चंदन ने बिहार के मुजफ्फरपुर में सुरेश चिप्स एंड सेमीकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की।

क्या लिखा है पोस्ट में?

चंदन का जहां ऑफिस है, वह रास्ता काफी खराब है। उनकी पोस्ट पर कई तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। वह काफी लोगों को जवाब भी दे रहे हैं। चंदन ने बिहार को निराशा की भूमि बताया है। उन्होंने लिखा कि सेमीकंडक्टर/वीएलएसआई कंपनी के रूप में यहां जिंदा रहने के लिए बहुत सारी समस्याएं और संघर्ष हैं।

उन्होंने लिखा है कि वे पिछले चार साल से सड़क और बुनियादी ढांचे का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन किसी से कोई मदद नहीं मिली। उन्होंने लिखा है, मुझे लगता है कि बिहार सरकार सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को नहीं समझती है।

अधिकारियों को लिखे कई ईमेल

एक यूजर के कमेंट पर प्रतिक्रिया देते हुए चंदन ने उस ईमेल का स्क्रीनशॉट शेयर किया है, जो उन्होंने बुनियादी सुविधाओं को सही करने के लिए संबंधित अधिकारियों को लिखा था। इस ईमेल में उन्होंने लिखा है, उनके क्षेत्र में सही ढंग की सड़क नहीं है। पंचायत से जुड़े अधिकारी इसे गंभीरता से नहीं लेते हैं। मैंने रास्ते को मिट्टी से भर दिया था, लेकिन बारिश में यह मिट्टी बह गई।

चंदन ने ईमेल में लिखा है कि वह अपनी समस्या लेकर लगभग हर सरकारी ऑफिस गए। नेताओं के चक्कर लगाए, लेकिन कहीं से कोई मदद नहीं मिली। उन्होंने लिखा कि काम के बदले उनसे पैसा मांगा जाता है। उन्होंने लिखा कि बिहार में कारोबार करना मुश्किल होता दिखाई दे रहा है।

जिला प्रशासन का आया जवाब

चंदन की यह पोस्ट वायरल होने के बाद मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन का जवाब आया। इसमें लिखा है कि उनके ऑफिस के रास्ते का निर्माण दशहरा के बाद शुरू कर दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है, मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में उक्त पथ के निर्माण कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति पूर्व में ही दी जा चुकी है। दशहरा के तुरंत बाद उक्त पथ का निर्माण कार्य प्रारंभ करा दिया जाएगा। इस पोस्ट के बाद चंदन ने जिला प्रशासन का धन्यवाद दिया।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने अपने शब्दकोश में जोड़ी भारत की 13वीं भाषा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की 'शास्त्रीय भाषाओं' की सूची को बढ़ाकर पिछले हफ्ते 11 कर दिया है, जिसमें मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली के साथ तमिल, संस्कृत, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और ओडिया भी शामिल हैं। संस्कृत को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा मंत्रालय ने कई कदम उठाए थे, जिसकी वजह से 2005 में इसे 'शास्त्रीय' भाषा का दर्जा मिला। आज ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ओयूपी-ओयूपी) ने ऑक्सफोर्ड संस्कृत-हिंदी-इंग्लिश डिक्शनरी लॉन्च की, जिसका मकसद संस्कृत का संरक्षण और इसे दुनियाभर के लोगों के लिए सुलभ बनाना है। इसके साथ ही, ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी की द्विभाषी शब्दकोशों की सूची में अब 13 भाषाएं (जिनमें 9 शास्त्रीय भाषाएं हैं) कवर की जा रही हैं। ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी अब संस्कृत, बंगाली, असमिया, कन्नड़, मलयालम, ओडिया, तमिल, तेलुगू, मराठी, गुजराती, पंजाबी, उर्दू और हिंदी में उपलब्ध है। नई ऑक्सफोर्ड संस्कृत-हिंदी-इंग्लिश डिक्शनरी में 25,000 से ज्यादा सावधानीपूर्वक चुने गए शब्द शामिल हैं, जिन्हें खासतौर पर संस्कृत सीखने वालों के लिए उपयोगी और प्रासंगिक बनाया गया है। इसका उद्देश्य है कि अगले 10 सालों में हर संस्कृत विद्यार्थी इस भाषा को आसानी से बोलने और समझने में सक्षम हो सके।यह डिक्शनरी उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम के साथ मिलकर प्रकाशित की गई है।

मुकेश अंबानी की कंपनी देगी एक शेयर पर एक शेयर फ्री

नईदिल्ली, एजेंसी। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक शेयर पर एक शेयर बोनस देगी। रिलायंस ने दी जानकारी में बताया था कि कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने एनुअल जनरल मीटिंग में 1 शेयर पर एक शेयर बोनस के लिए अप्रूवल दिया था। इसका मतलब यह है योग्य निवेशकों को कंपनी की तरफ से 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर एक शेयर अतिरिक्त मिलेगा। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि कंपनी दिवाली से पहले निवेशकों को बड़ा तोहफा दे सकती है। बता दें, हालांकि रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अभी तक बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान नहीं किया है। मुकेश अंबानी की इस कंपनी की बोर्ड मीटिंग कल यानी 14 अक्टूबर को होनी है। इसी मीटिंग में कंपनी की तरफ से बोनस इश्यू के लिए रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया जा सकता है। इसी दिन कंपनी की तरफ से दूसरी तिमाही और चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही का नतीजा घोषित किया जा सकता है। कल कंपनी के शेयर फोकस में रहेंगे। सेबी के नियमों के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज की सिक्योरिटीज में ट्रेडिंग विंडो एक अक्टूबर से बंद है। कंपनी के वित्तीय नतीजे सामने आने के बाद भी 48 घंटो तक यह बंद रहेगा।

1100 रुपये की एसआईपी से बन गए 5 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। म्यूचुअल फंड हो या शेयर बाजार, काफी निवेशक रिस्क की परवाह न करते हुए इनमें निवेश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ऐसे निवेशक ज्यादा रिटर्न चाहते हैं। शायद यही कारण है कि इनमें निवेश करने वालों की संख्या में लगातार तेजी आ रही है। ऐसे ही एक म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को करोड़पति बना दिया है। इस म्यूचुअल फंड का नाम निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड है।

यह एक मिड कैप इक्विटी फंड है, जो मुख्य रूप से मिड कैप स्टॉक्स में निवेश करता है। जब बात मिड कैप स्टॉक्स की आती है तो यहां रिस्क बढ़ जाता है। निप्पॉन का यह म्यूचुअल फंड बहुत अधिक रिस्क वाली कैटेगिरी में आता है, लेकिन रिटर्न में भी यह काफी बेहतर है। यह म्यूचुअल फंड पिछले कई सालों से अच्छा रिटर्न दे रहा है। इस फंड ने

1100 रुपये महीने की एसआईपी को 5 करोड़ रुपये से ज्यादा के फंड में बदल दिया है। यानी निवेशक करोड़पति हो गए हैं।

क्या है म्यूचुअल फंड?

जिस प्रकार काफी लोग बैंक में या एफडी में पैसा निवेश करते हैं, ऐसे ही म्यूचुअल फंड में भी पैसा निवेश किया जाता है। इसे कोई बैंक या वित्तीय संस्था जारी करती है। इसमें बैंक या एफडी के मुकाबले ज्यादा ब्याज मिलता है। इसमें भी आप एकमुश्त या हर महीने पैसा निवेश कर सकते हैं। ये रिस्क के आधार पर कई तरह के होते हैं। जो बैंक या संस्थाएं म्यूचुअल फंड जारी करती हैं, ये निवेशकों से मिली रकम को इक्विटी, बॉन्ड, मुद्रा बाजार आदि में निवेश करती हैं।

कैसे बने 1100 से 5 करोड़ रुपये?

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड ने उन निवेशकों को करोड़पति बना दिया है, जिन्होंने लॉन्ग टर्म के लिए इसमें निवेश किया। इसमें 1100 रुपये की मंथली एसआईपी से 29 साल में 5 करोड़ रुपये से ज्यादा का फंड बन गया है। इस फंड की शुरुआत 8 अक्टूबर 1995 को हुई थी। इसने शुरुआत से लेकर अब तक सालाना औसतन 23.75 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर आपने इस फंड के शुरू होने पर 1100 रुपये की मंथली एसआईपी की होती तो इन 29 साल में कुल निवेश 3,82,800 रुपये का होता। 23.75 फीसदी सालाना रिटर्न के हिसाब से इन 29 सालों में आपको करीब 5.15 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज से ही मिलते। ऐसे में 29 साल में आपका कुल फंड करीब 5.19 करोड़ रुपये होता। यानी इन 29 वर्षों में आप करोड़पति बन चुके होते।

हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स को मिला देश के महारत्न का दर्जा, फैसले लेने में कंपनी को मिलेगी और अधिक आजादी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को महारत्न का दर्जा दिया है। इसके साथ ही यह मुकाम हासिल करने वाले यह 14वां केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) बन गया है। इससे कंपनी को अपने फैसले लेने और अधिक आजादी मिल सकेगी। यह जानकारी सार्वजनिक उद्यम विभाग ने शनिवार को सोशल मीडिया पर दी। महारत्न का दर्जा एचएएल की परिचालन स्वतंत्रतता और वित्तीय शक्तियों को और बढ़ाएगा, जिससे भविष्य में कई अच्छी विकास परियोजनाओं की संभावना होगी। अब एचएएल परियोजनाओं में अपनी संपत्ति का 15 फीसदी तक निवेश कर सकता है और सरकार की मंजूरी के बिना विदेशी उद्यमों में 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकता है।

हीरो मोटोस्पोर्ट्स ने इतिहास रचा: रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियन बने

मुंबई, एजेंसी। दुनिया में मोटरसाइकल और स्कूटर की सबसे बड़ी निर्माता, हीरो मोटोकॉर्प की मोटरस्पोर्ट्स टीम, हीरो मोटरस्पोर्ट्स टीम रैली ने आज रैली डु मैरॉक 2024 की अंतिम फिनिश लाईन को पार कर लिया और इसके साथ ही रॉस ब्रांच नए फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियन बन गए। यह फिम वर्ल्ड रैली-रेड चैंपियनशिप 2024 का पाँचवाँ और अंतिम राउंड था। सबसे ज्यादा चैंपियनशिप पॉईंट्स के साथ 'कलाहारी फरारी' नाम से मशहूर हीरो राईडर, रॉस ने 2024 के सीज़न की शुरुआत से ही अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। जनवरी में उन्होंने डकार 2024 में दूसरा स्थान प्राप्त कर हीरो मोटोस्पोर्ट्स को उनका पहला डकार पोडियम दिलाया। यह डब्लू2आरसी का पहला राउंड भी था। एक महीने बाद, बोत्सवनन को अबू धाबी डेज़र्ट चैलेंज की चैंपियनशिप में दूसरा स्थान मिला और चैंपियन रैंकिंग में वो नंबर 1 पर पहुँच गए। उन्होंने रैली रेड पुर्तगाल (अप्रैल) और डेसाफियो रुटा 40, अर्जेंटीना (जून) में पाँचवाँ स्थान प्राप्त किया। इस बेहतरीन प्रदर्शन के साथ रॉस को इस सप्ताह मोरक्को में पाँचवें राउंड की समाप्ति तक पहले स्थान पर बने रहने में मदद मिली और अंत में विजेता का ताज भी उन्होंने जीत लिया।

एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को ईस्टर्न रेलवे जोन के मालदा डिवीजन से रेलवे ऑर्डर मिला

मुंबई, एजेंसी। एलईडी वीडियो डिस्प्ले के डिज़ाइन, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबल लीडर एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीएसई-532850, एनएसई-) ने घोषणा की है कि उसे ईस्टर्न रेलवे जोन के मालदा डिवीजन से ईस्टर्न रेलवे के मालदा मंडल के अभयपुर स्टेशन पर सीआईबी के प्रोविज़न हेतु स्वीकृति पत्र मिला है। इससे पहले, इसे एसजीई , एसए में टेलीकॉम बेस्ड पैसेंजर सुविधाओं के प्रोविज़न और ईएलएस , इरोड में के प्रोविज़न हेतु सदर्न रेलवे ज़ोन के सेलम डिवीज़न से स्वीकृति पत्र मिला था। हाल ही में, कंपनी को अमीर भारत स्टेशन स्कीम के तहत 14 स्टेशंस को पीएफ से जोड़ने के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवरब्रिज देने के संबंध में दूरसंचार सामग्री की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग और कमीशनिंग हेतु वेस्टर्न रेलवे जोन के रतलाम डिवीजन से स्वीकृति पत्र मिला। इससे पहले, कंपनी ने 30 जून 2024 (फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही) को समाप्त तिमाही के लिए शानदार आय दर्ज की थी। 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए, कंपनी ने ऑपरेशनल रेवेन्यू से 1071.46 लाख रुपये रिपोर्ट किए, इसमें सालाना 53 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। एबिटा में सालाना 32 प्रतिशत का उछाल आया और यह 212.26 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही) से 281.24 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही) हुआ। शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 59 प्रतिशत बढ़ गया, जो 123.60 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 24 की पहली तिमाही) से 196.52 लाख रुपये (फाइनेंशियल ईयर 25 की पहली तिमाही) पहुंचा। शुद्ध लाभ मार्जिन 17.98 प्रतिशत रिपोर्ट किया गया, जो सालाना आधार पर 45 बीपीएस की वृद्धि दर्ज करता है।

टाटा मोटर्स और ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के बीच समझौता:

कमर्शियल वाहनों की फाइनेंसिंग को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी वाणिज्यिक वाहन निर्माता, टाटा मोटर्स, ने अपने ग्राहकों को बेहतर और किफायती फाइनेंसिंग विकल्प देने के लिएईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंकके साथ एक समझौता (एमओयू) किया है। इस साझेदारी के तहत, पहलेछोटे और हल्के वाणिज्यिक वाहनों के लिए फाइनेंसिंग उपलब्ध कराई जाएगी, और बाद में यह सुविधा टाटा मोटर्स के पूरे कमर्शियल वाहन पोर्टफोलियो पर लागू होगी। टाटा मोटर्स के एससीवी एंड पीयू के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेडविनय पाठकने कहा, ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक के साथ हमारी साझेदारी से हमारे ग्राहकों, खासकर दूरदराज के इलाकों में, को आसान फाइनेंसिंग विकल्प मिलेंगे। यह सहयोग हमारे ग्राहकों को उनकी ज़रूरतों के अनुसार बेहतर समाधान देकर उनके बिजनेस को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। साथ ही, इससे शुरुआती और अंतिम उपभोक्ताओं तक सामान पहुंचाने के क्षेत्र में उद्यमिता और रोजगार बढ़ाने के हमारे प्रयासों को भी मजबूती मिलेगी।

गुटर गु सीजन 2 अमेज़न एमएक्स प्लेयर मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही

मुंबई, एजेंसी। अब इंतजार हुआ खत्म ! प्रशंसक अब खुशी मना सकते हैं, क्योंकि बहुप्रतीक्षित गुटर गु सीजन 2 अब अमेज़न एमएक्स प्लेयर, अमेज़न की मुफ्त वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा पर लाइव स्ट्रीमिंग हो रही है। अपने पहले सीजन की शानदार सफलता के बाद, यह फैन-फेवरेट टीन रोमांस ड्रामा अब अनूज और ऋतु की दिल को छू लेने वाली प्रेम कहानी के अगले अध्याय के साथ वापस आ गया है। इस सीजन में उनके रोमांस का एक नया पहलू सामने आता है क्योंकि उनकी प्रेम कहानी को लंबी दूरी के रूप में एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ता है। साकिब पंडोर द्वारा निर्मित और निर्देशित तथा गुनीत मोंगा कपूर के ऑस्कर विजेता प्रोडक्शन हाउस, गुटर गु सीजन 2 में प्रिय मुख्य कलाकारों की वापसी हो रही है

श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड के बोर्ड ने 100 करोड़ रुपये तक के क्यूआईपी के लिए स्वीकृति दी

मुंबई, एजेंसी। श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड जो वित्तीय समाधानों में अग्रणी है, ने घोषणा की है कि इसके बोर्ड ने 100 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए इक्विटी शेयरों के जारी कर के धन जुटाने की स्वीकृति दी है, जो कंपनी के सदस्यों और अन्य नियामक/वैधानिक अनुमोदनों की स्वीकृति पर निर्भर करेगा। बोर्ड ने इस बात की भी स्वीकृति दी कि 93 करोड़ रूपए के कनवर्टिबल वारंट्स को निवेशकों को प्राथमिकता के आधार पर 1.05 रुपये प्रति वारंट जारीकर मूल्य पर जारी किया जाएगा, जो शेयरधारकों और अन्य आवश्यक अनुमोदनों के अधीन है। इससे पहले, कंपनी ने घोषणा की थी कि इसके बोर्ड ने 200 करोड़ रुपये तक की राशि के लिए इक्विटी शेयरों को जारी करने के माध्यम से धन जुटाने की स्वीकृति दी है, जो कंपनी के सदस्यों और अन्य नियामक/वैधानिक अनुमोदनों की स्वीकृति पर निर्भर करेगा। हाल ही में, कंपनी ने 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए उत्कृष्ट आय की घोषणा की। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए, कंपनी ने संचालन से 39.50 करोड़ रुपये का राजस्व रिपोर्ट किया, जो कि वर्ष दर वर्ष 1634त्न की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने पहले यह भी घोषणा की थी कि श्रेष्ठा फिनवेस्ट लिमिटेड (श्रेष्ठा) और फेलिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड (फेलिक्स) के बीच मौजूदा व्यावसायिक व्यवस्था के तहत फिर से अदालती संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा और स्थिरता पहलों को आगे बढ़ाना है।

बिरला ओपस पेंट्स के नए कैम्पेन 'नए जमाने का नया पेंट' में विकी कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हुए

मुंबई, एजेंसी। इस साल डेकोरेटिव पेंट्स के क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद आदित्य बिरला समूह की ग्रासिम इंडस्ट्रीज़ के अंतर्गत, बिरला ओपस पेंट्स ने अपना नया कैम्पेन, ''नए जमाने का नया पेंट'' लॉन्च किया है। लियो बर्नेट इंडिया द्वारा परिकल्पित, इस फिल्म में भारत के दो सबसे पसंदीदा कलाकार - विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना शामिल हैं, जो ब्रांड एंबेसडर के रूप में नीना गुप्ता और सौरभ शुक्ला जैसे अनुभवी और बहुमुखी अभिनेताओं के साथ इस ब्रांड की अनूठी और विशिष्ट विशेषताओं और गुणवत्ता के बारे में बात कर रहे हैं। इस अद्वितीय विचार, लोकप्रिय कलाकारों और सशक्त अवधारणा का उद्देश्य बिरला ओपस पेंट्स को ''नए'' व ''डिज़ायरेबल'' पेंट के रूप में स्थापित करना है।

इस कैम्पेन का प्रसारण हिंदी और सभी मुख्य क्षेत्रीय भाषाओं में किया जाएगा। यह टीवी, डिजिटल, ओओएच, प्रिंट और रेडियो पर 360 डिग्री एक्टिवेशन के साथ प्रसारित होगा ताकि इसके बारे में जागरुकता बढ़ाई जा सके और लोग इसका उपयोग करने के लिए प्रेरित हों।

इस अभियान के बारे में रक्षित हरगवे, सीईओ, बिरला ओपस पेंट्स ने कहा, ''इन त्योहारों पर पेश किए गए हमारे नए कैम्पेन, 'नए जमाने का नया पेंट' के साथ हम अपने उत्पाद की परफॉर्मेंस के बारे में बता रहे हैं। इसमें सौरभ शुक्ला और नीना गुप्ता जैसे अनुभवी दिग्गजों के साथ विकी कौशल और रश्मिका मंदाना जैसे प्रतिभाशाली कलाकारों ने

नई ऊर्जा का संचार कर दिया है। हमें विश्वास है कि यह कैम्पेन हमारे ग्राहकों को बहुत पसंद आएगा, जो हमारे इनोवेटिव और प्रेरणादायक दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है।'' बॉलिवुड सुपरस्टार, विकी कौशल ने कहा, ''मैं बिरला ओपस परिवार का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूँ और ग्राहकों के जीवन में रंग और उत्साह भरने के लिए आशान्वित हूँ। इन फिल्मों ने इस कैम्पेन में रचनात्मकता के साथ जान फूंक दी है और इसे खास बना दिया है। मुझे इस एड में अनुभवी कलाकार सौरभ शुक्ता के साथ शूटिंग करने में बहुत मजा आया, जिनकी आशुरचना देखने लायक थी।''

मुंबई इंडियंस से जुड़ सकते हैं पारस म्हाम्ब्रे

टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम को कोचिंग दे चुके हैं

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे इंडियन प्रीमियर लीग के अगले सीजन में मुंबई इंडियन के साथ जुड़ सकते हैं। वे इस साल के अंत में होने जा रहे मेगा ऑक्शन में भी मौजूद रह सकते हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पारस जल्द ही ढ्ढक्र की सबसे सफल फ्रेंचाइजीज में शुमार स्न्ढ्ढ से जुड़ने वाले हैं, हालांकि फ्रेंचाइजी ने अब तक कोई अनाउंसमेंट नहीं की है। पारस 29 जून को टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम के बॉलिंग कोच रहे हैं। पारस म्हाम्ब्रे (थम्सअप कर रहे) टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली भारतीय टीम का कोचिंग स्टॉफ।

राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थाना के कोच

पिछले महीने राहुल द्रविड़ और विक्रम राठौर राजस्थान रॉयल्स के साथ जुड़ गए हैं। फ्रेंचाइजी ने 20 सितंबर को दोनों भारतीय कोच को अपने साथ जोड़ने का ऐलान किया था। द्रविड़ और राठौर की कोचिंग में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप जीता था। पारस म्हाम्ब्रे ने विक्रम राठौर और राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय टीम को कोचिंग दी।

पारस खिलाड़ी से ज्यादा बतौर कोच सफल हुए

पारस म्हाम्ब्रे ने भारत के लिए 2 टेस्ट और 3 वनडे खेले हैं। उनका फर्स्ट क्लास करियर शानदार रहा, लेकिन इंटरनेशनल लेवल पर उन्हें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली। पारस के बारे में कहा जाता है कि वे एक खिलाड़ी से ज्यादा प्रतिभाशाली कोच हैं।

खराब फॉर्म में चल रहे बाबर आजम को एक और झटका

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर-रिपोर्ट

मुल्तान (एजेंसी)। मुल्तान में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के हाथों पाकिस्तान की शर्मनाक हार के बाद पूर्व कप्तान बाबर आजम को टीम से बाहर कर दिया गया है, एक रिपोर्ट ने इसकी पुष्टि की है। पिछले कुछ महीनों में बाबर सभी प्रारूपों में बेहद खराब फॉर्म में हैं। पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में उन्होंने केवल 30 और 5 रन बनाए जबकि पिच बल्लेबाजों के लिए बिल्कुल अनुकूल थी। मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान की हार के कुछ घंटों बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक नई चयन समिति का गठन किया, जिसने कथित तौर पर बाबर को दूसरे टेस्ट की टीम से बाहर करने का फैसला किया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार अलीम डार, आकिब जावेद और अजहर अली वाली चयन समिति ने बल्ले से खराब प्रदर्शन के कारण पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर को टीम से बाहर करने का फैसला किया है। कथित तौर पर चयन समिति ने शनिवार को पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के साथ-साथ पीसीबी द्वारा तीन साल के अनुबंध पर नियुक्त किए गए पांच सलाहकारों से मुलाकात की और टीम को अंतिम रूप दिया। यह विकास इस तथ्य के बावजूद हुआ है कि पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने बाबर को टीम का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज करार दिया था।

मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है, शतकीय पारी के बाद बोले संजू सैमसन

हैदराबाद (एजेंसी)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा कि उन्होंने शीर्ष स्तर की क्रिकेट में दबाव और असफलताओं के साथ जीना सीख लिया है तथा उन्होंने टीम प्रबंधन का भी आभार व्यक्त किया जिसने उन्हें विषम परिस्थितियों से बाहर निकलने और खुद को साबित करने के लिए एक और मौका दिया।

सैमसन ने अपनी योग्यता के साथ पूरा न्याय करते हुए बांग्लादेश के खिलाफ शनिवार को यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला शतक जड़ा लेकिन इससे पहले का उनका सफर अच्छा नहीं रहा था। वह श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे जबकि बांग्लादेश के खिलाफ शुरुआती दो मैच में भी उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ दो मैच में खाता नहीं खोलने के बाद मुझे अगली श्रृंखला में मौका मिलने को लेकर थोड़ा संदेह था।

लेकिन उन्होंने (कोचिंग स्टाफ और कप्तान) मुझ पर भरोसा बनाए रखा। वे कहते रहे कि वे समर्थन करना जारी रखेंगे।

इस 29 वर्ष के खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि भारत की तरफ से खेलते हुए आप दबाव से मुक्त नहीं हो सकते। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में मानसिक रूप से आप बहुत कुछ झेलते हैं, खासकर इस प्रारूप (टी20) में। लेकिन मैंने दबाव और असफलताओं से निपटना सीख लिया है। मुझे लगता है कि इसका काफी श्रेय ड्रेसिंग रूम, नेतृत्व समूह, कप्तान और कोच को जाना चाहिए जिन्होंने मेरा समर्थन करना जारी रखा।

सैमसन ने कहा कि मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश श्रृंखला के दौरान सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाने के टीम प्रबंधन के फैसले के बारे में पहले ही बता दिया था। उन्होंने कहा, 'मैं भाग्यशाली था कि गौतम भाई, सूर्यकुमार (यादव) और अभिषेक नायर (सहायक कोच) ने तीन सप्ताह पहले ही मुझे सूचित कर दिया था कि बांग्लादेश के खिलाफ मैं पारी की शुरुआत करूंगा। इससे मुझे उचित तैयारी करने में मदद मिली।

सैमसन ने कहा, 'इसके बाद मैं राजस्थान रॉयल्स अकादमी में गया और मैंने वहां नई गेंद के गेंदबाजों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। इससे मुझे मदद मिली। मुझे लगता है कि मैं इस श्रृंखला में किसी भी अन्य श्रृंखला की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक तैयार होकर आया था। सैमसन ने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर स्पष्टता से उन्हें अपने खेल को लेकर अधिक जागरूकता हासिल करने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं अपने खेल को अच्छी तरह से समझता हूं कि मैं एक से लेकर छह नंबर तक किसी भी स्थान पर बल्लेबाजी कर सकता हूं। मेरे पास बड़े शॉट लगाने के लिए जरूरी ताकत है और मेरी टाइमिंग भी अच्छी है। इसलिए यह सब मेरी भूमिका के अनुसार तैयारी करने से जुड़ा हुआ है।

सैमसन ने कहा, 'जब आप असफलताओं का सामना करते हैं तो यह कहना आसान होता है कि अगले मैच में मैं रन बनाऊंगा। लेकिन मैं जानता हूं कि मैं किस तरह का व्यक्ति हूं। मुझे अपनी तरह से सफल या असफल होना पसंद है। यह सब खुद के प्रति ईमानदार होने से जुड़ा है।

टेक्सास में युवा क्रिकेटरों को गुर सिखाएंगे सचिन तेंदुलकर

ह्यूस्टन (अमेरिका) (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर टेक्सास में राष्ट्रीय क्रिकेट लीग फाइनल के दौरान एक विशेष क्रिकेट क्लीनिक में युवा क्रिकेटरों को इस खेल के गुर सिखाएंगे। यह क्रिकेट क्लीनिक डलास में टेक्सास विश्वविद्यालय में आयोजित

किया जाएगा जिसका उद्देश्य युवा क्रिकेटरों को प्रेरित करना और अमेरिका में जमीनी स्तर पर इस खेल को बढ़ावा देना है। तेंदुलकर ने रविवार सुबह होने वाले कार्यक्रम से पहले कहा, 'क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है और अब इसे वापस देने की मेरी बारी है। उन्होंने कहा,''मैं इन युवा खिलाड़ियों से मिलने और उन्हें यह बताने को लेकर उत्साहित हूं कि कड़ी मेहनत और जुनून से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग (एनसीएल) के अध्यक्ष अरुण अग्रवाल ने तेंदुलकर की भागीदारी के महत्व के बारे में कहा, 'यह क्रिकेट से भी कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यह अपनी उम्मीदों और सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करने से जुड़ा है। सचिन जैसे व्यक्ति का इन युवा खिलाड़ियों को मार्गदर्शन देना बहुत मायने रखता है। एनसीएल से कई दिग्गज क्रिकेटर जुड़े रहे हैं जिनमें सुनील गावस्कर, वसीम अकरम और सर विवियन रिचर्ड्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग के इस सत्र में शाहिद अफरीदी, सुरेश रैना, शाकिब अल हसन और क्रिस लिन जैसे खिलाड़ियों ने भी अपनी सेवाएं दी। राष्ट्रीय क्रिकेट लीग को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का समर्थन हासिल है।

पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा जामनगर राजगद्दी के उत्तराधिकारी घोषित

53 की उम्र में बने नए जाम साहब

जामनगर(एजेंसी)। भूतपूर्व रियासत जामनगर के महाराजा और पूर्व क्रिकेटर शत्रुशल्यसिंह जडेजा ने शनिवार को दशहरा की पूर्व संध्या पर अपने भतीजे और पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को राजगद्दी का उत्तराधिकारी घोषित किया। 53 वर्षीय जडेजा अब जामनगर के नए जाम साहब यानी नाममात्र के मुखिया होंगे। क्रिकेट के दिग्गजों के परिवार के रूप में जाने जाने वाले जडेजा के परदादा रंजीतसिंह और परदादा दुलीपसिंह जो दोनों पूर्व जाम साहब थे, के नाम पर ट्रॉफी रखी गई हैं। पूर्व नवानगर राज्य के नाममात्र के मुखिया शत्रुशल्यसिंह ने शनिवार को एक बयान में कहा, यह जामनगर के लिए सौभाग्य की बात है कि अजय जडेजा ने मेरा उत्तराधिकारी बनना स्वीकार किया है। अजय जडेजा को पिछले साल अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटर नियुक्त किया गया था। अपनी खुशी की तुलना महाभारत के पांडवों से करते हुए शत्रुशल्यसिंह ने कहा, मैं भी उतना ही खुश हूं (जितना कि वे) क्योंकि मैं एक दुविधा से मुक्त हो गया हूं और इसके लिए जिम्मेदार व्यक्ति अजय जडेजा हैं। जडेजा दौलतसिंहजी के बेटे हैं, जो जामनगर लोकसभा सीट से तीन बार सांसद रहे थे। पोलैंड की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारसॉ में जामसाहेब दिग्विजयसिंह को एक स्मारक समर्पित की, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान तत्कालीन नवानगर में 600 पोलिश बच्चों को शरण दी थी। 85 वर्षीय शत्रुशल्यसिंह दिग्विजयसिंह के बेटे हैं जिनके भाई प्रतापसिंह अजय जडेजा के दादा हैं। मई में पिछले लोकसभा चुनाव में जब क्षत्रिय आंदोलन ने भाजपा के लिए मुश्किल हालात

पैदा कर दिए थे, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जामनगर में चुनाव प्रचार के दौरान शत्रुशल्यसिंह से मुलाकात की थी। यह स्पष्ट रूप से समुदाय तक पहुंचने का प्रयास था। शत्रुशल्यसिंह का बचपन में ही तलाक हो गया था और उनके कोई बच्चे नहीं हैं। परिवार के पास महल, स्कूल और बेशकीमती आभूषणों का संग्रह है।

पूर्वजों के नाम पर रणजी और दलीप ट्रॉफी खेली जाती है – जाम साहब रणजीत सिंह के नाम पर ही भारतीय क्रिकेट की डोमेस्टिक टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी खेली जाती है। रणजीत सिंह के भाई जुवान सिंह के बेटे दलीप सिंह के नाम पर दलीप ट्रॉफी खेली जाती है। रणजी ट्रॉफी भारत की एक घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता है। यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट चैंपियनशिप है। राज्य क्रिकेट संघों का प्रतिनिधित्व करने वाली टीमें इसमें हिस्सा लेती हैं। वहीं दलीप ट्रॉफी भारत में खेले जाने वाली घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट टूर्नामेंट है। इन दोनों टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) करता है। इस टूर्नामेंट में चार टीमें शामिल हुईं इंडिया ए, बी, सी, और डी खेलती हैं।

जाम साहब का इतिहास – जाम साहब नवानगर के शासक राजकुमार की उपाधि है, जो अब गुजरात में जामनगर है। जाम साहब राजपूतों के जाम जाडेजा वंश से थे। जाम रावलजी 1540 में नवानगर के पहले जाम साहब थे। उन्होंने कच्छ से प्रवास किया और हलार क्षेत्र में नवानगर की स्थापना की। इसमें 999 गांव शामिल हैं।

वनडे में 5 हजार से ज्यादा रन बना चुके हैं जडेजा – अजय जडेजा ने भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 1992 से 2000 के बीच 15 टेस्ट मैच खेले। उन्होंने चार अर्धशतकों की मदद से 576 रन बनाए। जडेजा ने टीम इंडिया के लिए खेले 196 वनडे मैचों में 5359 रन बनाए हैं। इनमें 6 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं।

'उन्होंने बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं'

पूर्व क्रिकेटर चोपड़ा ने हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की तारीफ की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने अपने यूट्यूब चैनल पर बांग्लादेश के खिलाफ भारत की टी20आई सीरीज में हार्दिक पांड्या के प्रदर्शन की प्रशंसा की। चोपड़ा ने व्यक्तिगत और पेशेवर चुनौतियों पर काबू पाने के बाद पांड्या की शानदार वापसी का उल्लेख किया। हैदराबाद में तीसरे टी20आई मैच में पांड्या ने 18 गेंदों पर 47 रन बनाकर भारत को 133 रनों की जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

भारत ने 297/6 का रिकॉर्ड स्कोर बनाया। इसके बाद भारत ने बांग्लादेश को 164/7 पर रोक दिया और 3-0 से सीरीज जीत ली। पिछले एक साल में पांड्या की रिकवरी पर जोर देते हुए चोपड़ा ने कहा, हार्दिक पांड्या प्लेयर ऑफ द सीरीज थे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं, हूटिंग की गई - सब कुछ हुआ है।

पांड्या ने पूरी सीरीज़ में लगातार तेजी से रन बनाए और ज़्यादातर मैचों में 200 से ऊपर का स्ट्राइक रेट बनाए रखा। चोपड़ा ने उनकी आक्रामक बल्लेबाजी शैली पर प्रकाश डालते हुए कहा, तीनों मैचों में उनकी बल्लेबाजी, उन्होंने कम गेंदें खेली हैं, लेकिन हमेशा 200 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के साथ। मुझे लगा कि वह बिल्कुल सनसनीखेज हैं।

ग्वालियर में पहले टी20आई में पांड्या ने 16 गेंदों पर नाबाद 39 रन बनाए। दिल्ली में उन्होंने 19 गेंदों पर 32 रन बनाए। चोपड़ा ने अपने प्रदर्शन में पांड्या के आत्मविश्वास और स्वभाव पर जोर दिया। चोपड़ा ने टिप्पणी की, उनका स्वैग अलग है। यह गुंडागर्दी जैसा था। उन्होंने कवर पर छक्का लगाया और लेग साइड पर बिना देखे एक हाथ से छक्का लगाया... वह अलग तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं। चोपड़ा ने इस तरह की आत्मविश्वास भरी बल्लेबाजी की दुर्लभ प्रकृति को देखते हुए अंत में कहा, यह लगभग गेंदबाजों का अपमान करने जैसा था, जैसे कि उनकी कोई हैसियत ही नहीं है।

ग्रीन की चोट बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट टीम में वापसी का रास्ता साफ कर सकती है : टेलर

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर को लगता है कि ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की चोट अगले महीने भारत के खिलाफ होने वाली प्रतिष्ठित बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में कैमरन बेनक्रॉफ्ट की टेस्ट क्रिकेट में वापसी का रास्ता खोल सकती है।

खबरों के मुताबिक ग्रीन अपनी पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर की सर्जरी के कारण भारत के खिलाफ पांच मैचों की आगामी टेस्ट श्रृंखला से बाहर हो सकते हैं। इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को पहले भी पीठ में चार बार स्ट्रेस फ्रैक्चर हो चुका है लेकिन 2019 के बाद से ऐसी कोई समस्या नहीं हुई थी। ग्रीन की अनुपस्थिति का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया को अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करना होगा।

टेलर ने कहा, 'यह अजीब है, है न? कैमरन ग्रीन पिछले साल एशेज श्रृंखला के दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर थे और मिचेल मार्श आए थे लेकिन ऑस्ट्रेलिया उन्हें वापस लाने के लिए बहुत उत्सुक था। इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास के बाद बेनक्रॉफ्ट को पारी का आगाज करने का दावेदार माना जा रहा था लेकिन चयनकर्ताओं ने ग्रीन को टेस्ट टीम में वापस बुला लिया और स्टीव स्मिथ से पारी की शुरुआत कराई गई। हालांकि अनुभवी बल्लेबाज स्मिथ ने सलामी बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया और टेलर का मानना ??है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे।

टेलर ने कहा, 'मुझे लगता है कि स्मिथ फिर से चौथे नंबर पर आ जाएंगे। तो सवाल यह है कि पारी की शुरुआत कौन करेगा? मैं दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज को मौका मिलते हुए देखना पसंद करूंगा और फिलहाल मेरे हिसाब से... मैं (उस्मान) ख्वाजा के साथ बेनक्रॉफ्ट को भी शामिल करूंगा।

बैनक्रॉफ्ट को 2018 के गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण में उनकी भूमिका के लिए 9 महीने का प्रतिबंध झेलना पड़ा था और वह पिछले दो वर्षों से शेफील्ड शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे हैं। टेलर को लगता है कि चयनकर्ता युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास को भी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए टेस्ट टीम में शामिल कर सकते हैं जिन्होंने शेफील्ड शील्ड में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार दो शतक लगाए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की श्रृंखला 22 नवंबर से पर्थ में शुरू होगी।

विंबलडन से लाइन जज की खामोश विदाई

लंदन, एजेंसी। ऑल इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब ने बुधवार को घोषणा की कि विंबलडन 2025 से लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा। घोषणा के बाद, 1982 से टूर्नामेंट में अंपायरिंग कर रही लाइन जज वेंडी स्मिथ बेहद दुखी हैं और उनका दावा है कि उन्हें टेनिस के मक्का को अलविदा कहने का मौका नहीं मिला। वेंडी ने द गार्जियन को बताया, यह सोचकर दुख होता है कि मेरे पास ऐसा पल फिर कभी नहीं होगा। मैं सेंटर कोर्ट पर नहीं खड़ी हो पाऊंगी। और मैं चाहती हूं कि वे हमें इस साल के टूर्नामेंट से पहले बता देते ताकि हमें अलविदा कहने का मौका मिलता। मैं हमेशा टेनिस से प्यार करूंगी, लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अब एक दर्शक के रूप में विंबलडन में जा पाऊंगी। वहां वैसा माहौल नहीं होगा। लाइव इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग (लाइव ईएलसी) के नाम से जानी जाने वाली आधिकारिक तकनीक सभी चैंपियनशिप और

क्वालीफाइंग मैच कोर्ट में लागू होगी और इसमें आउट और फॉल्ट कॉल शामिल होंगे जो पहले लाइन जजों द्वारा किए जाते थे। वेंडी ने आगे बताया कि समाचार में चौंकाने वाले बदलावों को सुनकर वह हतप्रभ हो गई थी। एक मानव लाइन जज इतना कुछ कर सकता है जो कंप्यूटर नहीं कर सकता। हम निश्चित रूप से टेनिस की परंपराओं को बनाए रखते हैं – मुझे लगता है कि हम कोर्ट को पूरी तरह से तैयार करके रखते हैं। और दर्शक खेल के बारे में बहुत कुछ सीख सकते हैं जब वे लाइन जज और चेयर अंपायर के बीच चर्चा देख सकते हैं। यह सब खो जाएगा। उन्होंने कहा, फ्इसलिए जब मैंने बुधवार को सुना कि टूर्नामेंट में हम लाइन जजों की जगह इलेक्ट्रॉनिक लाइन कॉलिंग की जा रही है, तो मैं हतप्रभ रह गई। यह और भी दुखद था क्योंकि मुझे तब पता चला जब समाचार में इसकी घोषणा की गई और मेरे फोन पर लोग यह पूछने लगे कि मैं कैसा महसूस कर रही हूं।

मयंक यादव ने टी-20 क्रिकेट में हासिल की विशेष उपलब्धि

हार्दिक-अर्शदीप-भुवनेश्वर के क्लब में हुए शामिल

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा गेंदबाज मयंक यादव ने हैदराबाद में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20आई मैच में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इस हाई-स्कोरिंग मैच में भारत ने अपनी पारी में 297/6 का प्रभावशाली स्कोर बनाया जिससे बांग्लादेश पर भी इसी तरह का प्रदर्शन करने का दबाव बना। महज 22 साल के यादव ने बांग्लादेश को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर उन्होंने एक शॉर्ट बॉल फेंकी जिसने परवेज हुसैन इमोन को चौंका दिया।

इमोन ने बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया लेकिन सही शॉट नहीं लगा पाए जिसके परिणामस्वरूप एक अजीब प्रयास हुआ। पहली स्लिप में तैनात पराग ने तेजी से अपने बाएं ओर कदम बढ़ाया और एक आसान कैच लपका। यादव का योगदान बांग्लादेश की पारी को गति पकड़ने से पहले सीमित करने में महत्वपूर्ण रहा। इस उपलब्धि के साथ मयंक टी20आई इतिहास में पारी की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज बन गए। वह भारतीय क्रिकेटरों के एक विशिष्ट समूह में शामिल हो गए जिसमें हार्दिक पांड्या, अर्शदीप सिंह और भुवनेश्वर कुमार शामिल हैं। भुवनेश्वर कुमार ने अपने करियर में तीन बार यह उपलब्धि हासिल की है। एक अन्य महत्वपूर्ण उपलब्धि में संजू सैमसन टी20आई शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज बने। यह रिकॉर्ड बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी20आई के दौरान बनाया गया था। सैमसन ने 47 गेंदों पर 11 चौकों और आठ

छक्कों की मदद से 236.17 की स्ट्राइक रेट से 111 रन बनाए। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में संजू सैमसन का एक उल्लेखनीय रिकॉर्ड है, उन्होंने आठ पारियों में 66.33 की औसत और 162.44 की स्ट्राइक रेट से 398 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्द्धशतक शामिल हैं। उन्होंने पूर्ण सदस्य टीमों के खिलाड़ियों द्वारा दूसरा सबसे तेज टी20आई शतक भी दर्ज किया। पूर्ण सदस्य टीम के खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टी20आई शतक दक्षिण अफ्रीका के डेविड मिलर और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा के नाम है, दोनों ने 35 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

संक्षिप्त समाचार

बरसों से हल्के में लिया, बैलेट बॉक्स के जरिए यह बदला लेने का समय- राज ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने दशहरे के मौके पर जोरदार भाषण दिया। उन्होंने मतदाताओं से आगामी चुनावों को अपने भविष्य पर नियंत्रण करने के अवसर के रूप में लेने की गुहार लगाई। उन्होंने इस उत्सव के अवसर को राजनीतिक परिवर्तन का सही समय बताया और और महाराष्ट्र के लोगों से शमी के पेड़ से हथियार हटा लेने की सीधी अपील की, जो युद्ध के लिए तैयार होने का प्रतीकात्मक संदर्भ है। उन्होंने कहा कि यह पॉलिटिकल क्लास से बदला लेने का वक्त है जो बरसों से उन्हें हल्के में लेता रहा है। पॉडकास्ट के जरिए लोगों को संबोधित करते हुए राज ठाकरे ने कहा, आज दशहरा है और यह साल के सबसे शुभ दिनों में से एक है। मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। इस दिन हम पारंपरिक रूप से सोने के प्रतीक के तौर पर शमी के पेड़ की पत्तियों का आदान-प्रदान करते हैं। मगर, वर्षों से महाराष्ट्र की असली संपत्ति लूट ली गई है जबकि हम इन पत्तियों को आपस में बांटने में लगे हैं। अब ऐक्शन लेने का समय है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ राजनीतिक दल वास्तविक प्रगति देने में विफल रह हैं। ठाकरे ने नागरिकों से अपील की कि आगामी चुनावों में वे आत्मसंतुष्ट न हों। राज ठाकरे ने कहा, सड़कें और फ्लाईओवर का निर्माण करना वास्तविक प्रगति नहीं है। मोबाइल फोन और गैजेट्स होने से विकास नहीं हो जाता है। सच्ची प्रगति तो सामूहिक तौर पर समाज के उत्थान से होगी। इतने बरसों के बाद भी, हम राजनीतिक वर्ग के झूठे वादों में फंसे हुए हैं और अभी भी अंधेरे में टटोल रहे हैं। ठाकरे ने इस दौरान मतदाताओं को लोकतंत्र में उनकी शक्तिशाली भूमिका की याद दिलाई। उन्होंने भारतीय पौराणिक कथाओं के पांडवों के रूपक का भी इस्तेमाल किया, जिन्होंने अपने हथियार शमी के पेड़ पर छिपाकर रखे थे। ठाकरे ने गुहार लगाई कि वे चुनाव के दौरान अपने सबसे शक्तिशाली हथियार (अपने वोट) का इस बार सही ढंग से इस्तेमाल करें।

रूस में एमबीबीएस छात्रा की मौत, मध्य प्रदेश सरकार ने केंद्र से शव भारत लाने की अपील की

भोपाल। रूस में सड़क दुर्घटना में मध्य प्रदेश की रहने वाली एमबीबीएस छात्रा की मौत के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने पीड़ित परिवार को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी का पार्थिव शरीर वापस लाया जाएगा। छात्रा के परिवार ने प्रदेश सरकार से अंतिम संस्कार के लिए शव वापस लाने की अपील की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार शव वापस लाने के लिए हर संभव मदद करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि सीएम मोहन यादव ने राज्य गृह विभाग को निर्देश दिया है कि वह केंद्र सरकार से पीड़ित परिवार की मदद करने और शव लाने का अनुरोध करे। उन्होंने बताया कि विभाग ने विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर आवश्यक सहायता मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीएम मोहन यादव ने लिखा, मध्य प्रदेश सरकार ने रूस में अध्ययन कर रही कुमारी सृष्टि शर्मा के शव को भारत वापस लाने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। परिवार के सदस्यों के अनुसार छात्रा के साथ यह दुखद घटना तब घटी जब कार का टायर अचानक गाड़ी से अलग हो गया, जिससे खिड़की खुल गई और छात्रा जमीन पर गिर गई।

कांग्रेस की हार के जिम्मेदार भूपेंद्र सिंह हुड्डा, वह कांग्रेस का नाश करेंगे : गुरनाम चढ़ूनी

कुरुक्षेत्र, एजेंसी। किसान नेता और संयुक्त संघर्ष पार्टी के अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने हरियाणा में कांग्रेस की हार के पीछे भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ही उन्होंने चेतावनी दी थी कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा कांग्रेस का नाश करेंगे और अब यह सच साबित हो गया है। चढ़ूनी ने कहा कि हमें लोकसभा चुनाव में एक टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन बाद में भूपेंद्र सिंह मुकर गए। अगर वह अभय चौटाला के साथ समझौता करते और एक टिकट देते, तो उनकी पार्टी को हरियाणा में 9 सीटें मिल सकती थीं। उनके मुताबिक विधानसभा भूपेंद्र सिंह ने उनके साथ गद्दारी की। बोले, लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मुझे रोहतक सीट पर समर्थन कर दो। हालांकि, उन्हें पूरे हरियाणा के लिए बात करनी चाहिए थी।

केरल में हो रहे देश विरोधी अपराध, सीएम ने मुझे अंधेरे में रखा: राज्यपाल आरिफ मोहम्मद

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सत्तारूढ़ वामपंथी सरकार पर अपने हमले तेज करते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राज्य में हो रहे 'देश विरोधी अपराधों' को लेकर उन्हें अंधेरे में रखा। राज्यपाल ने यह भी कहा कि अब तक मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक ''मुख्यमंत्री की इजाजत के बिना'' नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं और अब ''उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा।''

खान ने यहां संवाददाताओं से कहा कि मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक बयान में कई 'देश-विरोधी गतिविधियों' और 'राज्य-विरोधी गतिविधियों' शब्दों का इस्तेमाल किया, इसका मतलब यह है कि मुख्यमंत्री मानते हैं कि राज्य में 'देश विरोधी

अपराध' हो रहे हैं। राज्यपाल ने हाल ही में विजयन द्वारा उन्हें भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए यह बात कही। खान ने कहा, ''देश विरोधी अपराध क्या है। यह किस तरह की गतिविधि है। क्या यह अधिक गंभीर नहीं है? क्या आपको (मुख्यमंत्री) मुझे जानकारी नहीं देनी चाहिए थी? क्या यह आपका कर्तव्य नहीं था? आप अपने कर्तव्य को निभाने में विफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि जब देश के खिलाफ ऐसे अपराध किए जाते हैं तो उन्हें राष्ट्रपति तथा केंद्र सरकार को सूचित करना पड़ता है और इसके लिए जानकारी होना जरूरी है। खान ने कहा, ''इसलिए, मैंने जानकारी मांगने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकार भी नहीं किया। उन्होंने 27 दिन बाद इसका जवाब दिया, जब मैंने मुख्य सचिव और डीजीपी को बुलाया। लेकिन, उन्होंने (मुख्यमंत्री) कोई जानकारी नहीं दी।'' उन्होंने कहा, ''वह (मुख्यमंत्री) राजभवन नहीं आते और वह उन्हें (मुख्य सचिव और डीजीपी) आने की इजाजत नहीं देते क्योंकि कुछ न कुछ छिपाया जा रहा है। इसलिए कुछ तो गड़बड़ है।'' उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव और डीजीपी नियमित रूप से राजभवन आते रहे हैं। खान ने कहा कि मुख्य सचिव विधानसभा सत्र के दौरान अध्यादेश जारी करने भी आए थे। राज्यपाल ने कहा, ''मैंने कहा कि ऐसा करना सही नहीं है क्योंकि विधानसभा सत्र है और इसकी फिर से समीक्षा करनी चाहिए। मुख्य सचिव फिर आए और कहा कि यह ठीक है। इसलिए, मैंने इस पर हस्ताक्षर किए। इसलिए, वे उस समय मुख्यमंत्री की अनुमति के बिना आते रहे। अब उनका और स्वागत नहीं किया जाएगा।'' राज्य में जारी किसी भी कथित देश-विरोधी गतिविधियों के बारे में जानकारी मांगने के लिए खान द्वारा मुख्य सचिव और डीजीपी को तलब किए जाने के बाद राज्यपाल और मुख्यमंत्री के बीच मतभेद बढ़ गया है।

डांस प्रोग्राम के लिए आगरा बुलाकर बना लिया बंधक, गाजियाबाद की क्लब डांसर से 3 दिन तक दुष्कर्म

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद की रहने वाली एक युवती को 3 दिन तक आगरा के फतेहाबाद मार्ग स्थित राजकमल अपार्टमेंट (ताजगंज) में कथित तौर पर बंधकर बनाकर दुष्कर्म किया गया। उसे देह व्यापार में धकेलने की तैयारी थी। युवती ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी और उसकी पत्नी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित युवती शुक्रवार की रात बदहवास हालत में ताजगंज पुलिस के पास पहुंची थी। उसने पुलिस को बताया कि वह क्लब डांसर है। राजकमल अपार्टमेंट में रहने वाले विनय गुप्ता ने उसके मैनेजर से संपर्क किया और आगरा में डांस प्रोग्राम के लिए उसे बुलाया। वह 8 अक्टूबर को आगरा आई थी। विनय गुप्ता उसे अपने साथ फ्लैट पर ले गया। वहां उसकी पत्नी मीरा गुप्ता भी मौजूद थी। मीरा ने उसे चाय बनाकर दी। चाय पीने के बाद वह बेहोश हो गई।

नोएडा में पूर्व मेजर जनरल को डिजिटल अरेस्ट करने वाले 3 दबोचे, 2 करोड़ की ठगी के कहां तक जुड़े तार

नोएडा , एजेंसी। नोएडा में रहने वाले सेना के एक रिटायर्ड मेजर जनरल को 4 दिन तक डिजिटल अरेस्ट कर 2 करोड़ रुपये वसूलने वाले 3 साइबर ठगों को नोएडा पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। तीनों आरोपी राजस्थान के रहने वाले हैं। इन जालसाजों ने जिन बैंक खातों में ठगी गई रकम ट्रांसफर कराई थी, उन्हें भी फ्रीज करा दिया गया है।

एडिशनल डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि नोएडा सेक्टर-31 में रहने वाले रिटायर्ड मेजर जनरल ने 27 अगस्त को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि ठगों ने पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर उन्हें विदेश भेजे जा रहे पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य आपत्तिजनक सामान होने का डर दिखाया और उनसे रकम ट्रांसफर करवा ली। बैंक खातों की जांच में पता चला कि राजस्थान के जयपुर का एक गिरोह छात्रों और कर्मचारियों के खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर करवाता है। इसके बदले खाता धारकों को कमीशन मिलता है। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। टीम ने जयपुर के रहने वाले 30 वर्षीय कानाराम गुर्जर, अलवर के 22 वर्षीय ललित कुमार और 30 वर्षीय सचिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। इस गिरोह के सरगना राजकुमार को मुंबई पुलिस 2 अक्टूबर को ही गिरफ्तार कर चुकी है। एडिशनल डीसीपी के अनुसार, तीनों गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उनके गिरोह के जालसाज वरिष्ठ नागरिकों और रिटायर्ड अधिकारियों को स्कॉइप कॉल कर डिजिटल अरेस्ट कर लेते हैं और उन्हें डराकर रकम ट्रांसफर करवाते हैं।

विदेश में बैठे सरगना राजस्थान के लोगों के खातों का ठगी में इस्तेमाल कर रहे : डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने वाले गिरोह के तीन जालसाजों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। चीन, वियतनाम, संयुक्त अरब अमीरात और सिंगापुर में बैठे गिरोह के सरगना के निर्देश पर भारत में लोगों को डिजिटल अरेस्ट कर ठगा जा रहा है। ठगी की रकम राजस्थान के सीकर, जयपुर और अलवर में रहने वाले लोगों के खातों में ट्रांसफर कराई जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, जिन खातों में ठगी की रकम ट्रांसफर हो रही, उनमें से ज्यादातर राजस्थान के हैं। इसके बाद 15 जुलाई 2024 को राजस्थान के सीकर गिरोह का पर्दाफाश किया गया।

सरकार बनने पर हर जिले में होगा शिवाजी महाराज का मंदिर: उद्धव

भाजपा पर खूब बरसे उद्धव ठाकरे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत में दशहरा रैली हर साल राजनीतिक हलचल का केंद्र बनती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र की सियासत के दो प्रमुख चेहरे आज दो अलग-अलग जगहों पर रैलियों में शक्ति प्रदर्शन करते दिखे। एक तरफ मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आजाद मैदान में जोरदार हुंकार भरते नजर आए, तो दूसरी तरफ शिवसेना यूबीटी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे शिवाजी पार्क में अपने कार्यकर्ताओं में जोश से भरे हुए दिखाई दिए।

मुंबई के शिवाजी पार्क में पार्टी की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, महायुति सरकार केवल वोटों के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति बनवाई और वह मूर्ति ढह गई, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं और आपसे वादा करता हूं कि जब हम सत्ता में आएंगे तो महाराष्ट्र के हर जिले में छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर बनाएंगे। छत्रपति शिवाजी महाराज उनके लिए वोट बैंक हैं, लेकिन हमारे लिए वह भगवान हैं। वह (महायुति) कह रहे हैं कि हिंदुत्व को बचाने के लिए एक साथ आओ, आपने या मोदी ने पिछले 10 वर्षों में हिंदुत्व को क्यों नहीं बचाया?

दशहरा रैली के मंच से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

(आरएसएस) पर सीधा निशाना साधा। उद्धव ने अपने आक्रामक भाषण के दौरान कहा कि आरएसएस को आज की हाइब्रिड बीजेपी पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और आत्ममंथन करना चाहिए कि क्या वह अब भी इसके साथ सहमत है। उन्होंने कहा, भाजपा कौरवों की तरह है, जिससे अहंकार की बू आती है। मैंने भाजपा से इसलिए नाता तोड़ लिया क्योंकि मैं हिंदुत्व के उसके स्वरूप में विश्वास नहीं करता।

वहीं शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को संबोधित करते हुए महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) पर जमकर निशाना साधा। शिंदे ने कहा, पहले सबको लग रहा था कि हमारी सरकार 2-3 महीने में गिर जाएगी लेकिन सरकार ने 2 साल पूरे कर लिए। अगर (महा विकास अघाड़ी) सरकार नहीं हटाई होती तो महाराष्ट्र बहुत पीछे रह जाता। मैंने बिना रगड़े 2 साल पूरे कर लिए। मुझे हल्के में नहीं लीजिए, मैं भगोड़ा नहीं हूं, कट्टर शिवसैनिक हूं और कट्टर शिवसैनिक मैदान नहीं छोड़ता। शिंदे ने कहा, पहले लोग बाला साहब से मिलने आते थे, कहते थे कि मुझे मुख्यमंत्री बना दो लेकिन अब आपके (उद्धव ठाकरे) साथियों को आपकी शक्ल पसंद नहीं है, तो फिर ये महाराष्ट्र कैसे चलेगा। हम जो फैसला ले रहे हैं उससे उनके काले धंधे बंद हो गए हैं। हम फेसबुक लाइव नहीं बल्कि आमने-सामने काम कर रहे हैं। 1960 से शिवसेना हर साल दशहरे पर अपनी दशहरा रैली का आयोजन करती आई है, जिसकी शुरुआत शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने की थी। यह रैली शिवसेना की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा रही है।

इसका अंत अच्छा नहीं, एलन मस्क के ओपटीमाउस रोबोट पर कैसा है फैंस का रिएक्शन इंसानों की तरह करता है काम!

अमेरिका एजेंसी। टेस्ला ने हाल ही में ह्यूमेनॉइड रोबोट ओपटीमाउस को दुनिया के सामने पेश किया है। एलन मस्क का इस रोबोट को लेकर कहना है यह वह सब कर सकता है जो इंसानी दिमाग सोच सकता है। मस्क ने हाल ही में कहा कि ऑप्टिमस का लेटेस्ट वर्जन अब ÷कुछ भी कर सकता है÷, जो हमें भविष्य में एक अधूरा कदम देता है जहां रोबोट वह सब कुछ करने में सक्षम हो सकते हैं जो आप कर सकते हैं। कपड़े धोने से लेकर, कुत्ते को घुमाने तक, आपकी पीठ खुजलाने तक, वह जगह जहां आप वास्तव में नहीं पहुंच सकते, वहां ये रोबोट पहुंचा सकता है।अब इस रोबोट को लेकर फैंस ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक यूजर ने लिखा, ब्लैक मिरर ने हमें अजीब तरीके से दिखाया है, रोबोट का युग शुरू हो गया है नियमों और शर्तों को समझे बिना आपके घर में एक रोबोट को रखना खतरनाक हो सकता है; कई एआई उत्साही और टिप्पणीकार रोबोट के प्रतिकूल प्रभावों के बारे में चिंतित हैं। दूसरे यूजर ने कहा, मैंने इस तरह की फिल्में देखी हैं, इसका अंत हमारे लिए अच्छा नहीं है, इस तरह की किसी चीज के पलटने और उसके मालिक को मारने से पहले उसके अच्छे इरादे थे। एक अन्य यूजर ने पूछा, इस एक बार खरीदने से पहले मैं बस सोच रहा था। मस्क ने कार्यक्रम में ऑप्टिमस के बारे में बताते हुए कहा, यह आपके बीच चलेगा,उन्होंने रोबोट की क्षमताओं के बारे में विस्तार से बताया, यह दावा करते हुए कि यह आपके कुत्ते को घुमा सकता है।

गाजा में सहायता पिछले कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। पिछले लगभग एक साल से इजरायली हमले झेल रहे गाजा में खाद्य संकट चरम पर पहुंच रहा है। गाजा में संयुक्त राष्ट्र की ओर से पहुंचाई जाने वाली सहायता और खाद्य सामग्री कई महीनों में सबसे निचले स्तर पर है। सहायता आपूर्ति की कमी के कारण इस महीने गाजा में किसी को भी खाद्य सामग्री नहीं मिली है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने बयान जारी कर दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक संयुक्त राष्ट्र महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी गाजा में महत्वपूर्ण सहायता लाइनें कट गई हैं।

उन्होंने इस बात की जानकारी देते हुए कहा, संघर्ष झेल रहे गाजा में 1 अक्टूबर के बाद से कोई खाद्य सहायता नहीं पहुंची है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उत्तरी गाजा में मुख्य प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं और यदि संघर्ष जारी रहा तो उन तक पहुंचना संभव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि डब्ल्यूएफपी ने गाजा के उत्तरी हिस्से में अपने पास बची-खुची हुए खाद्य सामग्री को साझेदारों और नए

विस्थापित परिवारों को आश्रय देने वाले रसोईघरों में वितरित कर दिया है। लेकिन, यह खाद्य सामग्री बमुश्किल दो सप्ताह चलेगी। इलाके में पहले से चल रहे कई रसोईघर और बेकरी को बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यदि संघर्ष इसी पैमाने पर जारी रहा तो अन्य को भी बंद होने का खतरा है।

इसके बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, दक्षिण गाजा में भी स्थिति बहुत खराब है। खाद्य सामग्री का वितरण नहीं हो रहा है और बेकरियों को गेहूं का आटा जुटाने में संघर्ष करना पड़ रहा है, जिससे उन्हें किसी भी दिन बंद होने का खतरा है। हक ने कहा कि चुनौतियों के बावजूद, मानवीय संगठन अपनी पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। इसमें यूएनआरडब्ल्यूए, फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी, और गैर-सरकारी संगठन साझेदार, निर्धारित आश्रय स्थलों में और उसके बाहर रोटी, पका हुआ भोजन साथ ही आटा वितरित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के कर्मियों ने गुरुवार को डेर अल बलाह में अल रुफैदा के स्कूल में बनाए गए आश्रय स्थल का दौरा किया, जहां एक इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कई लोग मारे गए थे। मूल्यांकन दल ने तीन कक्षाओं, 20 टेंट, पांच बाथरूम, तीन पानी की टंकियों और 60 से अधिक परिवारों के सामानों के नष्ट होने या क्षतिग्रस्त होने का उल्लेख किया।

कराची एयरपोर्ट पर हमला कराने के पीछे किसकी थी साजिश रिपोर्ट में हो गया खुलासा

कराची। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट के पास हाल ही में हुए धमाके से जुड़ी एक महत्वपूर्ण सूचना सामने आई है। हवाई अड्डे के पास हुए विस्फोट को लेकर संकेत मिला है कि हमले को एक विदेशी खुफिया एंजेसी की सहायता से अंजाम दिया गया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकवाद निरोधक विभाग (सीटीडी) द्वारा आतंकवाद विरोधी अदालत को सौंपी गई रिपोर्ट में कहा गया है कि आत्मघाती बम विस्फोट ने पाकिस्तान-चीन संबंधों को नुकसान पहुंचाने की साजिश के तहत चीनी इंजीनियरों को निशाना बनाया।

रविवार को बलूच विद्रोही समूह की तरफ से चीनी श्रमिकों के एक काफिले को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में दो चीनी नागरिकों की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए। रविवार रात जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के पास हुए विस्फोट में संदिग्ध आत्मघाती हमलावर भी मारा गया। प्रारंभिक रिपोर्ट में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए)

की पहचान हमले में शामिल होने के रूप में की गई है और संकेत दिया गया है कि हमले को एक विदेशी खुफिया एजेंसी की सहायता से अंजाम दिया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे पता चलता है कि एक अज्ञात आतंकवादी ने विस्फोटक विस्फोट करने से पहले अपना वाहन चीनी नागरिकों के काफिले के करीब खड़ा किया था।

विस्फोट की आवाज सुनकर, पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस और रेंजर्स के कर्मियों सहित घायल लोगों को पाया। चीनी नागरिक शहर के बाहरी इलाके में पोर्ट कासिम इलेक्ट्रिक पावर कंपनी में काम कर रहे थे और घर लौट रहे थे जब उनके काफिले पर हमला हुआ। थाना प्रभारी की देखरेख में एयरपोर्ट थाने में मामला दर्ज किया गया है। सीटीडी की रिपोर्ट में अन्य मामलों के अलावा हत्या, हत्या का प्रयास, हमला, विस्फोटक सामग्री का उपयोग और आतंकवाद के आरोप शामिल हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में, एक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि इस दुखद घटना में 70 से 80 किलोग्राम विस्फोटक शामिल थे। शुक्रवार को चीन ने कहा कि उसने कराची में घातक आत्मघाती बम हमले के बाद एक अंतर-एजेंसी कार्य समूह को पाकिस्तान भेजा है। 60 अरब अमेरिकी डॉलर के चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के तत्वावधान में हजारों चीनी कर्मी पाकिस्तान में कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगा बलूचिस्तान लंबे समय से चल रहे हिंसक विद्रोह का घर है। बलूच विद्रोही समूह पहले भी सीपीईसी परियोजनाओं को निशाना बनाकर कई हमले कर चुके हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129